राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

6वां वार्षिक प्रतिवेदन
2024-2025

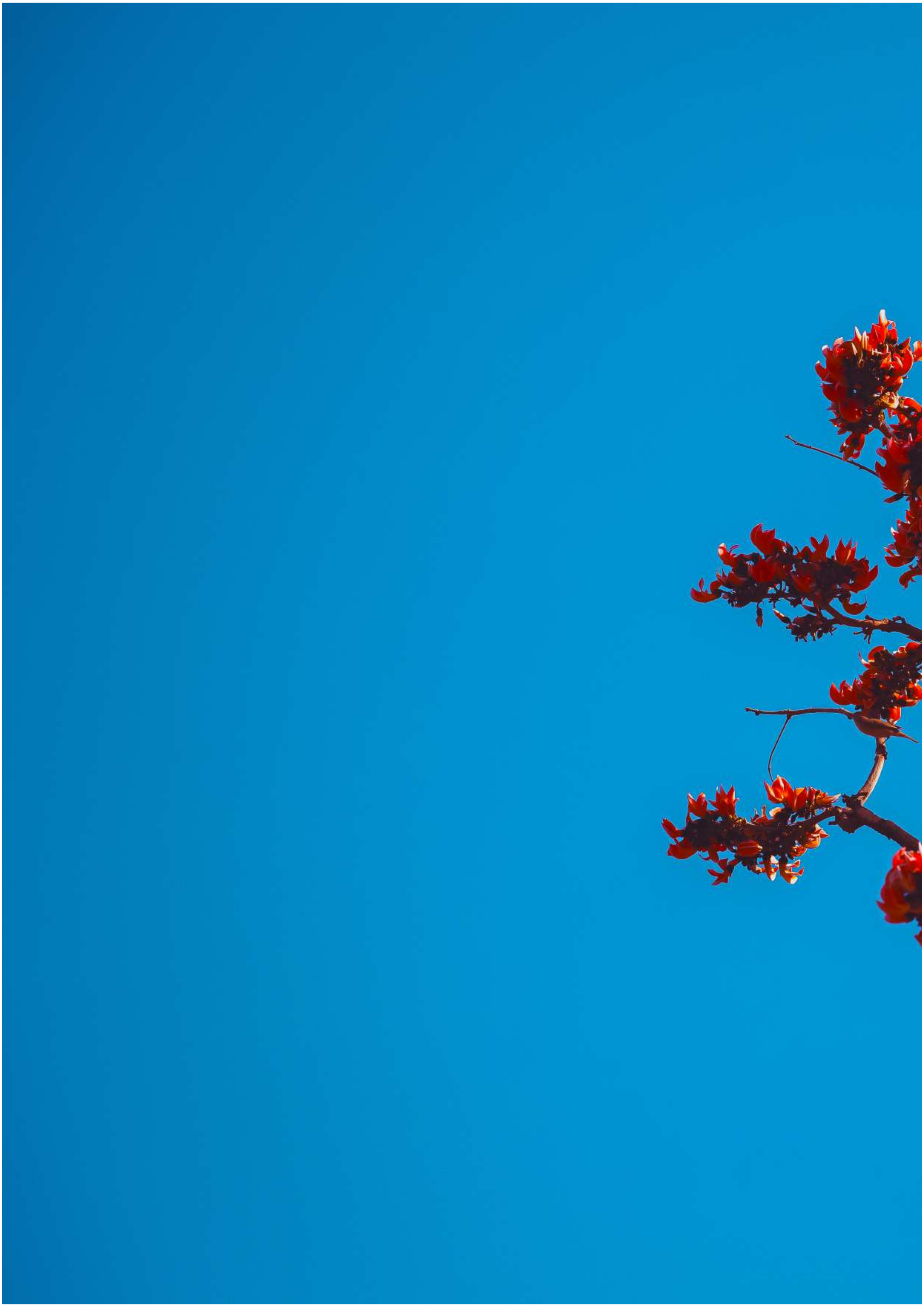

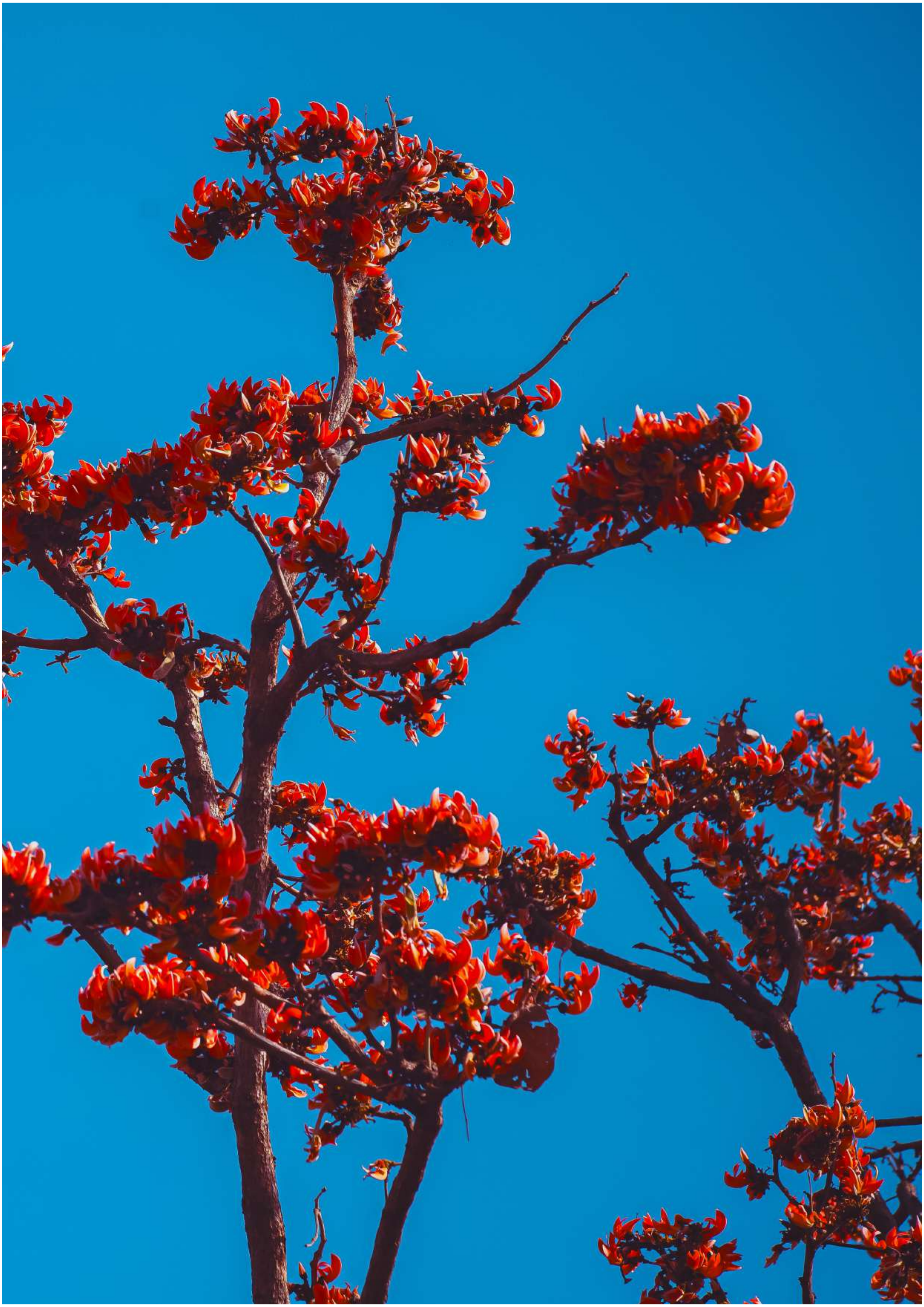

विषय-सूची

निदेशक का संदेश

आभार

1. परिचय

1.1 एनआईडी एमपी के बारे में 1

1.2 उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय 3

1.3 संस्थान का शासनादेश 4

1.4 एनआईडी एमपी का अधिनियम 5

1.5 एनआईडी एमपी की संविधियां 5

1.6 एनआईडी एमपी का अध्यादेश 5

1.7 संस्थान का प्रबंधन 6

2. सांविधिक निकाय

2.1 शासी परिषद 9

2.2 सीनेट 10

2.3 संकाय मंच 11

3 शिक्षण, अधिगम और शैक्षणिक कार्यक्रम

3.1 प्रवेश 15

3.2 फाउंडेशन स्टडीज 17

3.3 बैचलर ऑफ डिज़ाइन - बी.डेस. (संचार डिज़ाइन) 27

3.4 बैचलर ऑफ डिज़ाइन - बी.डेस. (औद्योगिक डिज़ाइन) 47

3.5 बैचलर ऑफ डिज़ाइन - बी.डेस. (वस्त्र और परिधान डिज़ाइन) 57

4. इंटीग्रेटेड डिज़ाइन सर्विस (IDS) परियोजनाओं पर एक नज़र 68

5. प्लेसमेंट 72

6. उपलब्धियां और गतिविधियां 76

7. एनआईडी एमपी के कार्यक्रम और गतिविधियां 82

8. मानव संसाधन विकास और परिसर अवसंरचना 100

9. परिसर जीवन 110

10. वित्तीय संसाधन 122

10.1 पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट 123

10.2 वार्षिक लेखा 130

निदेशक का संदेश

मुझे राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (एनआईडी एमपी) की वर्ष 2024-2025 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है।

इस वर्ष भारत में रचनात्मकता को बढ़ावा देने और डिज़ाइन शिक्षा को आगे बढ़ाने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय चिह्नित किया गया है। हम अकादमिक उत्कृष्टता, अंत:विषय शिक्षा और डिज़ाइन के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहे हैं। हमारे छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने एक ऐसे वातावरण को विकसित करने के लिए सहयोगात्मक रूप से काम किया है जो प्रयोग, सहयोग और विचारशील डिज़ाइन प्रथाओं को प्रोत्साहित करता है।

संस्थान ने सहयोगी परियोजनाओं, इंटर्नशिप और कार्यशालाओं के माध्यम से उद्योग और समुदायों के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने में सराहनीय प्रगति की है। हमारा पाठ्यक्रम वैश्विक रुझानों और डिज़ाइन में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप स्थिरता, उभरती प्रौद्योगिकियों और प्रासंगिक प्रासंगिकता पर अधिक जोर देते हुए निरंतर विकास हो रहा है।

हमें अपने छात्रों पर बहुत गर्व है, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मंचों पर असाधारण रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। एनआईडी म.प्र ने कारीगरों, ग्रामीण उद्यमों और सार्वजनिक संस्थानों के साथ साझेदारी करके सार्थक परिवर्तन लाने के लिए समावेशिता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी गहरा किया है।

भविष्य में, हमारा दृष्टिकोण केवल कुशल डिज़ाइनरों को ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी, सहानुभूतिपूर्ण डिज़ाइनरों को तैयार करना है जो नवाचार, संवेदनशीलता और सांस्कृतिक जागरूकता के साथ जटिल चुनौतियों का समाधान कर सकें ।

मैं वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, एनआईडी एमपी गवर्निंग काउंसिल, सीनेट, फैकल्टी, स्टाफ और हमारे सभी भागीदारों का एनआईडी एमपी के विकास में उनके अटूट सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं। मैं अपने छात्रों को उनके समर्पण और जुनून के लिए भी बधाई देती हूं, जो हमारी उपलब्धियों की आधारशिला बना है।

साथ में आइए हम डिज़ाइन के क्षेत्र में उत्कृष्टता, प्रासंगिकता और स्थायी प्रभाव के लिए प्रयास करें।

डॉ. विद्या राकेश

निदेशक

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

आभार:

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, मध्य प्रदेश की शासी परिषद, श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, भारत सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने एनआईडी एमपी को भारत में एक अग्रणी डिज़ाइन संस्थान बनाने की दिशा में तथा इसे आगे बढ़ाने में अपना निरंतर समर्थन दिया । वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान की उपलब्धियों, वृद्धि और विकास में उनका नेतृत्व महत्वपूर्ण रहा है ।

संस्थान की शासी परिषद, स्थापना के बाद से उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उनके प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करती है। डीपीआईआईटी के सचिव को हमारी संस्था के निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए हमारा विशेष धन्यवाद। उनकी प्रभावशाली उपस्थिति हमारे लिए अमूल्य रही है।

शासी परिषद संस्थान के विकास में संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी के असाधारण नेतृत्व, मार्गदर्शन और योगदान के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है। उनका मार्गदर्शन और प्रतिक्रिया एनआईडी एमपी की प्रणालियों और प्रक्रियाओं को आकार देने में सहायक रहा है, और हम उनके अटूट समर्थन की सराहना करते हैं।

इसके अलावा, संस्थान वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार; मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों; और जिला प्रशासन भोपाल के अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्थन और सहयोग को कृतज्ञता के साथ स्वीकार करता है। ऐनआईडी एमपी को विश्व स्तरीय शिक्षण और सीखने की गतिविधियों के आयोजन के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में उनकी सहायता महत्वपूर्ण रही है। उनका अटूट समर्थन मध्य भारत में कारीगरों, शिल्पकारों, उद्योग और जनता को लाभान्वित करने वाली हमारी पहलों की सफलता सुनिश्चित करने में सहायक रहा है।

1
परिचय

1.1 एनआईडी एमपी के बारे में

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (एनआईडी एमपी) डिज़ाइन उत्कृष्टता के एक प्रकाशस्तम्भ के रूप में खड़ा है, जिसमें नवाचार, रचनात्मकता और शैक्षणिक विशिष्टता शामिल है। एक प्रमुख संस्थान के रूप में, एनआईडी एमपी कलात्मक अभिव्यक्ति, तकनीकी दक्षता और अत्याधुनिक अनुसंधान की जीवंत संस्कृति को बढ़ावा देता है।

शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में स्थापित, एनआईडी एमपी, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में कार्यरत एक स्वायत्त शिक्षण संस्थान है। अपनी स्थापना के बाद से, संस्थान ने विकास और उपलब्धि का एक उल्लेखनीय प्रक्षेपवक्र तैयार किया है।

भोपाल, मध्य प्रदेश में स्थित, एनआईडी एमपी पूर्णकालिक, चार साल की अवधि का बैचलर ऑफ डिज़ाइन (बी.डेस.) निम्नलिखित विशेषज्ञता में डिग्री प्रदान करता है:

- संचार डिज़ाइन,
- औद्योगिक डिज़ाइन
- वस्त्र और परिधान डिज़ाइन

संस्थान का मिशन विश्व स्तरीय डिज़ाइन शिक्षा प्रदान करना, एवं डिज़ाइन जागरूकता पैदा करना और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए इसके अनुप्रयोग को बढ़ावा देना है।

अपनी यात्रा का एक महत्वपूर्ण क्षण आया, जब एनआईडी मध्य प्रदेश को 29 नवंबर 2019 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 के अधिनियमन के माध्यम से राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई) का प्रतिष्ठित दर्जा प्रदान किया गया था।

एक स्पष्ट दृष्टि के साथ स्थापित, एनआईडी एमपी डिज़ाइन शिक्षा, अनुसंधान और अभ्यास के संरचित प्रसार के लिए समर्पित है - जो भारत सरकार की प्रगतिशील नीतियों और पहलों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है।

संस्थान की शैक्षणिक नींव राष्ट्रीय मिशनों में गहराई से निहित है जैसे:

- मेक इन इंडिया
- स्किल इंडिया
- डिजिटल इंडिया
- स्टार्टअप इंडिया
- स्मार्ट सिटी मिशन

एनआईडी एमपी समुदाय का प्रत्येक सदस्य अनुभवात्मक सीखने और नवाचार के गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उल्लेखनीय रूप से, केवल पांच वर्षों में, एनआईडी एमपी ने भारत में डिज़ाइन शिक्षा के परिदृश्य पर महत्वपूर्ण छाप छोड़ी है। जैसे-जैसे हम इस प्रेरक यात्रा को जारी रखते हैं, उत्कृष्टता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता और रचनात्मक प्रतिभा के पोषण के प्रति हमारा समर्पण हमारे विकास की मार्गदर्शक ताकतें बनी हुई हैं।

एनआईडी एमपी केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं है, बल्कि परिवर्तनकारी बदलाव का उत्प्रेरक है। यह एक ऐसे क्षेत्र का प्रतीक है जहाँ प्रत्येक प्रतिभागी समाज के हर कोने में व्याप्त संकीर्ण मानदंडों के रूप में बने हुए यथास्थिति के विरुद्ध एक अनवरत अभियान में उत्साहपूर्वक संलग्न है। यह विशिष्ट दृष्टिकोण, जो हमारे संस्थागत मूल्यों में निहित है, उस समृद्ध यात्रा का सार है जिसे हम प्रेमपूर्वक एनआईडी एमपी कहते हैं।

एनआईडी मध्य प्रदेश के प्रेरणादायक प्रांगण में, हमारे कक्षाओं का परिणाम उत्कृष्टता के सर्वोच्च मानकों के अनुरूप है। संस्थान का दृढ़ विश्वास है कि रचनात्मक दृष्टि को पोषित करना, महत्वाकांक्षा को बढ़ावा देना, नवाचार को प्रज्वलित करना और शैक्षणिक विशिष्टता प्राप्त करना श्रेष्ठ शिक्षण पद्धति और समर्पित मार्गदर्शन की नींव पर आधारित होना चाहिए। भोपाल के हृदय में स्थित हमारा परिसर देश के सबसे सुंदर शैक्षणिक वातावरणों में से एक है—चारों ओर फैली हरी-भरी प्रकृति जो इसकी सीमाओं से परे तक विस्तृत है, एक शांत और प्रेरक वातावरण का निर्माण करती है।

एनआईडी एमपी शैक्षणिक संस्थान तक सुगम पहुँच के लिए परिसर हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन के निकट स्थित है, जिससे छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए यात्रा सुविधाजनक हो जाती है। स्वयं भोपाल, जो अपनी प्राचीन वास्तुकला, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शांत झीलों, स्वच्छ प्राकृतिक दृश्यों और आधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए प्रसिद्ध है, हमारी शैक्षणिक यात्रा के लिए एक जीवंत और प्रेरणादायक पृष्ठभूमि प्रदान करता है।

एनआईडी एमपी में विविधता फलती-फूलती है, जो हमारे छात्रों और कर्मचारियों के विविध समुदाय में परिलक्षित होती है। दृष्टिकोणों का यह समृद्ध मिश्रण परिसर को एक गतिशील, कलात्मक और बहुसांस्कृतिक केंद्र में परिवर्तित करता है, जो रचनात्मकता और सहयोग से जीवंत है।

हमारे प्रतिष्ठित शिक्षण विभिन्न उद्योगों और सम्मानित शैक्षणिक संस्थानों से अनुभव की संपदा लेकर आते हैं। एनआईडी एमपी के पाठ्यक्रम को सावधानीपूर्वक इस प्रकार तैयार किया गया है कि यह डिज़ाइन उद्योग की बदलती मांगों को पूरा कर सके, छात्रों की आकांक्षाओं के अनुरूप हो और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अवसरों से समृद्ध हो।

एनआईडी एमपी में शिक्षा परंपराओं से परे है। प्रत्येक दिन असीम संभावनाओं के कैनवास के रूप में खुलता है, जहाँ सीखना परिवर्तनकारी है और रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं।

1.2 उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी और वर्ष 2000 में औद्योगिक विकास विभाग के विलय के साथ इसका पुनर्गठन किया गया था। विभाग को पहले औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग कहा जाता था और जनवरी, 2019 में इसका नाम बदलकर डीपीआईआईटी कर दिया गया था।

2018 में, ई-कॉमर्स से संबंधित मामलों को विभाग को स्थानांतरित कर दिया गया था और 2019 में, विभाग को आंतरिक व्यापार, व्यापारियों और उनके कर्मचारियों और स्टार्टअप के कल्याण से संबंधित मामलों के लिए प्रभार दिया गया है। लॉजिस्टिक क्षेत्र के एकीकृत विकास के लिए अधिदेश भी नवंबर, 2021 में डीपीआईआईटी को आवंटित किया गया है।

डीपीआईआईटी की भूमिका नई और आगामी प्रौद्योगिकी में निवेश को सुविधाजनक बनाने, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में तेजी लाने और उद्योगों और व्यापार के संतुलित विकास का समर्थन करके देश के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है।

डीपीआईआईटी भारत सरकार की निम्नलिखित नीतियों और पहलों का प्रबंधन करने के लिए नोडल विभाग है:

- मेक इन इंडिया (एमआईआई)
- परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी)
- इन्वेस्ट इंडिया
- सार्वजनिक खरीद
- व्यापार करने में आसानी (ईओडीबी)
- स्टार्ट-अप इंडिया
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)
- राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) नीति
- राष्ट्रीय डिज़ाइन नीति
- इंडस्ट्रियल पार्क रेटिंग सिस्टम (आईपीआरएस)
- बौद्धिक संपदा अधिकार प्रशासन
- आईपीआर पदोन्नति और प्रबंधन के लिए सेल (सीआईपीएएम)

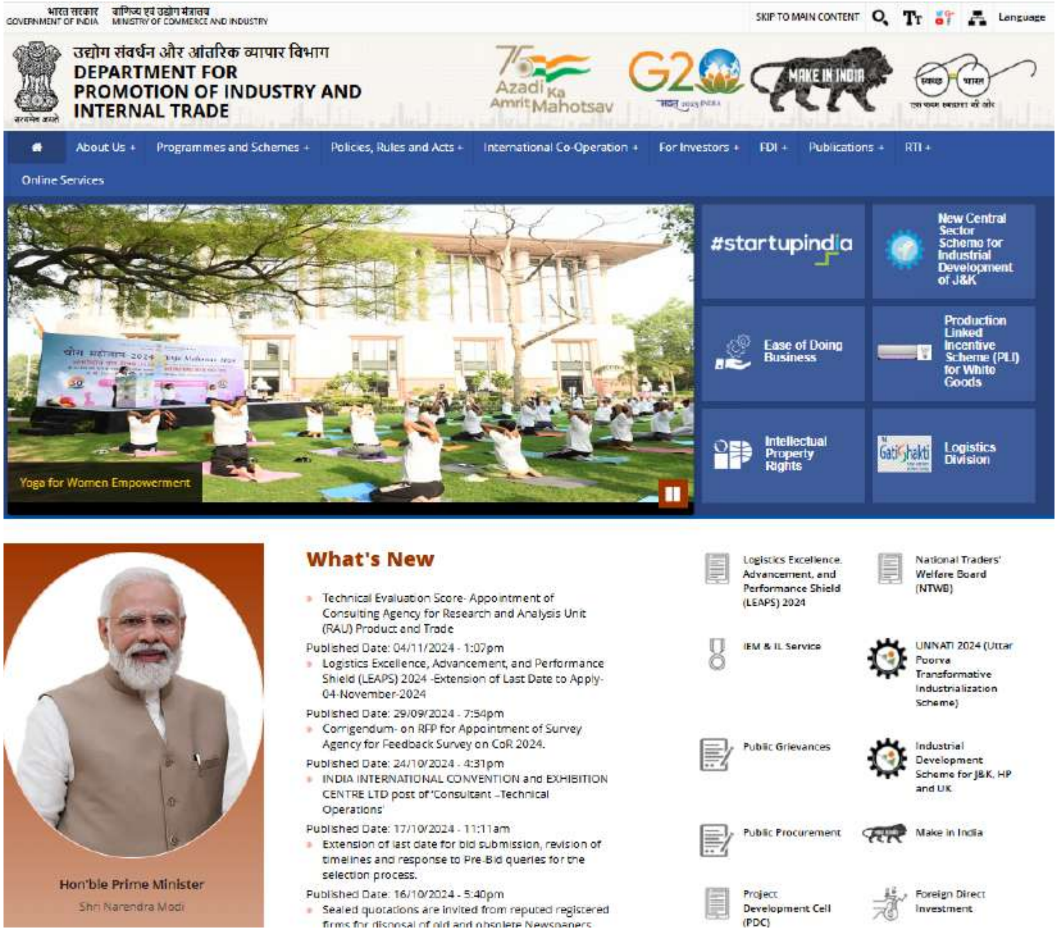

1.3 संस्थान का अधिदेश

एनआईडी एमपी का प्राथमिक मिशन निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्यों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए विश्व स्तरीय डिज़ाइन शिक्षा प्रदान करना और डिज़ाइन जागरूकता और अनुप्रयोग को बढ़ावा देना है:

शिक्षा: एनआईडी एमपी भारत की विविध डिज़ाइन आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम उत्कृष्ट डिज़ाइन पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए समर्पित है। यह 21वीं सदी के लिए डिज़ाइनर और डिज़ाइन शिक्षक तैयार करना चाहता है जो राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर उभरते आर्थिक और व्यावसायिक परिदृश्य मे अपना योगदान दे सके।

विस्तार: एनआईडी एमपी मौजूदा और नए संस्थागत तंत्र का लाभ उठाकर उच्च गुणवत्ता वाले डिज़ाइन पेशेवरों और संकाय सदस्यों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नॉलेज रिपॉजिटरी: एनआईडी एमपी का उद्देश्य पारंपरिक और आधुनिक प्रौद्योगिकियों को शामिल करते हुए उत्पादों, प्रणालियों, सामग्रियों और डिज़ाइन और उत्पादन प्रक्रियाओं से संबंधित डिज़ाइन ज्ञान, अनुभव और जानकारी के भंडार के रूप में कार्य करना है।

स्वदेशी समाधान: एनआईडी एमपी नवोन्मेषी, किफायती और स्वदेशी डिज़ाइन समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ रोजमर्रा के उपयोग के लिए उत्पादों और प्रणालियों के विकास को प्रोत्साहित करता है जो जनता की आवश्यकताओ को पूरा कर सके।

अनुसंधान उत्कृष्टता: एनआईडी एमपी डिज़ाइन के क्षेत्र में अत्याधुनिक ज्ञान उत्पन्न करने के लिए उपयोगकर्ता की समझ और डिज़ाइन रुझानों पर विशेष जोर देने के साथ मौलिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधान में कार्यरत है।

राष्ट्रीय प्रभाव: एनआईडी एमपी डिज़ाइनरों को राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रखने का प्रयास करता है, "वैश्विक रूप से सोच और स्थानीय रूप से कार्य करने की मानसिकता को बढ़ावा देते हुए डिज़ाइन शिक्षा और अभ्यास मानकों की बेंचमार्किंग करता है।

परामर्श सेवाएं: एनआईडी एमपी एकीकृत डिज़ाइन परामर्श सेवाएं और समस्याओं का अत्याधुनिक डिज़ाइन समाधान प्रदान करता है, जो छात्रों एवं समाज को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है और संस्थान के लिए राजस्व उत्पन्न करता है।

क्रॉस-डिसिप्लिनरी इंटीग्रेशन: एनआईडी एमपी अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए उत्पादों, सेवाओं, प्रक्रियाओं और प्रणालियों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन सहित विभिन्न क्षेत्रों में एक एकीकृत बल के रूप में डिज़ाइन को एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

ह्यूमनाइजिंग टेक्नोलॉजी: एनआईडीएमपी का मिशन बेहतर सूचना और इंटरफेस डिज़ाइन के माध्यम से भौतिक और आभासी दुनिया को पाटकर प्रौद्योगिकी को मानवीय बनाना है।

विकास के लिए डिज़ाइन: एनआईडी एमपी, संस्थान निर्माण, स्थायी आजीविका, रोजगार के अवसरों और आर्थिक विकास पर केंद्रित आउटरीच कार्यक्रमों के साथ-साथ शिल्प, हथकरघा, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, छोटे, मध्यम और बड़े पैमाने पर उद्यमों के लिए डिज़ाइन से संबधित योगदान प्रदान करता है।

1.4 एनआईडी एमपी का अधिनियम

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश को 29 नवंबर, 2019 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा दी गई सहमति के बाद राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 (2019 का संख्यांक 38) के दायरे में लाया गया था। यह नामकरण संस्थान को डिज़ाइन "बी. डेस" स्नातक, स्नातकोत्तर "एम. डेस" और "पीएचडी" की डिग्री प्रदान करने का अधिकार देता है।

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान अधिनियम, 2014 के संयोजन में, संस्थान के अधिकारियों, शक्तियों और इसके कामकाज के प्रमुख पहलुओं को चित्रित करता है। इसमें शिक्षण, शासी परिषद, सीनेट, फंडिंग स्रोत, वित्तीय खाते और ऑडिट, संविधियां और अध्यादेश और अन्य प्रासंगिक विवरण से संबंधित प्रावधान शामिल हैं।

प्रारंभिक (पहले) संविधियां अधिनियम की शर्तों को विस्तार से बताते हैं, जिसमें शासी परिषद, स्थायी समिति, निदेशक, सीनेट, संकाय धाराओं, शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम, फैलोशिप स्थापना, छात्रवृत्ति, पुरस्कार, शैक्षणिक सलाहकार समिति, संकाय फोरम, कर्मचारी वर्गीकरण, नियुक्ति चयन समिति, प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली की शक्तियों को रेखांकित किया गया है।

इसके अलावा, अध्यादेश छात्र अनुभव के सीखने, शिक्षण, मूल्यांकन और विभिन्न पहलुओं को नियंत्रित करने वाले मूलभूत ढांचे के रूप में कार्य करते हैं। वे संस्थान में एक समान और न्यायसंगत शैक्षिक दृष्टिकोण सुनिश्चित करने, मानकों और नीतियों की स्थापना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो शैक्षणिक अखंडता, मूल्यांकन विधियों, ग्रेडिंग, संसाधन उपयोग और छात्र आचार संहिता जैसे क्षेत्रों में नियमों के निर्माण का मार्गदर्शन करते हैं।

1.5 एनआईडी एमपी की संवधियिां

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान अधिनियम, 2014 (2014 का 18) की धारा 28 और 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश की शासी परिषद ने राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश के आगंतुक के रूप में अपनी क्षमता में भारत के माननीय राष्ट्रपति के अनुमोदन से राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश की पहली संविधियां को बनाया है। विधिवत अनुमोदित संविधियां को भारत के राजपत्र, (असाधारण, भाग III- खंड -4) में अधिसूचना संख्या 24024/59/2022-आईपीआर-वी दिनांक 13.04.2023 के माध्यम से अधिसूचित/प्रकाशित किया गया है। इन संविधियां को "राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश संविधियां, 2023" कहा जाएगा।

1.6 एनआईडी एमपी का अध्यादेश

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान अधिनियम, 2014 (2014 का 18) की धारा 30 और धारा 31 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संस्थान की सीनेट ने राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश का पहला अध्यादेश बनाया है। राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश का पहला अध्यादेश भारत के राजपत्र, (असाधारण, भाग III-खंड -4) में अधिसूचित/प्रकाशित किया गया है।

1.7 संस्थान का प्रबंधन

प्रबंधन टीम शैक्षणिक और रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करने, कार्यात्मक सुसंगतता स्थापित करने, शिक्षण उत्कृष्टता और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वे सेमेस्टर-वार शैक्षणिक कार्यक्रम तैयार करते हैं, छात्रों और कर्मचारियों दोनों के कल्याण को बनाए रखते हुए, वार्षिक बजटीय जरूरतों की देखरेख करते हैं, और संस्थान के संचालन और संसाधनों के कुशल प्रशासन की गारंटी देते हैं।

यह प्रभावी प्रबंधन दृष्टिकोण शैक्षणिक उपक्रमों की सतर्क निगरानी, साथी शैक्षणिक संस्थानों के साथ उपयोगी साझेदारी, चल रहे उद्योग सहयोग, मानव पूंजी का पोषण करने, बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर आधारित है, जबकि छात्रों को संस्थान के प्रयासों के केन्द्र में रखा गया है।

संस्थान का प्रबंधन निम्नलिखित प्राधिकारियों के माध्यम से किया जाता है:

- शासी परिषद
- निदेशक
- सीनेट
- शासी परिषद की स्थायी समिति
- गतिविधि अध्यक्ष (शिक्षा)
- अन्य गतिविधि अध्यक्ष
- शैक्षणिक सलाहकार समिति
- संकाय फोरम
- ज्ञानानुशासन लीड
- रजिस्ट्रार
- मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
- वित्त और लेखा नियंत्रक

2
सांविधिक निकाय

2.1 शासी परिषद

शासी परिषद संस्थान के प्रमुख कार्यकारी और नीति-निर्माण निकाय के रूप में कार्य करती है। यह व्यापक शैक्षणिक नीतियों, कार्यक्रमों को मंजूरी देती है और संस्थान के समग्र संचालन की देखरेख करती है। शासी परिषद में विभिन्न व्यक्तियों की एक विविध श्रृंखला शामिल होती है, जिसमें अनुभवों की एक विस्तृत श्रृंखला वाले उद्योगपति, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, संस्थान समुदाय के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित शिक्षाविद शामिल होतें हैं, जो सामूहिक रूप से परिप्रेक्ष्य और विशेषज्ञता का एक समृद्ध योगदान देते हैं।

अपनी प्रमुख जिम्मेदारियों में, शासी परिषद वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करता है और उसकी समीक्षा करता है, वार्षिक रिपोर्ट को मंजूरी देती है, लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की जांच करती है, संस्थान के संचालन को नियंत्रित करने के लिए संविधियां तैयार करती है, अध्यादेशों को मंजूरी देती है, और संस्थान की गतिविधियों के लिए प्रक्रियात्मक दिशानिर्देश निर्धारित करती है। इसके अतिरिक्त, शासी परिषद शैक्षणिक और संबंधित कार्यों पर पर्यवेक्षी प्राधिकरण का प्रयोग करती है, छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का आकलन करती है, शैक्षिक प्रगति की निगरानी करती है, और नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरूआत को अधिकृत करती है।

शासी परिषद को अपने कामकाज के लिए आवश्यक समझी जाने वाली समितियों की स्थापना करने का अधिकार है और उसे पारस्परिक रूप से सहमत नियमों और शर्तों पर बंदोबस्ती, अनुदान, दान और उपहार प्राप्त करने के लिए सरकारी और निजी संगठनों के साथ समझौता करने का अधिकार है।

शासी परिषद की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना और बनाए रखना, संस्थान के संरचनात्मक ढांचे को परिभाषित करना और संसाधन आवंटन की निगरानी करना है। यह वित्तीय प्रदर्शन की निगरानी और वित्तीय योजना और व्यय से संबंधित नीतियों का समर्थन करके संस्थान की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करती है। इसके अलावा, परिषद संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों की अखंडता को बनाए रखने और पहुंच, समावेशिता, समानता इक्विटी और विविधता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। अपने पूरे इतिहास में, शासी परिषद एनआईडी एमपी को डिज़ाइन शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थान बनने की दिशा में मार्गदर्शन करने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रही है, जो अपने छात्रों और हितधारकों की विविध जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करती है।

31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार शासी परिषद के सदस्य:

श्री प्रवीण महतो,
प्रधान आर्थिक सलाहकार, DPIIT,
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार, अध्यक्ष (पदेन)

श्रीमती आरती भटनागर,
अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार,
DPIIT, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार, सदस्य (पदेन)

डॉ. करुणेश कुमार शुक्ला,
निदेशक, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल,
सदस्य (पदेन)

श्री अतीश कुमार सिंह,
संयुक्त सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय,
भारत सरकार, सदस्य (पदेन)

श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह,
प्रधान सचिव, DPIIT, मध्य प्रदेश सरकार,
सदस्य (पदेन)

डॉ. विद्या राकेश,
निदेशक, एनआईडी मध्य प्रदेश,
सदस्य

श्री श्रीकृष्ण बिरमान,
कुलसचिव, एनआईडी एमपी,
सचिव (पदेन)

2.2 सीनेट (शासी सभा)

सीनेट, संस्थान के प्रमुख शैक्षणिक प्राधिकरण के रूप में, शिक्षण, मूल्यांकन और अनुसंधान के मानकों को बनाए रखने और विनियमित करने के लिए जिम्मेदार है। इसके अलावा, यह शिक्षण गुणवत्ता को बढ़ाने, सहयोगात्मक पहलों को बढ़ावा देने और बौद्धिक संपदा अधिकारों, उद्यमिता और ऊष्मायन जैसे प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए अकादमिक नीतियां तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एनआईडी एमपी में, सीनेट परिश्रमपूर्वक महत्वपूर्ण क्षेत्रों की एक श्रृंखला की देखरेख करती है, जिसमें प्रवेश से संबंधित मामले, निर्देशात्मक तरीके और परीक्षाएं, पाठ्यक्रम विकास और संशोधन, छात्रवृत्ति और पुरस्कार प्रदान करना, डिग्री प्रदान करना, साथ ही शैक्षणिक विषयों, कार्यक्रमों या परिसरों की स्थापना, पुनर्गठन या बंद करना। इन जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए, सीनेट सिफारिशें प्रस्तुत करने के जनादेश के साथ, विशिष्ट कार्यों के लिए समर्पित समितियों या कार्य समूहों की स्थापना कर सकती है।

इसके अलावा, सीनेट विभिन्न संकाय धाराओं और शैक्षणिक विषयों के भीतर गतिविधियों की आवधिक समीक्षा करती है, जिससे संस्थान के शैक्षिक मानकों को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए सूचित सिफारिशें की जाती हैं।

31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार सीनेट के सदस्य:

डॉ. विद्या राकेश,
निदेशक, एनआईडी मध्य प्रदेश,
अध्यक्ष

डॉ. (श्रीमती) अंजू रावले,
प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (NITTTR), भोपाल,
सदस्य

डॉ. सुब्रत रॉय, प्रोफेसर,
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (NITTTR), भोपाल,
सदस्य

प्रोफेसर (डॉ.) एन. श्रीधरन,
पूर्व निदेशक, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल,
सदस्य

डॉ. शेखर चटर्जी,
सीनियर डिज़ाइनर और गतिविधि अध्यक्ष (अनुसंधान और प्रकाशन) एनआईडी मध्य प्रदेश,
सदस्य

सुश्री नीतिका देवगन,
वरिष्ठ डिज़ाइनर और गतिविधि अध्यक्ष (शिक्षा), एनआईडी मध्य प्रदेश,
सदस्य

श्री अमित कुमार गेहलोत,
वरिष्ठ डिज़ाइनर और गतिविधि अध्यक्ष (वेलनेस), एनआईडी मध्य प्रदेश,
सदस्य

श्री नीरज तहिलियानी,
वित्त एवं लेखा नियंत्रक,
एनआईडी मध्य प्रदेश,
सदस्य

श्री श्रीकृष्ण बिरमान,
कुलसचिव, एनआईडी मध्य प्रदेश,
सदस्य और सचिव

2.3 संकाय मंच

संकाय मंच का गठन शासी परिषद द्वारा किया जाता है और इसमें संस्थान के सभी शिक्षण संकाय सदस्य शामिल होते हैं। संकाय मंच वर्ष में कम से कम दो बार आयोजित होता है, अधिमानतः प्रत्येक शैक्षणिक सेमेस्टर की शुरुआत से पहले। यह शैक्षणिक मामलों पर विचार-विमर्श करने, संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए दृष्टिकोण को आकार देने, संकाय चिंताओं को संबोधित करने और पाठ्यक्रम को मजबूत करने और विषयों में शैक्षिक मानकों को बढ़ाने के लिए पहल का प्रस्ताव करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। फोरम पाठ्यक्रम वितरण, मूल्यांकन विधियों और जूरी प्रक्रियाओं पर सीनेट को प्रतिक्रिया प्रदान करता है, जो शैक्षणिक प्रथाओं में निरंतर सुधार सुनिश्चित करता है।

संकाय मंच की अध्यक्षता निदेशक द्वारा की जाती है। निदेशक की अनुपस्थिति में, संस्थान के गतिविधि अध्यक्ष (शिक्षा) बैठकों की अध्यक्षता करते हैं। संकाय मंच की प्रतिक्रिया और सिफारिशें औपचारिक रूप से विचार और उचित कार्रवाई के लिए सीनेट को प्रस्तुत की जाती हैं।

8वां संकाय मंच 03 जुलाई 2024 को आयोजित किया गया था, इसके बाद 04 दिसंबर 2024 को 9वां संकाय मंच आयोजित किया गया था।

8वां संकाय मंच

9 वां संकाय मंच

3

शिक्षण अधिगम और शैक्षणिक कार्यक्रम

3.1 प्रवेश

एनआईडी मध्य प्रदेश अपने चार साल के बैचलर ऑफ डिज़ाइन (बी.डेस.) पाठ्यक्रम में छात्रों को एक केंद्रीकृत, डिज़ाइन एप्टीट्यूड टेस्ट (डीएटी) के माध्यम से प्रवेश देता है, जिसमें दो चरण शामिल हैं। चयन डीएटी के दोनों चरणों में उम्मीदवार के प्रदर्शन पर आधारित किया जाता है, जिसे ज्ञान, कौशल और व्यवहार क्षमताओं का आकलन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सफल उम्मीदवारों को बी.डेस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है। कार्यक्रम में एक वर्ष का फाउंडेशन कार्यक्रम पूरा करना आवश्यक है। पसंद के अनुसार विषय का आवंटन उम्मीदवार की योग्यता और वरीयता द्वारा निर्धारित किया जाता है, और इसे केवल फाउंडेशन कार्यक्रम के सफल समापन पर अंतिम रूप दिया जाता है।

- भारतीय नागरिकों के लिए सीटों की कुल संख्या (आरक्षित श्रेणियों सहित): 75
- अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए सीटों की कुल संख्या: 11
- भारतीय नागरिकों के लिए आरक्षण: भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार

2024-28 बैच में भर्ती किए गए छात्रों का विवरण इस प्रकार है:

श्रेणी	**कुल**	**आवंटित/ भरे गए**
सामान्य श्रेणी	30	30
ईडब्ल्यूएस	8	8
ओबीसी-एनसीएल श्रेणी	20	20
एससी श्रेणी	11	11
एसटी श्रेणी	6	6
विदेशी/अतिरिक्त*	11*	2*
कुल (जिसमें *विदेशी श्रेणी शामिल है)	75 + 11*	75+2*

अंतिम चयन प्रवेश प्रक्रिया में सीटों की उपलब्धता और उम्मीदवार के स्कोर पर आधारित है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रवेश प्रक्रिया अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है और प्रत्येक वर्ष प्रवेश के लिए केवल सीमित संख्या में उम्मीदवारों का चयन किया जाता है ।

एनआईडी एमपी में 86 बी.डिज़ाइन सीटों (बैच 2024-28) का विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.	प्रोग्राम का नाम	सीटें
1	बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (कम्युनिकेशन डिज़ाइन)	25 + विदेशी/ अतिरिक्त सीटें
2	बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (इंडस्ट्रियल डिज़ाइन)	25 + विदेशी/ अतिरिक्त सीटें
3	बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (टेक्सटाइल और अपैरल डिज़ाइन)	25 + विदेशी/ अतिरिक्त सीटें

नोट: एनआईडी एमपी में कुल 11 विदेशी/अतिरिक्त सीटें हैं।

सभी छात्र बैचलर ऑफ डिज़ाइन (बी.डेस.) में प्रवेश लेते है। एनआईडी मध्य प्रदेश में कार्यक्रम पहले वर्ष में फाउंडेशन स्टडीज कार्यक्रम के साथ अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू करता है। इस कार्यक्रम के सफल समापन पर, छात्रों को निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर विशिष्ट डिज़ाइन ज्ञानानुशासन आवंटित किए जाते हैं।

- पहले वर्ष के दौरान शैक्षणिक प्रदर्शन (वार्षिक ग्रेड प्वाइंट औसत - एजीपीए)।
- छात्रों द्वारा प्रस्तुत प्राथमिकताएं।
- प्रत्येक ज्ञानानुशासन में सीटों की उपलब्धता।

इस आवंटन प्रक्रिया को दुनिया भर के छात्रों का स्वागत करके विविधता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अंतरराष्ट्रीय छात्रों से संस्थान के सांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध करने, वैश्विक दृष्टिकोण लाने और सभी छात्रों को तेजी से परस्पर जुड़ी दुनिया के लिए तैयार करने में मदद करने की उम्मीद की जाती है।

मेरिट के आदेश (एजीपीए), छात्र वरीयताओं और सीट उपलब्धता के आधार पर, बी.डेस के लिए ज्ञानानुशासन बैच 2023-2027 आवंटन विवरण इस प्रकार हैं:

2024 में स्थापना वर्ष के बाद ज्ञानानुशासन आवंटन

कार्यक्रम	अलग-अलग कैटेगरी में भरी गई सीटों की जानकारी + भरी गई सुपरन्यूमरेरी सीटें
कम्युनिकेशन डिज़ाइन	25+2
इंडस्ट्रियल डिज़ाइन	24+1
टेक्सटाइल और अपैरल डिज़ाइन	20

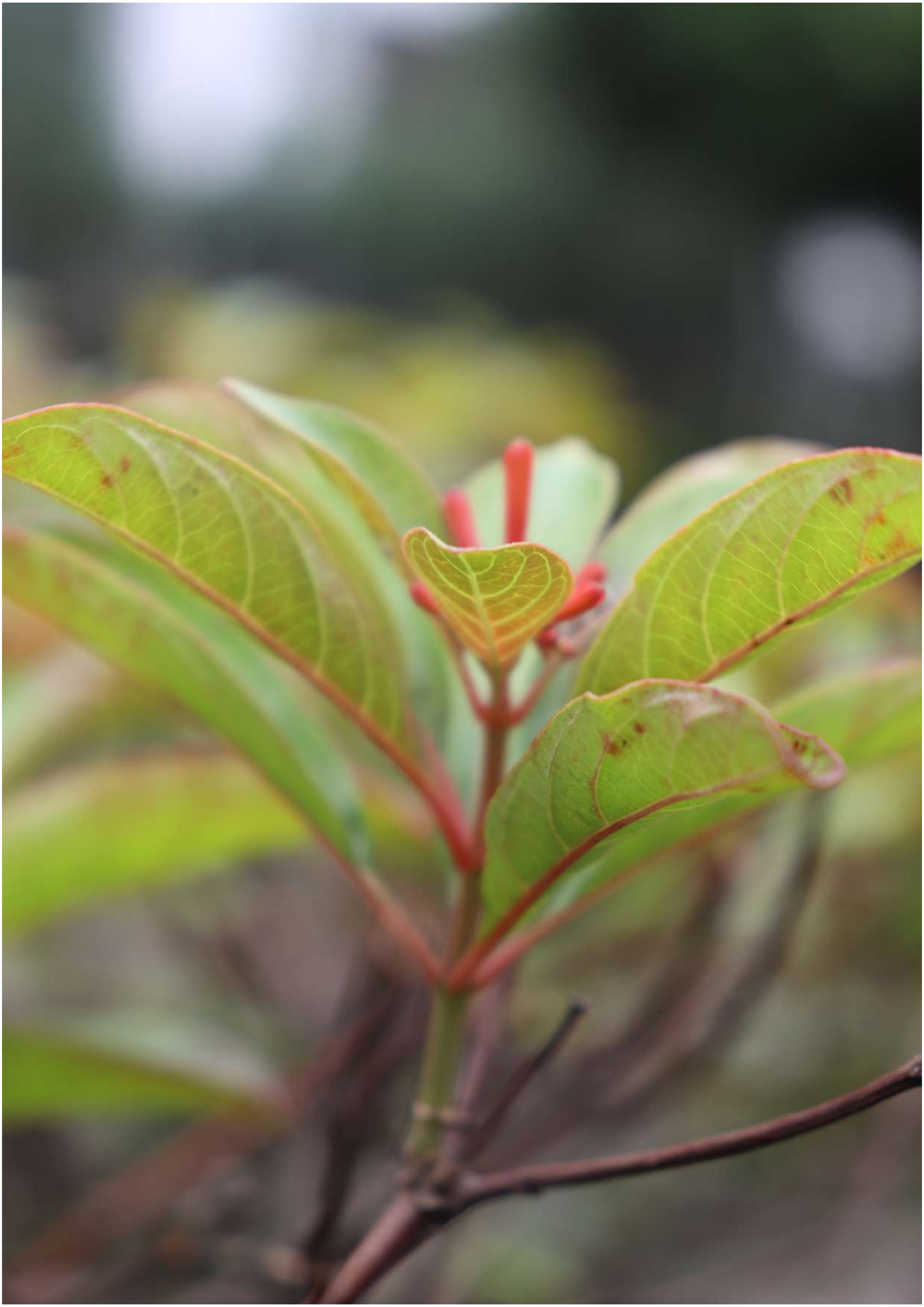

3.2 फाउंडेशन स्टडीज (यूजी कार्यक्रम)

ज्ञानानुशासन संक्षिप्त:

फाउंडेशन अध्ययन डिज़ाइन में विशेषज्ञता के लिए आवश्यक मूल्यों, दृष्टिकोण, संवेदी कौशल और सौंदर्य संवेदनशीलता विकसित करता है। यह छात्रों को डिज़ाइन के मूल सिद्धांतों से परिचित कराता है और छात्रों को एक रचनात्मक समस्या-समाधान प्रक्रिया के रूप में डिज़ाइन के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करता है। यह एक विकसित डिज़ाइन धारणा और दृष्टिकोण, डिज़ाइन की बहुविषयक प्रकृति की समझ और पर्यावरण, संस्कृति, मानव इंद्रियों और भावनाओं के साथ डिज़ाइन के संबंध को विकसित करने में मदद करता है। बुनियादी डिज़ाइन स्टूडियो पाठ्यक्रमों को भारतीय परिवेश के विश्व विचारों और समझ को विकसित करके संवर्धित किया जाता है। यह वैचारिक सोच, डिज़ाइन चिंताओं और डिज़ाइन प्रक्रियाओं के लिए अंतर्दृष्टि को समृद्ध करने में मदद करता है। छात्रों की सीख को वास्तविक जीवन की स्थितियों से लगातार जोड़कर बदलते वातावरण के बारे में जागरूकता पैदा करने की आकांक्षा रखता है। यह रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक निर्देश, उत्तेजना, सुविधाएं और अनुभव प्रदान करता है और इस तरह सभी को अपनी पहचान और क्षमता की खोज करने में मदद करता है।

अभिविन्यास कार्यक्रम का विवरण:

विभाग ने 78 छात्रों के नए बैच के लिए 10, 11 और 12 जुलाई 2024 को एक अभिविन्यास सत्र आयोजित किया, जहां उन्हें संस्थान और विभाग की सभी सुविधाओं और गतिविधियों के बारे में छात्रों को जानकारी दी गई थी । जैसे:

- सुश्री नीतिका देवगन (कार्यवाहक निदेशक, एनआईडीएमपी), श्री नीरज तहिलियानी (कार्यवाहक रजिस्ट्रार) और श्री अमित गहलोत (ज्ञानानुशासन लीड-फाउंडेशन स्टडीज) द्वारा दिए गए स्वागत संबोधन।
- फाउंडेशन स्टडीज टीम द्वारा तैयार की गई वेलकम किट छात्रों को दी गईं।
- डिज्नी आर्ट अटैक के पूर्व मेजबान श्री गौरव जुयाल द्वारा एक संवादात्मक क्रिएटिव सत्र आयोजित किया गया था।
- सुश्री रोमानी जेटली, कपड़ा पेशेवर और डिज़ाइन शिक्षक द्वारा प्रेरणादायक सम्बोधन किया
- एनआईडी एमपी में विभिन्न विषयों द्वारा संक्षिप्त प्रस्तुतियाँ

शैक्षणिक दौरा:

1. सेमेस्टर-I, बैच 2024 के छात्रों ने फ्रीहैंड ड्राइंग-I पाठ्यक्रम मे फ्रीहैंड ड्रॉइंग करने के लिए भोपाल के जगदीशपुर किले एवं रायसेन किले का दौरा किया।
2. सेमेस्टर I, बैच 2024 के छात्रों ने विज्ञान और उदार कला पाठ्यक्रम के दौरान भोपाल शहर की ताज-उल-मस्जिद, जनजातीय संग्रहालय और भारत भवन का भी दौरा किया।
3. सेमेस्टर II, बैच 2024 के छात्रों ने पर्यावरण धारणा पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में अचारपुरा और हज्जामपुरा गांवों का दौरा किया।
4. सेमेस्टर II, बैच 2024 के छात्रों ने पर्यावरण धारणा पाठ्यक्रम के दौरान सीहोर के महोड़िया गांव का दौरा किया।

उद्योग/शैक्षणिक विशेषज्ञों का दौरा:

1. श्री भार्गव मिस्त्री ने सेमेस्टर II, बैच 2023-2027 के लिए डिज़ाइन पद्धति पाठ्यक्रम के दौरान परिसर का दौरा किया।
2. श्री इरफान यू. तबानी ने सेमेस्टर I, बैच 2024-2028 के लिए फ्रीहैंड ड्राइंग - I कोर्स के लिए परिसर का दौरा किया।
3. डॉ. मिहिर भोले ने सेमेस्टर I, बैच 2024-2028 के लिए विज्ञान और उदार कला पाठ्यक्रम के दौरान परिसर का दौरा किया।
4. श्री सारंग फग्रे ने सेमेस्टर I, बैच 2024-2028 के लिए विज्ञान और उदार कला पाठ्यक्रम के दौरान परिसर का दौरा किया।
5. श्री दुर्गेश पवार ने सेमेस्टर I, बैच 2024-2028 के लिए बुनियादी सामग्री और प्रक्रिया पाठ्यक्रम के दौरान परिसर का दौरा किया।
6. डॉ. पराग व्यास ने सेमेस्टर I, बैच 2024-2028 के लिए बुनियादी सामग्री और प्रक्रिया पाठ्यक्रम के दौरान परिसर का दौरा किया।
7. सुश्री विद्या अय्यर ने सेमेस्टर I, बैच 2024-2028 के लिए रंग पाठ्यक्रम के तत्वों के दौरान परिसर का दौरा किया।
8. सुश्री नीती सिंह ने सेमेस्टर II, बैच 2024-2028 के लिए कला और डिज़ाइन पाठ्यक्रम के इतिहास के दौरान परिसर का दौरा किया।
9. सुश्री शुची माथुर ने सेमेस्टर I, बैच 2024-2028 के लिए पर्यावरणीय धारणा पाठ्यक्रम के दौरान परिसर का दौरा किया।
10. श्री एन. सकमाचा सिंह ने सेमेस्टर I, बैच 2024-2028 के लिए पर्यावरणीय धारणा पाठ्यक्रम के दौरान परिसर का दौरा किया।

समापन सेमेस्टर की जूरी:

फाउंडेशन अध्ययन विभाग ने 28 अप्रैल से 2 मई 2024 तक सेमेस्टर II, बैच 2023-2027 के लिए सेमेस्टर जूरी का संचालन किया। कुल 76 छात्रों ने सफलतापूर्वक जूरी पूरी की और उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया।

सेमेस्टर II के लिए जूरी (बैच 2023-2027):

बाहरी जूरी सदस्य:

1. सुश्री आरती यादव
2. श्री राजशेखर
3. श्री एमआर. चंद्रशेखर भेड़ा
4. सुश्री विभु मित्तल

फाउंडेशन अध्ययन विभाग ने 25 से 29 नवंबर 2024 तक सेमेस्टर I, बैच 2024-2028 के लिए सेमेस्टर जूरी का भी आयोजन किया। कुल 76 छात्रों ने सफलतापूर्वक जूरी पूरी की और उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया।

सेमेस्टर I के लिए जूरी (बैच 2024-2028)

बाहरी जूरी सदस्य:

1. श्री बिलाल आबिद
2. श्री आमिर नैय्यर
3. सुश्री अर्चना
4. सुश्री एंड्रिया मारिया सोनाली नोरोन्हा

प्रथम सेमेस्टर (बैच 2024-28) के लिए सेमेस्टर के समापन जूरी का एक दृश्य

द्वितीय सेमेस्टर (बैच 2023-27) के लिए सेमेस्टर के समापन जूरी का एक दृश्य

A TALE OF LEARNINGS
PREPARATION
APPLICATION
PRECISION
SYNTHESIS
OF APPLICATION
OF RIGHT COLOUR
CALM
ANGER
JOY
SUNLIGHT
ENTS OF COLOUR

निम्नलिखित डिज़ाइन पाठ्यक्रमों की पेशकश की गई:

सेमेस्टर I

1. फ्रीहैंड ड्राइंग I
2. पवित्र ज्यामिति
3. डिज़ाइन ड्राइंग
4. विज्ञान और उदार कला
5. बुनियादी सामग्री और प्रक्रियाएं
6. रंग के तत्व
7. रचना के तत्व

सेमेस्टर II

1. फ्रीहैंड ड्राइंग II
2. कला और डिज़ाइन का इतिहास
3. 3डी ज्यामिति और सामग्री का संयोजन
4. रूप और स्थान
5. पर्यावरणीय धारणा
6. डिज़ाइन पद्धति

फाउंडेशन अध्ययन संकाय के सदस्यों द्वारा स्नातक कार्यक्रमों के लिए निर्देशित स्नातक परियोजनाएं:

1. श्री सिदक बोमराह (इंडस्ट्रियल डिज़ाइन, बैच 2020-2024) ने "शहरी वनस्पति: सजावटी तालिकाओं" पर सुश्री नीतिका देवगन के मार्गदर्शन में डिज़ाइन हेक्स, मुंबई में अपनी स्नातक परियोजना पूरी की।
2. सुश्री रूची शाह (इंडस्ट्रियल डिज़ाइन, बैच 2020-2024) ने सुश्री नीतिका देवगन के मार्गदर्शन में टेक्टोना ग्रैंडिस फर्नीचर, अहमदाबाद में अपनी स्नातक परियोजना "एल्यूर: टेक्टोना ग्रैंडिस फर्नीचर के लिए एक फर्नीचर संग्रह" पर पूरी की।
3. सुश्री वेदांगी मोरे (इंडस्ट्रियल डिज़ाइन, बैच 2020-2024) ने "ईओएन: ए स्टडी ऑफ स्टोन इन लाइटिंग डिज़ाइन" पर सुश्री नीतिका देवगन के मार्गदर्शन में पॉल मैटर, नई दिल्ली में अपनी स्नातक परियोजना पूरी की।
4. सुश्री श्रद्धा सरोलकर (संचार डिज़ाइन, बैच 2020-2024) ने सुश्री श्रुति निगम के मार्गदर्शन में "शंख: रिब्रांडिंग में एक परियोजना" पर दूसरे विचार स्टूडियो में अपनी स्नातक परियोजना पूरी की।
5. सुश्री आर्या चुटके (संचार डिज़ाइन, बैच 2020-2024) ने "पीपल डिज़ाइन के लिए यूआई/यूएक्स के लिए नया आवेदन विकास" पर श्री संदीप जायसवाल के मार्गदर्शन में अपनी स्नातक परियोजना पूरी की।
6. सुश्री मृनमई (संचार डिज़ाइन, बैच 2020-2024) ने श्री संदीप जायसवाल के मार्गदर्शन में "एम एंड सी सची फरवरी के लिए वेबसाइट विकास" पर अपनी स्नातक परियोजना पूरी की।
7. सुश्री सई लोकरे (टीएडी, बैच 2020-2024) ने श्री संदीप जायसवाल के मार्गदर्शन में "शटल और सुइयों के लिए घरेलू कपड़ा संग्रह" पर अपनी स्नातक परियोजना पूरी की ।

फाउंडेशन स्टडीज ज्ञानानुशासन छात्रों की सूची: बैच 2024-28

1. आरज़ू अरोड़ा
2. अदिति श्रीकांत देव
3. आदित्य प्रधान
4. आदित्य प्रताप सिंह
5. आदित्य राज सिंह
6. आकांक्षा ए
7. अमृत सागर
8. अनयशा राय
9. अंकित मनोजकुमार अग्रवाल
10. अनूशा आनंद निगम
11. अनुष्का सिन्हा
12. अनुदीप अभिषेक दत्ता
13. अर्पिता सिंह
14. अरुंधथी एन बी
15. अश्विनी सी
16. अथेली भूमिका गौड़
17. एविग्ना एन एस
18. आयशा लिया
19. भागवत जूई संदीप
20. दानाह आयशा वलियाकथ थाइवालापिल
21. धनंजय पांचाल
22. दिविशा राजेश रावत
23. दीया पट्टाइल
24. दुर्वानकुर महेश निकम
25. गांधी लय नीलेश
26. गरिमा परमार
27. गौतम राज प्रथम
28. जय संतोष मघाडे
29. जय सेठी
30. जोशी श्रीया संतोष
31. काश्वी अग्रवाल
32. खुशी
33. कृष्ण विजयवर्गीय
34. लिखुम लोंगकुमर
35. मकवाना पूर्वा हरिओमप्रकाश
36. मानसवी भालवे
37. मणिनी विजय पाठक
38. मानुषी साल्वी

39. मीत मेर अल्पेशभाई
40. मुस्कान सुनील सोलंकी
41. नैतिक गुप्ता
42. नमन सुशील
43. नव्या कुमार
44. नियामा मोहम्मद अशरफ
45. पाटेकर संस्कृति सुधीर
46. पटेल देवकुमार अमितकुमार
47. पवार गौरव अनिल
48. क्वीना लिनेट क्रेस्टा
49. राधारापु कटनूरू प्रथिनव कुमार
50. रानू जामरा
51. रिधा सिद्धिक
52. रितेश कुमार
53. एस मुकेश
54. संभाव महापात्र
55. संस्कार चौधरी
56. साक्षी पासी
57. शक्ति मृणाली
58. शिवांगी प्रिया कश्यप
59. श्लोक निवृति पाटले
60. शुभ्रा अत्रेजा
61. सोनाली सिन्हा
62. सौरभ वर्मा
63. सृष्टि श्रीकांत हाटेकर
64. सुहानी
65. सुरजीत सिन्हा महापात्र
66. स्वर्ण गुप्ता
67. सैयद शयान अली
68. त्विष प्रवीण डोंगरे
69. उज्जवल मौहर
70. उज्जवल राठौर
71. वैभव
72. वंदना आर
73. वंस मोरवाल
74. वेदांत शिवरामकृष्णन
75. विशाखा के बीजू
76. यतीशा उल्केश देसाई
77. युक्ता संदेश सोमाने

अतिरिक्त जानकारी:

1. श्री लिखुम लॉन्गकुमार, श्री आदित्य प्रधान, सुश्री अरुंधति एनबी, और फाउंडेशन स्टडीज, बैच 2024-28 से सुश्री शुबा अत्रेजा को फ्रीहैंड ड्राइंग कोर्स के दौरान अपने ड्राइंग को पत्रिका अखबार में प्रकाशित किया गया था।
2. 2024-28 के बैच के छात्रों ने सेमेस्टर II जूरी के बाद सभी जूरी सदस्यों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया। जिसमे सत्र में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
3. बैच 2024-28 के छात्रों ने परामर्शदाता सुश्री सोनम चट्टवानी के साथ एक विशेष वेलनेस सत्र में भाग लिया, जिसमें एक लघु ध्यान अभ्यास और जूरी तैयारी और जूरी सप्ताह के दौरान तनाव के प्रबंधन पर चर्चा शामिल थी।
4. अचारपुरा गांव के निवासियों को डिज़ाइन पद्धति पाठ्यक्रम (सेमेस्टर II, बैच 2024-28) के दौरान बनाए गए छात्र कार्य की एक प्रदर्शनी का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

संकाय उपलब्धियां:

1. श्री अमित के. गहलोत को 6 सितंबर 2024 को एस पी ए भोपाल के डिज़ाइन विभाग में एम.डेस 302- उद्योग इंटर्नशिप के लिए बाहरी जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

2. श्री अमित ने 7 से 18 अक्टूबर 2024 तक राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, आंध्र प्रदेश में ज्यामितीय निर्माण- I पर दो सप्ताह का पाठ्यक्रम को पढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया था।

3. श्री अमित के. गहलोत ने एनआईडी एमपी के निदेशक की उपस्थिति में 31 दिसंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी) के 71वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान गणमान्य व्यक्तियों को औद्योगिक डिज़ाइन परियोजना की अवधारणा का प्रस्तुत की थी ।

4. सुश्री श्रुति निगम (फैकल्टी - फाउंडेशन स्टडीज) सुश्री सोनल वंजारे (फैकल्टी - टेक्सटाइल्स एंड एपरेल डिज़ाइन) के साथ राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम धागा- एक पहचान के लिए संस्थापक टीम का हिस्सा थीं।

5. श्री संदीप जायसवाल को कपड़ा डिज़ाइन ज्ञानानुशासन में समापन सेमेस्टर जूरी (VII सेमेस्टर) के लिए निफ्ट भोपाल में जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

फाउंडेशन अध्ययन के टीम सदस्य:

सुश्री नीतिका देवगन,
वरिष्ठ डिज़ाइनर (एसोसिएट प्रोफेसर)

श्री अमित कुमार गहलोत,
वरिष्ठ डिज़ाइनर (एसोसिएट प्रोफेसर)

सुश्री सुव्रता यादव,
डिज़ाइनर (फैकल्टी)

सुश्री अदिति शर्मा,
डिज़ाइनर (फैकल्टी)

सुश्री श्रुति निगम,
डिज़ाइनर (फैकल्टी)

श्री संदीप कुमार जायसवाल,
डिज़ाइनर (फैकल्टी)

3.3 बैचलर ऑफ डिज़ाइन (संचार डिज़ाइन)

ज्ञानानुशासन संक्षिप्त:

संचार डिज़ाइन का संकाय दृश्य और मौखिक संचार दोनों के सिद्धांतो, अनुप्रयोगों पर ज्ञान प्रदान करने के लिए समर्पित है। विविध मीडिया और मल्टीमीडिया प्लेटफार्मों के विशाल परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पाठ्यक्रम को डिज़ाइन सिद्धांत में एक मजबूत ग्राउंडिंग वाले छात्रों को प्रस्तुत करने के लिए तैयार किया गया है, जो डिज़ाइन उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करने में व्यावहारिक अनुभव के साथ युग्मित है। इस कार्यक्रम के भीतर छात्र शब्दों, छवियों और अभिव्यक्तियों को कुशलतापूर्वक मिश्रित करने, सूचना को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने और मानव अनुभवों को दृश्य रूप से संजोने के लिए आवश्यक सिद्धांत और अभ्यास में शामिल होते हैं।

पाठ्यक्रम में ग्राफिक डिज़ाइन, चलती छवियों और इंटरैक्शन डिज़ाइन सहित अवधारणाओं का एक स्पेक्ट्रम शामिल है। कार्यक्रम अत्यधिक विविधता से संबंधित है जो इस ज्ञानानुशासन के व्यापक स्पेक्ट्रम के भीतर निहित है। कार्यक्रम जटिल मुद्दों को दृश्य रूप से संवाद करना सिखाता है, जो विचारों और कार्यों को प्रभावित करेगा। शिक्षार्थी अपने सांस्कृतिक, सामाजिक, पारिस्थितिक और आर्थिक संदर्भ में सामग्री की समझ को विकसित करते हैं। छात्र संचार डिज़ाइन के विभिन्न क्षेत्रों में जटिल समस्याओं को हल करने के लिए रचनात्मक परिणाम के लिए वैचारिक, सौंदर्य और तकनीकी कौशल विकसित करते हैं।

अभिविन्यास कार्यक्रम का विवरण:

विभाग ने बैच 2023-2027 के छात्रों के लिए जुलाई 2024 के मध्य में एक अभिविन्यास सत्र आयोजित किया। सत्र के दौरान, छात्रों को सभी संकाय सदस्यों, तकनीकी कर्मचारियों और संस्थान और विभाग की विभिन्न सुविधाओं और गतिविधियों से परिचित कराया गया।

शैक्षणिक / शैक्षिक दौरा:

1. सेमेस्टर VII, बैच 2021-25 के छात्रों ने 19 जुलाई 2024 को इंदौर में विजयश्री पैकेजिंग लिमिटेड का दौरा किया, जहां उन्होंने उद्योग विशेषज्ञों के साथ बातचीत की और पैकेजिंग में जानकारी प्राप्त की।
2. सेमेस्टर III, बैच 2023-27 के छात्रों ने 03 सितंबर 2024 को ऊपरी झील, ताज-उल-मस्जिद और भोपाल में पुराने बाजार का दौरा किया, स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत की और फोटोग्राफी के बारे में सीखा।
3. सेमेस्टर IV, बैच 2023-27 के छात्रों ने 01 मार्च 2025 को रायसेन में आंकलपुर गांव का दौरा किया, जहां उन्होंने स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत की और अवधारणा कला की अवधारणा के बारे में सीखा।
4. सेमेस्टर VI, बैच 2022-26 के छात्रों ने 25 मार्च 2025 को भोपाल में एमपी नगर का दौरा किया, स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत की और छवि बनाने के बारे में सीखा।

छात्रों का शैक्षणिक दौरा

उद्योग/शैक्षणिक विशेषज्ञों का दौरा:

अतिथि बातचीत और विशेषज्ञ सत्र - बी.डेस. (संचार डिज़ाइन)

1. प्रो. मधुसूदन मुखर्जी, एस एल यू आर्ट्स एंड एच. एंड पी. ठाकोर कॉमर्स कॉलेज फॉर गर्ल्स, अहमदाबाद ने 19-23 अगस्त 2024 तक परिसर का दौरा किया और संचार अध्ययन मॉड्यूल पर तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के साथ बातचीत की।
2. फोटोग्राफर और क्यूरेटर श्री संदीप विश्वास ने 27 अगस्त से 06 सितंबर 2024 तक परिसर का दौरा किया, डिजिटल फोटोग्राफी मॉड्यूल के परिचय पर 5 सेमेस्टर के छात्रों के साथ बातचीत की।
3. गटिका स्टूडियो, मुंबई विभाग की सुश्री मिलन ट्रेस जॉन ने 3 सेमेस्टर के छात्रों के लिए फिल्म प्रशंसा पर 9 से 13 सितंबर 2024 तक सत्र आयोजित किए।
4. लाइव-एक्शन और एनीमेशन सिनेमा के सलाहकार शिक्षक श्री गौतम चक्रवर्ती ने 15 जुलाई से 02 अगस्त 2024 तक कहानी कहने के पाठ्यक्रम के दौरान तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के साथ बातचीत की।
5. ग्राफिक नैरेटिव के विजिटिंग फैकल्टी श्री देबकुमार मित्रा ने 17 सितंबर से 05 अक्टूबर 2024 तक विजुअल डिज़ाइन-I पाठ्यक्रम में तीसरे सेमेस्टर के छात्रों से बातचीत की।
6. श्री आशीष कुमार, कला और प्रकार, ने 5 अगस्त से 16 अगस्त 2024 तक तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए टाइपोग्राफी-I पर सत्र आयोजित किए।
7. श्री गगन खन्ना, रचनात्मक सलाहकार और परामर्शदाता ने कई मॉड्यूलों में छात्रों के साथ बातचीत की:
   - डिज़ाइन विचार और विमर्श, सेमेस्टर V, 19-23 अगस्त 2024
   - दृश्य डिज़ाइन-II, सेमेस्टर V, 27 अगस्त - 13 सितंबर 2024
   - डिज़ाइन अनुसंधान विधि, सेमेस्टर IV, 03-14 फरवरी 2025
8. श्री मनीष कुमार, आईडीसी स्कूल ऑफ डिज़ाइन, आईआईटी बॉम्बे, ने 15 जुलाई - 02 अगस्त 2024 से 5 वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए इमेज मेकिंग-I पर सत्र आयोजित किए।
9. श्री आकाश गौर, लीड, सेंटर फॉर मूविंग इमेज, अनंत विश्वविद्यालय ने 05 अगस्त -17 अगस्त 2024 से पोस्टप्रोडक्शन प्रक्रिया पर 5 वें सेमेस्टर के छात्रों के साथ बातचीत की।
10. श्री समीर तावडे, विजुअल आर्टिस्ट, मुंबई ने 07 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2024 तक सेमेस्टर V के छात्रों के लिए स्टॉप मोशन सत्र आयोजित किए।
11. श्री अरुण सदानंदन, फिल्म निदेशक, निर्माता, लेखक, अभिनेता - वीजे फिल्म हाउस स्कूल ऑफ सिनेमा, कोच्चि ने 17 सितंबर - 21 सितंबर 2024 तक 5 वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए कार्यशाला-II का आयोजन किया।
12. डॉ. पिजुश दत्ता, संकाय, पत्रकारिता और रचनात्मक अध्ययन, जागरण झील सिटी विश्वविद्यालय, भोपाल, ने 23 सितंबर - 05 अक्टूबर 2024 से परियोजना पीएसए/एडीएस पर 5 वें सेमेस्टर के छात्रों के साथ बातचीत की।
13. श्री वी. रघु राम, विजिटिंग फैकल्टी, आईआईएम-बैंगलोर; सदस्य, आईआईएम-एमजीएनएफ फैलोशिप पैनल ने 29 जुलाई - 02 अगस्त 2024 से 7 वें सेमेस्टर के लिए डिज़ाइन प्रबंधन सत्र आयोजित किए।
14. श्री सुधीर कुदुचकर, मुख्य मेंटर और संस्थापक, थ्रीडॉट डिज़ाइनों के नेतृत्व में पैकेज डिज़ाइन ने 15 जुलाई - 26 जुलाई 2024 से 7 वें सेमेस्टर के लिए सत्र आयोजित किए।
15. श्री कुंगा थिनले ने 12 अगस्त -31 अगस्त 2024 से 7 वें सेमेस्टर के लिए मोशन ग्राफिक्स सत्र आयोजित किए।
16. डॉ. रिकिमी मधुकैल्या, एसोसिएट प्रोफेसर, एमआईटी एडीटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, पुणे, ने 30 दिसंबर 2024 - 03 जनवरी 2025 से सौंदर्यशास्त्र के परिचय पर चौथे सेमेस्टर के छात्रों के साथ बातचीत की।
17. सुश्री उज्जवला कपूर, वृत्तचित्र फिल्म निर्माता, ने 20 जनवरी - 24 जनवरी 2025 से चौथे सेमेस्टर के लिए फिल्म निर्माण प्रक्रिया सत्र आयोजित किए।
18. श्री ट्रॉय वसंत, एलईडी प्रोडक्शन साउंड एंड साउंड डिज़ाइन, ने 10 मार्च - 21 मार्च 2025 से 4 सेमेस्टर के लिए सत्र आयोजित किए।
19. शाहीन मोहम्मद शेरिफ, एनीमेशन फिल्म डिज़ाइनर, संस्थापक - नालोरू स्टूडियो ने 24 मार्च - 11 अप्रैल 2025 से 4 सेमेस्टर छात्रों के लिए एनीमेशन बेसिक सत्र आयोजित किए।
20. श्री अंकित प्रजापति, वरिष्ठ यूएक्स डिज़ाइनर, अमेज़ॅन ने 03 मार्च - 13 मार्च 2025 से यूआई/यूएक्स उत्पाद विकास पर 6 वें सेमेस्टर छात्रों के साथ बातचीत की।
21. श्री सुदीप्तो दास, क्रिएटिव हेड - फिल्म एंड टेलीविजन मीडिया ने 03 फरवरी - 28 फरवरी 2025 से 6 वें सेमेस्टर छात्रों के लिए वृत्तचित्र फिल्म सत्र आयोजित किए।
22. श्री लालोन लाल, कलाकार-डिज़ाइनर ने 16 दिसंबर - 27 दिसंबर 2024 से 4 सेमेस्टर के लिए विद्युतीय-I सत्र का नेतृत्व किया।
23. श्री उत्सव शर्मा, डिज़ाइन प्रमुख, संस्थापक, वुडकिन्स डिज़ाइन ने 16 दिसंबर-27 दिसंबर 2024 से 6 वें सेमेस्टर के लिए इलेक्टिव-II पाठ्यक्रम के लिए सत्र आयोजित किए।

शैक्षणिक गतिविधियां

जूरी सत्र

जूरी के लिए:

1. श्री अरुण सदानंदन, फिल्म निदेशक, निर्माता, लेखक और केरल के अभिनेता, कार्यशाला सुविधाकर्ता, वीजे फिल्म हाउस स्कूल ऑफ सिनेमा, कोच्चि में शिक्षाविदों के प्रमुख, 18 नवंबर को परिसर का दौरा किया। 22 नवंबर 2024 तक और VII सेमेस्टर के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
2. ब्रांड और प्रकाशन डिज़ाइन के लिए रचनात्मक दृश्य संचार विभाग के श्री जालप लखिया ने 18 नवंबर को परिसर का दौरा किया। 22 नवंबर 2024 तक और VII सेमेस्टर के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
3. कला और प्रकार विभाग के श्री आशीष कुमार ने 18 नवंबर से 22 नवंबर 2024 तक परिसर का दौरा किया और 5 वें सेमेस्टर के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
4. कलाकार, फिल्म निर्माता, शिक्षाविद विभाग के श्री प्रदीप्ता रे ने 18 नवंबर से 22 नवंबर 2024 को परिसर का दौरा किया और वी सेमेस्टर के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
5. श्री गगन खन्ना 25 वर्षों से अधिक के अंतर्राष्ट्रीय उद्योग अनुभव के साथ एक निपुण रचनात्मक पेशेवर, वर्तमान में व्यवसायों हेतु परामर्शकर्ता, स्टार्टअप और डिज़ाइन में छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। "अमेज़ॅन बेस्टसेलर बुक ""डिज़ाइन क्लास डिकोडेड"" के लेखक ने 18 नवंबर से 22 नवंबर 2024 को परिसर का दौरा किया और छात्रों के साथ III सेमेस्टर के एक जूरी सदस्य के साथ बातचीत की।"
6. श्री रितेश कुमार, एसोसिएट सीनियर फैकल्टी, एनआईडी अहमदाबाद ने 18 नवंबर से 22 नवंबर 2024 को परिसर का दौरा किया और III सेमेस्टर के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
7. श्री अरुण सदानंदन, केरल के फिल्म निदेशक, निर्माता, लेखक और अभिनेता, वीजे फिल्म हाउस स्कूल ऑफ सिनेमा, कोच्चि में शिक्षाविदों के प्रमुख, ने 13 मई से 17 मई 2024 को परिसर का दौरा किया और VI सेमेस्टर के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
8. श्री गोपाल एस कृष्णन, संस्थापक एम एंड सी साची ने 13 मई से 17 मई 2024 को परिसर का दौरा किया और VI सेमेस्टर के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
9. श्री विद्या भूषण, एक बहुविषयक डिज़ाइनर और एनआईडी म. प्र के पूर्व संकाय ने 13 मई से 16 मई 2024 को परिसर का दौरा किया और IV सेमेस्टर के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।

जूरी सत्र

स्नातक परियोजना जूरी के लिए:

1. यूआई/यूएक्स के विशेषज्ञ श्री अरुण कुरामथराइल ने 30 सितंबर से 01 अक्टूबर 2024 को परिसर का दौरा किया और आठवीं सेमेस्टर जीपी जूरी के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
2. श्री नीलमणि कुमार ने 30 सितंबर से 01 अक्टूबर 2024 को परिसर का दौरा किया और आठवीं सेमेस्टर जीपी जूरी के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
3. आईआईटी हैदराबाद में एसोसिएट प्रोफेसर श्री डेलविन जूड रमेडियोस ने 30 सितंबर 2024 को परिसर का दौरा किया और आठवीं सेमेस्टर जीपी जूरी के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
4. डॉ. संतोष बी. क्षीरसागर, पूर्व डीन जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स, मुंबई, ने 30 सितंबर, 03 अक्टूबर से 04 अक्टूबर 2024 को परिसर का दौरा किया और आठवीं सेमेस्टर जीपी जूरी के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
5. श्री गोपाल एस कृष्णन, संस्थापक, एम एंड सी साची ने 03 अक्टूबर से 05 अक्टूबर 2024 को परिसर का दौरा किया और आठवीं सेमेस्टर जीपी जूरी के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
6. सुश्री मिलन ट्रेस जॉन, गातिका स्टूडियो, ने 03 अक्टूबर से 05 अक्टूबर 2024 को परिसर का दौरा किया और आठवीं सेमेस्टर जीपी जूरी के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
7. श्री पुष्पेन्द्र नाथ मिश्रा, एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता, मुंबई ने 03 अक्टूबर से 04 अक्टूबर 2024 को परिसर का दौरा किया और आठवीं सेमेस्टर जीपी जूरी के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।
8. डॉ. पिजुश दत्ता पत्रकारिता संकाय और रचनात्मक अध्ययन जागरण झील विश्वविद्यालय, भोपाल ने 05 अक्टूबर 2024 को परिसर का दौरा किया और आठवीं सेमेस्टर जीपी जूरी के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की
9. एनआईडी एपी के पूर्व निदेशक डॉ. शेखर मुखर्जी ने 05 अक्टूबर 2024 को परिसर का दौरा किया और आठवीं सेमेस्टर जीपी जूरी के जूरी सदस्य के रूप में छात्रों के साथ बातचीत की।

जीपी जूरी सत्र

प्रमुख उद्योग संपर्क:

1. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 की सुश्री अदिति शयोरी ने 20 मई से 13 जुलाई 2024 की अवधि के लिए इंटैक से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
2. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 की सुश्री अनन्या शर्मा ने 20 मई से 20 जुलाई 2024 की अवधि के लिए किनकिनी आर्ट गैलरी से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
3. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 से सुश्री आशिका मिरियम ने 20 मई से 15 जुलाई 2024 की अवधि के लिए एम एंड सी साची मिडिल ईस्ट से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
4. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 के श्री गगन होलकर ने 20 मई से 20 जुलाई 2024 की अवधि के लिए मुस्कान से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
5. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 की सुश्री भाव्या कार्तिकेयन ने 23 मई से 05 जुलाई 2024 की अवधि के लिए एम एंड सी साची से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
6. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 के श्री इस्सैक बाबू निनान ने 20 मई से 15 जुलाई 2024 की अवधि के लिए स्टूडियो ईकसौरस से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
7. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 की सुश्री किंशुक अग्रवाल ने 26 मई से 12 जुलाई 2024 की अवधि के लिए लिटिमाइंडट्री से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
8. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 के श्री मानस झा ने 20 मई से 20 जुलाई 2024 की अवधि के लिए केतन पाल से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
9. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 की सुश्री मेधा कुलकर्णी ने 15 मई से 04 जुलाई 2024 की अवधि के लिए स्टूडियो ईकसौरस से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
10. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 की सुश्री मीरा रायचूरा ने 15 मई से 15 अगस्त 2024 तक की अवधि के लिए पोर्टल लर्न (रिमोट) से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
11. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 के श्री मिथुन वासुदेवन ने 20 मई से 20 जुलाई 2024 की अवधि के लिए केतन पाल से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
12. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 से सुश्री निजान समद ने 20 मई से 14 जुलाई 2024 की अवधि के लिए विचिथराम से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
13. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 की सुश्री नादिया शाह ने 20 मई से 12 जुलाई 2024 की अवधि के लिए डिस्टिल मीडिया से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
14. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 से सुश्री रिद्धी सिंह ने 20 मई से 20 जुलाई 2024 की अवधि के लिए अडानी समूह से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
15. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 से सुश्री समीक्षा खेर्डे ने 20 मई से 20 जुलाई 2024 की अवधि के लिए बॉम्बे बर्लिन और एकता सामूहिक से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
16. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 के श्री शरण एम ने 20 मई से 20 जुलाई 2024 की अवधि के लिए केतन पाल से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
17. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 से सुश्री शुभांगिनी मेहता ने 15 मई से 04 जुलाई 2024 की अवधि के लिए स्टूडियो ईकसौरस से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
18. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 के श्री सिद्धार्थ बिस्वास ने 03 मई से 01 जुलाई 2024 की अवधि के लिए नौक्सिया से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
19. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 से सुश्री स्वरांगी सावंत ने 20 मई से 20 जुलाई 2024 की अवधि के लिए मस्कन से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
20. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 की सुश्री उर्वी वार्ष्णेय ने 28 मई से 19 जुलाई 2024 की अवधि के लिए चिपर क्रिएटिव (रिमोट) से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
21. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 से सुश्री वैशाली ने 20 मई से 12 जुलाई 2024 की अवधि के लिए स्टैम्प एंड सील से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।
22. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, सेमेस्टर VI, बैच 2021-25 से सुश्री वैष्णवी कोष्ठी ने 01 जून से 31 जुलाई 2024 की अवधि के लिए इकोस्ट्रीम सिक्किम से अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की।

शैक्षणिक दौरे के दौरान उद्योग के लोगों के साथ छात्रों की बातचीत

अंतिम सेमेस्टर जूरी:

1.संचार डिज़ाइन संकाय ने 18-22 नवंबर 2024 को III, V और VII सेमेस्टर छात्रों के लिए सेमेस्टर जूरी का आयोजन किया। कुल 80 छात्रों ने सफलतापूर्वक जूरी पूरी की और उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया।

2. संचार डिज़ाइन संकाय ने 13-16 मई 2024 को IV सेमेस्टर छात्रों के लिए सेमेस्टर जूरी और 13-17 मई 2024 को VI सेमेस्टर छात्रों के लिए अंतिम सेमेस्टर जूरी का आयोजन किया। कुल 53 छात्रों ने सफलतापूर्वक जूरी पूरी की और उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया।

छात्रों के कार्यों के प्रदर्शन के लिए आयोजित प्रदर्शनी:

1. संचार डिज़ाइन संकाय के तीसरे सेमेस्टर के छात्रों ने 06 सितंबर 2024 को 'डिजिटल फोटोग्राफी का परिचय' पाठ्यक्रम पर अपने कार्य प्रदर्शित किये।
2. संचार डिज़ाइन संकाय के तीसरे सेमेस्टर के छात्रों ने 16 अगस्त 2024 को टाइपोग्राफी-I पाठ्यक्रम पर अपने कार्य प्रदर्शित किये।
3. संचार डिज़ाइन संकाय के जीपी छात्रों (बैच 2020-24) ने 06 अक्टूबर 2024 को अपनी फिल्मों की स्क्रीनिंग की।

छात्र कार्य प्रदर्शनी

संचार डिज़ाइन पाठ्यक्रम

1. **सेमेस्टर III**
- संचार अध्ययन
- कथावाचन
- दृश्य डिज़ाइन I
- टाइपोग्राफी
- फिल्म प्रशंसा
- डिजिटल फोटोग्राफी से परिचय
- कार्यशाला I
- चित्रण

2. **सेमेस्टर IV**
- सौंदर्य का परिचय
- टाइपोग्राफी-II
- फिल्म निर्माण प्रक्रिया
- ध्वनि उत्पादन
- डिज़ाइन अनुसंधान विधि
- एनिमेशन बेसिक
- अवधारणा कला और दृश्य स्क्रिप्टिंग
- ग्रीष्मकालीन परियोजना (अनिवार्य)
- वैकल्पिक I

3. **सेमेस्टर V**
- डिजाइन संबंधी विचार और चर्चा
- छवि निर्माण-I
- उत्पादन के बाद की प्रक्रिया
- परियोजना: दृश्य डिज़ाइन II
- परियोजना: स्टॉप मोशन
- कार्यशाला II
- विज्ञापन परियोजना: पीएसए/

4. **सेमेस्टर VI**
- UI/UX उत्पाद विकास
- प्रयोगात्मक एनीमेशन
- छवि निर्माण II
- डॉक्यूमेंट्री फिल्म
- वैकल्पिक II
- औद्योगिक इंटर्नशिप (अनिवार्य)

5. **सेमेस्टर VII**
- डिज़ाइन प्रबंधन
- मोशन ग्राफिक्स
- पैकेज डिज़ाइन
- डिज़ाइन परियोजना

6. **सेमेस्टर VIII**
- अंतिम डिग्री परियोजना

बी.ओ.एस. का विवरण:

संचार डिज़ाइन में बी.ओ.एस पाठ्यक्रम के संशोधन के लिए अध्ययन बोर्ड (बीओएस) की पहली बैठक 10 मार्च और 11 मार्च, 2025 को प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की उपस्थिति में आयोजित की गई थी:

1. प्रो. शेखर मुखर्जी, एनआईडी, एपी में पूर्व निदेशक
2. श्री गोपाल एस कृष्णन, संस्थापक और प्रबंध निदेशक, एम एंड सी सत्ची फरवरी, दिल्ली,
3. श्री सुयश सिंह, एलुमनी, एनआईडी म.प्र.

प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में छात्रों की उपलब्धियां:

छात्र उपलब्धियां (बैच 2019-2023)

दिलू मलिअकल
फिल्म: "अलविदा- लास्ट गुडबाय" ने निम्न पुरस्कार जीता

- न्यू वेव इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल (जून 2024) में सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और सर्वश्रेष्ठ संगीत पुरस्कार जीता।
- "अलविदा- लास्ट गुडबाय" ने एनएफआर ग्लोबल एकेडमी अवार्ड्स (जनवरी 2025) में दूसरा सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म पुरस्कार जीता।
- डिज़ाइन पुरस्कार

"अलविदा- लास्ट गुडबाय" ने रिट्ज कार्लटन पुणे (सितंबर) में आयोजित डिज़ाइन इंडिया द्वारा आयोजित भारत का सर्वश्रेष्ठ डिज़ाइन छात्र पुरस्कार 2024 जीता।

एस गायत्री
फिल्म: "विवार्टा- द चेंज"

- 7वें अल्पविराम अंतर्राष्ट्रीय युवा फिल्म महोत्सव (अक्टूबर 2024) में सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी पुरस्कार प्राप्त किया।
- फिल्म महोत्सव बहारी सी एंड कोस्टल फिल्म फेस्टिवल (नवंबर 2024) के लिए आधिकारिक तौर पर चुना गया था।

अरिका शुक्ला
फिल्म: 'लेडीज प्रॉब्लम' (जीपी फिल्म) ने मद्रास इंडिपेंडेंट फिल्म फेस्टिवल (मई 2024) में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता।

अयाना सिंह
परियोजना: "ओटेरिया"

फरवरी में एम एंड सी सत्वी द्वारा शुरू की गई परियोजना ने भारत की सर्वश्रेष्ठ डिज़ाइन परियोजना 2024 पुरस्कार (सितंबर 2024) जीता।

मानसी स्वरूप
व्यावसायिक कार्य,

मानसी स्वरूप ने डोव ब्रांड के साथ एक विज्ञापन किया, जो टाइम्स ऑफ इंडिया समाचार पत्र, नई दिल्ली (4 अगस्त, 2024) में प्रकाशित हुआ था।

रमा सहस्रबुद्धे
उच्च शिक्षा

रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, लंदन, यूके से इंफॉर्मेशन एक्सपीरियंस डिज़ाइन से पारा स्नातक कर रही है।

कार्तिक महाजन
एनिमेशन फिल्म: "फूल देई"

- अप्रैल 2024 – रूस में आयोजित द्वितीय वोरोनेज अंतर्राष्ट्रीय एनिमेशन महोत्सव में पुरस्कार जीता।
- मई 2024 – फेस्टिवल डे सिने अनकाश, पेरू में विशेष जूरी पुरस्कार प्राप्त किया।
- अगस्त 2024 – प्रतिष्ठित बेंगलुरु इंटरनेशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में शॉर्टलिस्ट हुई। यह फेस्टिवल अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर) क्वालीफाइंग श्रेणी में आता है।
- सितंबर 2024 – द न्यू जेनरेशन शॉर्ट फिल्म वॉल्लाह अवार्ड, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में विजेता।
- अक्टूबर 2024 – सीलोन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, सांता बारबरा, कैलिफोर्निया, यूएसए में सम्मानजनक उल्लेख।
- अक्टूबर 2024 – काफिलम इंटरनेशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल, मिलानो, इटली में विशेष जूरी पुरस्कार। यह 3061 सबमिशन में से एकमात्र चयनित भारतीय फिल्म थी।
- नवंबर 2024 – अल्बानिया में आयोजित एनिफेस्ट्रोज़ाफ़ा फिल्म महोत्सव (15वां संस्करण) में "ए बेटर वर्ल्ड अवार्ड" जीता।
- नवंबर 2024 – स्पेन में गाला डे क्लॉसुरा ला माइस फिल्म फेस्टिवल में पेशेवर जूरी पुरस्कार प्राप्त किया (अंतर्राष्ट्रीय और विश्वविद्यालय दोनों श्रेणियों में)।
- दिसंबर 2024 – एनएफआर द्वारा आयोजित एनीमेशन श्रेणी में वैश्विक अकादमी पुरस्कारों के फाइनलिस्ट में शामिल।
- जनवरी 2025 – हिमाचल लघु फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ पटकथा पुरस्कार।
- जनवरी 2025 – 7वां एफएफसी फिल्म महोत्सव, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में सम्मानित।

"फूल देई" आधिकारिक चयन:

- 14वां पुणे लघु फिल्म महोत्सव (मई 2024)
- SIFFCY, भारत (जून 2024)
- IFF (जून 2024)
- टिटोव फिल्म महोत्सव (जुलाई 2024)
- यात्रा उत्सव, अल्बानिया (जुलाई 2024)
- FICBEH, कोलंबिया (जुलाई 2024)
- मेक्सिको फिल्म महोत्सव (अगस्त 2024)
- नई पीढ़ियां स्वतंत्र भारतीय फिल्म महोत्सव, जर्मनी (सितंबर 2024)
- डे ओफेस्टिवल डे सिने ला ट्रेडाड, मेक्सिको (सितंबर 2024)
- 27वां धर्म आज फिल्म महोत्सव, ट्रेंटो, इटली (अक्टूबर 2024)
- 8वां चानियार अंतर्राष्ट्रीय कॉमिक और एनीमेशन महोत्सव, ग्रीस (नवंबर 2024)
- तेहरान अंतरराष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव, ईरान (नवंबर 2024)
- TAAFI – टोरंटो एनिमेशन फेस्टिवल इंटरनेशनल (फरवरी 2025)
- मार्च 2025 (अतिरिक्त चयन)

व्यक्तिगत पुरस्कार:

- अर्नब चौधरी निर्देशक पुरस्कार (अगस्त 2024)
- Ann पुरस्कारों में वर्ष का युवा एनिमेटर (अगस्त 2024)
- डिजीकॉन एशिया में "इंडिया गोल्ड" (नवंबर 2024)

स्टूडियो सहयोग:

- IBK प्रोडक्शन प्रा. लिमिटेड ने बेंगलुरु इंटरनेशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल (BISFF) के लिए प्रायोजक के रूप में साझेदारी की (मार्च 2025)।

- कार्तिक ने मानस झा, मेधा कुलकर्णी, शुभांगिनी मेहता (बैच 2021-25), तेजस्वत कदम और आदित्य एस (बैच 2019-23) के साथ BISFF 2025 संस्करण के लिए एक हस्ताक्षर फिल्म बनाने में सहयोग किया।

आदित्य एस

- फिल्म: 'रक्तस्राव रंग' को अंतर्राष्ट्रीय डे सिने डे ला नो-वायलेंसिया एक्टिवा (फिनोवा) (जुलाई 2024) में आधिकारिक तौर पर चुना गया।

ताहेर कपाड़िया

- ग्राफिक उपन्यास "पेनम्ब्रा" को एनेसी फेस्टिवल के साथ साझेदारी में एनिमेला में चार दिवसीय कार्यशाला अंतर्राष्ट्रीय एमआईएफए परिसर के लिए चुना गया था। परियोजना को एनिमेला (मार्च 2025) में रखा गया था।

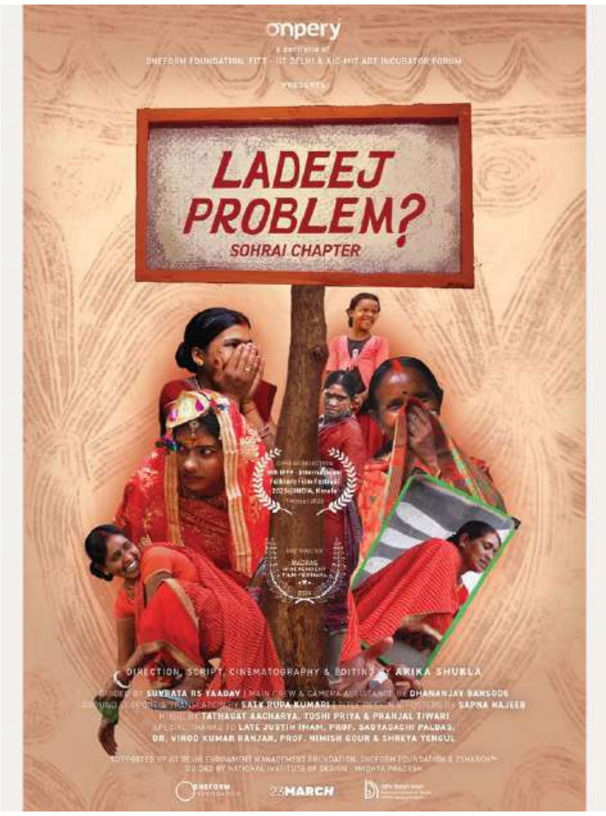

छात्र उपलब्धियां (बैच 2020-2024)

नित्या नवेलकर

- फिल्म: “सैंड लड्डू” को युवा रचनात्मक पुरस्कारों (जून 2024) में आधिकारिक तौर पर चुना गया।
- “सैंड लड्डू” को आधिकारिक तौर पर ड्यूमिल30 मिलानो, इटली (जून 2024) में चुना गया।
- “सैंड लड्डू” को गोवा वाटर स्टोरीज़ वर्चुअल म्यूज़ियम में दिखाया गया था, जो रिवरबैंक स्टूडियो में उनकी इंटर्नशिप के दौरान बनाया गया था (दिसंबर 2024)।

स्नातक परियोजना फिल्म: ‘खारवान-मायावी की तलाश में’

- 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) (नवंबर 2024) में स्क्रीनिंग के लिए चुना गया।

मानस होलकर

- स्नातक परियोजना फिल्म: लघु वृत्तचित्र “देवी-ए वोवन हिस्ट्री” को आधिकारिक तौर पर विंध्य अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, मध्य प्रदेश (जनवरी 2025) में पर चुना गया।
- “देवी-ए वोवन हिस्ट्री” इसकी स्क्रीनिंग बीएलआर डिज़ाइन सप्ताह, बेंगलुरु (जनवरी 2025) में प्रदर्शित की गई थी।

उत्कर्ष बनकर और **मैथिली देसाई** आधिकारिक तौर पर अपना स्टूडियो वेबसाइट मार्च 2025 मे लॉन्च किया।

अग्नि माया

वृत्तचित्र फिल्म: “चार”, पुरस्कार और सम्मान:

- “चार” को सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फिल्म के लिए आधिकारिक तौर पर चुना गया और सीएमएस, अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव, लखनऊ (आईसीएफएफ) (अप्रैल 2024) में एक विशेष स्क्रीनिंग के साथ एक मानद पुरस्कार प्राप्त किया।
- “चार” ने निकोमीडिया फिल्म पुरस्कार, तुर्की (जून 2024) में सर्वश्रेष्ठ दस्तावेजी पुरस्कार जीता।
- “चार” द बेस्ट शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए एक फाइनलिस्ट थीं और उन्होंने वेसुवियस इंटरनेशनल फिल्म अवार्ड्स, इटली (नवंबर 2024) के 41वें संस्करण में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता।

“चार” आधिकारिक चयन/स्क्रीनिंग:

- किड्स फिल्म महोत्सव, थाईलैंड (अगस्त 2024)
- एफ30/30 गैर-काल्पनिक प्रतियोगिता के तहत अल्पविराम अंतर्राष्ट्रीय युवा फिल्म महोत्सव (अक्टूबर 2024) में आधिकारिक तौर पर चुना गया।
- “चार” को फाइनलिस्ट एंड स्क्रीनिंग द डॉक्यूजाम इंटरनेशनल यूथ डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल में पाली सेंटर फॉर मीडिया, मैनहटन, न्यूयॉर्क (अक्टूबर 2024) में।
- “चार” को स्नो लेपर्ड फिल्म फेस्टिवल (डब्ल्यूएलआईएफएफ), स्टॉकहोम, स्वीडन (नवंबर 2024) में आधिकारिक तौर पर चुना गया।
- “चार” को सिने क्लासिक फिल्म क्लब, भोपाल में दिखाया गया।
- “चार” बीजाउ त्योहार- कैलिफोर्निया में स्क्रीनिंग की गई।
- बीएलआर डिज़ाइन सप्ताह, बेंगलुरु (जनवरी 2025) में स्क्रीन की गई।
- कलाकारी फिल्म महोत्सव (जनवरी 2025) में आधिकारिक तौर पर चुना गया।

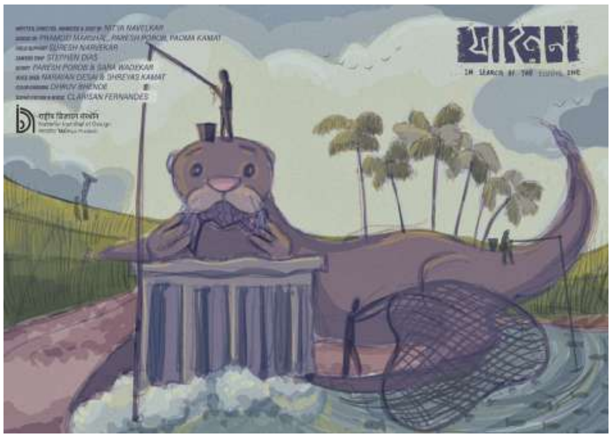

chaar
by agni maya
HONORARY AWARD CMS INTERNATIONAL CHILDREN'S FILM FESTIVAL (ICFF) 2024
BEST EDIT Alpavirama International Youth Film Festival 2024
BEST DIRECTOR Vesuvius International Film Awards 4th edition
WINNER
FINALIST DocuJam Youth Film Festival NYC 2024
OFFICIAL SELECTION 4theatre selection. 2024
OFFICIAL SELECTION Snow Leopard Film Festival (WLIFF) 2024
OFFICIAL SELECTION fuse. Kids Film Festival 2024
Kalakari OFFICIAL SELECTION

DUEMILA30 festival
sand Laddoo
Nitya Navelkar
Riverbank Studios

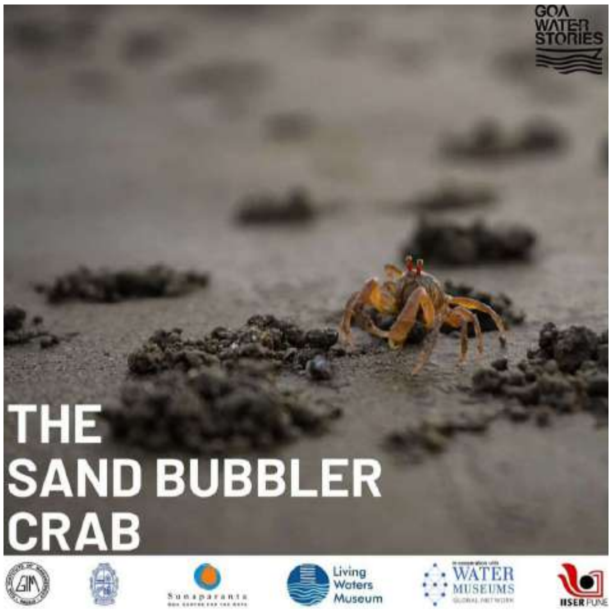
GOA WATER STORIES
THE SAND BUBBLER CRAB
Living Waters Museum
WATER MUSEUMS
IISER PUNE

7th alpavirama
International Youth Film Festival
F 30/30 NON FICTION
MERIT: BEST SOUND
EVICTION........ LARA SCHROETER
SOUND BY ARLIND SERMAXHAJ
MERIT: BEST CINEMATOGRAPHY
SHEEP, DOG AND WOLF........ SUJAY IYER
CAMERA BY SUJAY IYER
MERIT: BEST EDIT
CHAAR........ AGNI MAYA
EDIT BY AGNI MAYA
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF DESIGN
AHMEDABAD

DEVI
A Woven History
Kalakari
OFFICIAL SELECTION
Manas Holkar
Akshay Kushwah
Pramod Kumar Marshal
Rehwa Society
Riddhi Singh
Shradha Sarolkar

छात्र उपलब्धियां (बैच 2021-2025)

उर्वी वार्ष्णेय
वृत्तचित्र फिल्म: 'चलती का नाम गाड़ी' के पुरस्कार और नामांकन:

- 'चलती का नाम गाड़ी' को एथेंस इंटरनेशनल मंथली आर्ट फिल्म फेस्टिवल (एआईएमएएफ), ग्रीस (जुलाई 2024) में 'सम्मानजनक उल्लेख' जीता गया।
- 'चलती का नाम गाड़ी' ने सर्वश्रेष्ठ संपादन पुरस्कार (सितंबर 2024) जीता, जहां फिल्म को सर्वश्रेष्ठ संगीत, सर्वश्रेष्ठ मूल विचार और सर्वश्रेष्ठ छात्र फिल्म के लिए भी नामांकित किया गया था।
- 'चलती का नाम गाड़ी' ने ग्लोबल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (नवंबर 2024) का सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र पुरस्कार जीता।

आधिकारिक चयन/नामांकन:

- सिम्बॉटिक फिल्म महोत्सव, कीव, यूक्रेन (जून 2024) में आधिकारिक तौर पर चयनित
- ग्लोबल इंडिपेंडेंट फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (जीआईएफएफआई) (जुलाई 2024) में आधिकारिक तौर पर चुना गया।
- ग्रैंड मोटरिंग फिल्म फेस्टिवल (सितंबर 2024) में आधिकारिक तौर पर नामित किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय मोटर फिल्म पुरस्कार (सितंबर 2024) में आधिकारिक तौर पर नामित।
- 27 मदुरै अंतरराष्ट्रीय वृत्तचित्र और लघु फिल्म महोत्सव (अक्टूबर 2024) में आधिकारिक तौर पर चुना गया।
- कुआलालंपुर अंतरराष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (जनवरी 2025) में आधिकारिक तौर पर चुना गया।
- कलाकारी फिल्म महोत्सव (जनवरी 2025) में आधिकारिक तौर पर चुना गया।

मेधा आर कुर्कर्णी, शुभंगिनी मेहता और ईसा बाबू निनान ने फिल्म कल्की 2898 ईस्वी के लिए पात्रों के एनिमेशन पर काम किया, विशेष रूप से अमिताभ बच्चन के चरित्र, स्टूडियो ईकसौरस (जून 2024) के साथ अपनी इंटर्नशिप के दौरान काम किया ।

मेधा कुलकर्णी और **शुभांगिनी मेहता** ने कार्तिक महाजन के साथ बिस्फ सिग्नेचर फिल्म पर भी सहयोग किया।

समीक्षा खेरडे की लघु वृत्तचित्र फिल्म: "कागज़" को सीमा से परे 5वें नारीवादी फिल्म महोत्सव (दिसंबर 2024) के लिए चुना गया।

समीक्षा खेरडे की लघु वृत्तचित्र फिल्म नागपुर फिल्म महोत्सव (जनवरी 2025) में तीसरा पुरस्कार (कांस्य विजेता) जीता।

भव्या कार्तिकेयन

- लघु वृत्तचित्र फिल्म: "कंगना" को सीमा से परे 5वें नारीवादी फिल्म महोत्सव (दिसंबर 2024) में स्क्रीनिंग और सम्मान के लिए चुना गया।

मीरा रायचूरा की डॉक्यूमेंट्री फिल्म: "कीपर्स ऑफ डेथ" को आधिकारिक तौर पर अवलोकन फिल्म महोत्सव मे मई 2024 में चुना गया। एवं चंडीगढ़ विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव मे अगस्त 2024 और चौथे हिमाचल लघु फिल्म महोत्सव (दिसंबर 2024) में आधिकारिक तौर पर चुना गया।

मेधा कुलकर्णी की सुलिंकायी फिल्म: 'द फ्रूट ऑफ लाइज़' को आधिकारिक तौर पर बिल्बुल चिल्ड्रन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, गोवा (फरवरी 2025) में एवं एनआईडी हरियाणा मे मार्च 2025 में अन्वय फिल्म प्रतियोगिता में आधिकारिक तौर पर चुना गया।

मेधा कुलकर्णी ने कार्तिक महाजन के साथ बिस्फ सिग्नेचर फिल्म पर भी सहयोग किया।

छात्र उपलब्धियां (बैच 2022-2026)

मोडेरा फातिमा (बैच 2022-26) फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और हैचेट इंडिया द्वारा आयोजित एक डिज़ाइन प्रतियोगिता के लिए मोडेरा फातिमा के डिज़ाइन किए गए पुस्तक कवर ने प्रतियोगिता जीती जिसकी घोषणा केरल साहित्य महोत्सव में जनवरी 2025 की गयी और उसे हैचेट इंडिया द्वारा रु 10,000 का नगद पुरस्कार उसके डिज़ाइन किए गए कवर के लिए दिया गया।

छात्र उपलब्धियां (बैच 2023-2027)

श्रेया पिंगले ने हुआन इंडिया (अगस्त 2024) द्वारा आयोजित डिज़ाइन प्रतियोगिता 'द कम्वास ऑफ फ्रीडम' में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

This documentary is a cinematic celebration of vintage cars in India as it captures their timeless charm, cultural pride and starring role in grand Indian weddings.
Chalti Ka Naam Gaadi
a documentary film by
Urvi Varshney
guided by
Maheen Mirza

uman rigits
democracy
harmony

OFFICIAL SELECTION
Festival
2025
BULBUL
CHILDREN'S
INTERNATIONAL
FILM FESTIVAL GOA
2025
a very random and heartfelt film by
MEDHA R KULKARNI
SULLINKAYI
the fruit of LIES

THE RED NOTEBOOK
MICHEL BUSSI
iflofficial • Follow
We are delighted to present to you the winning covers of our Reimagining Book Covers contest. We received over 60 entries across all three title categories, and our four judges had a tremendously difficult time choosing between the entries. Our participants truly stepped up to show us the very best of inventive, boundary-pushing, lively, and profoundly beautiful work, and we've all been enriched by the experience of viewing them.
Of our entries, three artists across each title stood out for their innovation, their brilliant execution of an idea, and the scope of their vision for each of these titles.
We are very pleased to let you know that Mita Shetty, Modeera Fatima, and Pradeep Saini are the artists who have
205 likes
The Red Notebook, à la Modeera Fatima
Judges say: An innovative approach with a lovely illustration.

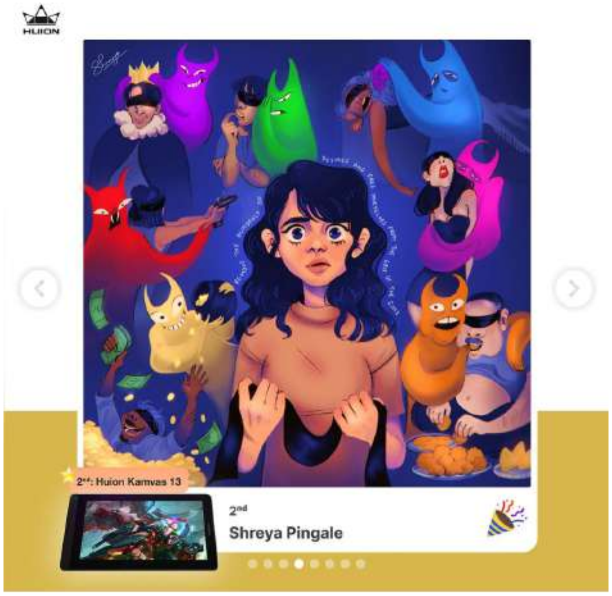
HUION
2nd: Huion Kamvas 13
2nd
Shreya Pingale

KEEPERS OF DEATH
A FILM BY MEERA RAICHURA
HIMACHAL SHORT FILM FESTIVAL
AVLOKAN
2024

संकाय सदस्यों और स्नातक कार्यक्रमों द्वारा निर्देशित स्नातक परियोजनाएं:

1. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित सुश्री आर्य जोशी ने “3..2..1 को डॉ. सेतु शर्मा के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में कठा में अपना जीपी पूरा किया और ऑफ आई गो (एक बच्चों की कहानी पुस्तिका सेट)”।
2. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित सुश्री अग्नि माया ने अक्टूबर 2024 में “एकोजोव-वाई (क्यों की प्रतिध्वनि)” पर सुश्री सोनल वंजारे के मार्गदर्शन में स्वयं प्रायोजित श्रेणी में अपना जीपी पूरा किया।
3. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित सुश्री आर्या अनंत चुटके ने अक्टूबर 2024 में श्री संदीप कुमार जायसवाल के मार्गदर्शन में पीपल डिज़ाइन में “इथोस (एक स्थायी निवेश ऐप)” पर अपना जीपी पूरा किया।
4. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित सुश्री आर्य लेडे ने अक्टूबर 2024 में टाटा 1 मि.ग्रा. में “ह्यूमी: ए कैरेक्टर इलस्ट्रेशन सिस्टम” पर सुश्री सोनल वंजारे के मार्गदर्शन में अपना जीपी पूरा किया।
5. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित श्री चंठू सौरव ने अक्टूबर 2024 में डॉ. सेतु शर्मा के मार्गदर्शन में “कोच्चि विरासत परियोजना: हमारे अतीत के माध्यम से भविष्य को आकार देना” पर स्वयं प्रायोजित श्रेणी में अपना जीपी पूरा किया।
6. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित सुश्री फोरम प्रजापति ने “भारत की जीवित परंपराओं” श्रृंखला के पुनर्डिज़ाइनिंग” पर डॉ. सेतु शर्मा के मार्गदर्शन में मैपिन पब्लिशिंग में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
7. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से संबंधित सुश्री हेसा सलिह, नामांकित बैच 2019-23, 2024 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की, “चागरा” पर श्री प्रमोद कुमार मार्शल के मार्गदर्शन में स्वयं प्रायोजित श्रेणी में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
8. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित सुश्री जाह्नवी पटेल ने “विश्वसनीयता की खेती: एक स्थायी बाजार प्रभाव के लिए डिज़ाइन” पर डॉ. सेतु शर्मा के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में निरपेक्ष (ईएससीओ ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड) में अपना जीपी पूरा किया।
9. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से संबंधित श्री कशिश मांडिया, बैच 2020-24 ने अक्टूबर 2024 में अपना जीपी मोक्ष स्टोरीज़ प्राइवेट लिमिटेड में सुश्री सुव्रत आरएस यादव के मार्गदर्शन में पूरा किया।
10. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-21 से संबंधित सुश्री मैथिली देसाई ने “चालीसा” पर श्री प्रमोद कुमार मार्शल के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में आई डी सी, आई आई टी बॉम्बे में अपना जीपी पूरा किया।
11. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित सुश्री मल्लिका भाटिया ने अक्टूबर 2024 में डॉ. सेतु शर्मा के मार्गदर्शन में खुली रणनीति और डिज़ाइन, मुंबई में अपना जीपी “रीब्रांडिंग बिकाजी: इमेजिंग द फ्यूचर ऑफ ए इंडियन आइकन” पूरा किया।
12. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से संबंधित श्री मानस होलकर, बैच 2020-24 ने “देवी ए वोवन हिस्ट्री” पर श्री प्रमोद कुमार मार्शल के मार्गदर्शन में स्व-प्रायोजित श्रेणी में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
13. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से संबंधित सुश्री मानसी स्वरूप, बैच 2019-2023 में स्नातक ने अक्टूबर 2024 में ओनपरी® (केयर फॉर्म लैब्स प्रा.) में डॉ. सेतु शर्मा के मार्गदर्शन मे ® ब्रांडिंग और ग्राफिक नॉवेल मे अपना जीपी पूरा कर किया।
14. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से संबंधित सुश्री मृनमई खुमकर, बैच 2020-24 ने श्री संदीप कुमार जायसवाल के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में एम एंड एमपी सची-फरवरी के लिए रीब्रांडिंग और वेबसाइट रीडिज़ाइन में अपना जीपी पूरा किया।
15. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से संबंधित सुश्री नंदिनी गोस्वामी, बैच 2020-24 ने अक्टूबर 2024 में लेडीफिंगर्स कंपनी में डॉ. सेतु शर्मा के मार्गदर्शन में “डिशकाओन: नए विस्तार और ब्रांड रणनीति के माध्यम से खेल का पुनर्आविष्कार करना मे अपना जीपी पूरा किया।
16. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित सुश्री नित्या नवेलकर ने अक्टूबर 2024 में श्री प्रमोद कुमार मार्शल के मार्गदर्शन में “खारवान- मायावी की तलाश में” स्वयं प्रायोजित श्रेणी में अपना जीपी पूरा किया
17. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित सुश्री नूपुर अगाशे ने “बिक्री सक्षमता के लिए डिज़ाइन” पर डॉ. सेतु शर्मा के मार्गदर्शन में स्मार्टक्यू में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
18. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से संबंधित सुश्री राधा पाटकर, बैच 2020-24 ने अक्टूबर 2024 में श्री प्रमोद कुमार मार्शल के मार्गदर्शन में पारिस्थितिकी और पर्यावरण में अनुसंधान के लिए अशोक ट्रस्ट (एटीआरईई) में “वनस्पतिशास्त्री और लुप्त हो रहे ऑर्किड: ए कॉमिक बुक” पर अपना जीपी पूरा किया।
19. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-24 से संबंधित सुश्री साक्षी विचारे ने श्री प्रमोद कुमार मार्शल के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में मूड बोर्ड कंपनी में “श्वास” पर अपना जीपी पूरा किया।
20. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2029-23 से संबंधित श्री शांतनु अशोक सतपुते ने अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया क्योंकि कन्वेनियस उत्पाद - स्विफ्टचैट के लिए यूआई/यूएक्स पर सुश्री सुव्रत आर यादव के मार्गदर्शन में ब्रांडिंग और मार्केटिंग एजेंसी।
21. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से संबंधित सुश्री श्रद्धा सरोलकर, बैच 2020-24 ने “शंख: री-ब्रांडिंग में एक परियोजना” पर सुश्री श्रुति निगम के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में दूसरे विचार स्टूडियो में अपना जीपी पूरा किया।
22. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2029-23 से संबंधित श्री शुभम नेवारे 2024 में स्नातक ने “कर्मा गाबो रे” पर श्री प्रमोद कुमार मार्शल के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में स्व-प्रायोजित श्रेणी में अपना जीपी पूरा किया।
23. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से संबंधित श्री उत्कर्ष अशोक बनकर, बैच 2020-24 ने “हिरवा” पर श्री प्रमोद कुमार मार्शल के मार्गदर्शन में स्व-प्रायोजित अक्टूबर 2024 श्रेणी में अपना जीपी पूरा किया।
24. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2019-2023 से संबंधित श्री विग्नेश अय्यर ने 2024 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और अक्टूबर 2024 में “वेस्ट दिल्ली लाइव” पर श्री प्रमोद कुमार मार्शल के मार्गदर्शन में स्व-प्रायोजित श्रेणी में अपना जीपी पूरा किया।

25. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन, बैच 2020-2024 से संबंधित श्री यजत यादव ने 2024 में स्नातक की उपाधि प्राप्त करते हुए अक्टूबर 2024 में श्री प्रमोद कुमार मार्शल के मार्गदर्शन में डिज़ाइन जनजाति स्टूडियो, चंद्रकेश लाल में “रोज़” पर अपना जीपी पूरा किया।

26. संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से संबंधित श्री योहान डी’सूजा, बैच 2020-24 ने अक्टूबर 2024 में ‘ओल्ड गोवा इन ए पॉकेट: डिज़ाइनिंग फॉर गोवा हेरिटेज’ पर डॉ. सेतु शर्मा के मार्गदर्शन में म्यूजियम ऑफ क्रिश्चियन आर्ट, ओल्ड गोवा में अपना जीपी पूरा किया।

संकाय उपलब्धियां:

1. श्री प्रमोद मार्शल ने 01 मई 2024 को एसपीए भोपाल में मास्टर ऑफ कम्युनिकेशन डिज़ाइन (प्रथम वर्ष) कार्यक्रम के लिए बाहरी जूरी सदस्य के रूप में भाग लिया।
2. श्री प्रमोद मार्शल ने 10 मई 2024 को एसपीए भोपाल में मास्टर ऑफ कम्युनिकेशन डिज़ाइन (दूसरा वर्ष) कार्यक्रम के लिए बाहरी जूरी सदस्य के रूप में भाग लिया।
3. श्री प्रमोद मार्शल ने 26 नवंबर 2024 को एसपीए भोपाल में मास्टर ऑफ कम्युनिकेशन डिज़ाइन (प्रथम वर्ष) कार्यक्रम के लिए एक बाहरी जूरी सदस्य के रूप में भाग लिया।
4. श्री प्रमोद मार्शल ने 18 दिसंबर 2024 को निफ्ट भोपाल में फैशन कम्युनिकेशन प्रोग्राम के लिए बाहरी जूरी सदस्य के रूप में भाग लिया।
5. श्री प्रमोद मार्शल ने 5-6 दिसंबर 2024 को एनआईडी जोरहाट में स्नातक परियोजना - संचार डिज़ाइन कार्यक्रम के लिए बाहरी जूरी सदस्य के रूप में भाग लिया।
6. डॉ. सेतु शर्मा ने जनवरी 2025 में दृश्य कला संकाय, बीएचयू वाराणसी के दो अनुसंधान विद्वानों द्वारा प्रस्तुत डॉक्टरेट थीसिस के मूल्यांकन में भाग लिया।
7. डॉ. सेतु शर्मा को जनवरी 2025 में बीएचयू वाराणसी के दृश्य कला संकाय के एक शोध विद्वान के पीएचडी वाइवा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भाग लिया।

संचार डिज़ाइन ज्ञानानुशासन के टीम सदस्य:

श्री प्रमोद मार्शल,
एसोसिएट सीनियर डिज़ाइनर
(सहायक प्रोफेसर)

डॉ. सेतु शर्मा,
डिज़ाइनर

श्री मयंक शर्मा,
वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक

श्री वैभव पाठक,
एसोसिएट वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक

श्री आकाश झा,
एम् टी एस

3.4 बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (औद्योगिक डिज़ाइन)

ज्ञानानुशासन संक्षिप्त :

औद्योगिक डिज़ाइन कार्यक्रम उन उत्पादों को डिज़ाइन करने की क्षमता विकसित करने पर केंद्रित है जो न केवल सौंदर्य से सुखद हैं, बल्कि कार्यात्मक, सुरक्षित और टिकाऊ भी हैं। औद्योगिक डिज़ाइन कार्यक्रम में पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इसके पाठ्यक्रम को डिज़ाइन प्रक्रिया की समग्र समझ प्रदान करने और छात्रों को नवीन उत्पादों को डिज़ाइन करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो पर्यावरणीय प्रभाव और विनिर्माण व्यवहार्यता पर विचार करते समय उपयोगकर्ता की जरूरतों को पूरा करते हैं।

यह कार्यक्रम सैद्धांतिक, व्यावहारिक और अनुसंधान-आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण का मिश्रण प्रदान करता है, जिससे औद्योगिक डिज़ाइन पाठ्यक्रमों/मॉड्यूल के छात्र परियोजनाओं और उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग के माध्यम से वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

अभिविन्यास कार्यक्रम का विवरण:

1. विभाग ने आई डी ज्ञानानुशासन छात्रों के नए बैच के लिए जुलाई 2024 के मध्य में एक अभिविन्यास सत्र आयोजित किया था। सत्र के दौरान, छात्रों को सभी संकाय सदस्यों, तकनीकी कर्मचारियों और संस्थान और विभाग की विभिन्न सुविधाओं और गतिविधियों से परिचित कराया गया।

शैक्षणिक / शैक्षिक दौरा:

1. सेमेस्टर III, बैच 2023-2027 के छात्रों ने 27 सितंबर 2024 को सिपेट, भोपाल का दौरा किया। यात्रा के दौरान छात्रों ने प्लास्टिक विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए सामग्री और विनिर्माण प्रक्रियाओं पर ज्ञान प्राप्त किया।

उद्योग/अतिथि विशेषज्ञ दौरा

1. श्री राजीव कलिता ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 1 अप्रैल 2024 से 4 मई 2024 तक 6 वें सेमेस्टर छात्रों के लिए पाठ्यक्रम टीसीपी का संचालन किया।
2. श्री प्रभात तिवारी ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 05 अगस्त 2024 से 09 अगस्त 2024 तक तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम उत्पाद ड्राइंग का संचालन किया।
3. सुश्री खुशबू बहरूनानी ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 22 अगस्त 2024 से 24 अगस्त 2024 तक 5 वें सेमेस्टर छात्रों के लिए पाठ्यक्रम प्रोटोटाइप विकास का संचालन किया।
4. श्री संदीप बिस्वास ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 12 अगस्त 2024 से 23 अगस्त 2024 तक तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए फोटोग्राफी का पाठ्यक्रम परिचय कराया।
5. सुश्री अल्पी जैन ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 05 अगस्त 2024 से 06 अगस्त 2024 तक 7वें सेमेस्टर छात्रों के लिए पाठ्यक्रम डिज़ाइन परियोजना का संचालन किया।
6. सुश्री विनीता नायर ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 27 अगस्त 2024 से 31 अगस्त 2024 तक तीसरे सेमेस्टर छात्रों के लिए पाठ्यक्रम डिज़ाइन सेमिनार का आयोजन किया।
7. श्री जगन मुर्गन ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 09 सितंबर 2024 से 20 सितंबर 2024 तक 7वें सेमेस्टर छात्रों के लिए पाठ्यक्रम डिज़ाइन प्रबंधन का संचालन किया।
8. श्री धुर्जती मजूमदार ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 02 सितंबर 2024 से 13 सितंबर 2024 तक 5 वें सेमेस्टर छात्रों के लिए संज्ञानात्मक एर्गोनॉमिक्स पाठ्यक्रम का संचालन किया।
9. श्री सागर प्रकाश मोध ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 14 अक्टूबर 2024 से 25 अक्टूबर 2024 तक तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए रचनात्मकता और विचार पाठ्यक्रम का संचालन किया।
10. श्री चंद्रविजय सिंह ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 30 सितंबर 2024 से 11 नवंबर 2024 तक 5 वें सेमेस्टर छात्रों के लिए पाठ्यक्रम फर्नीचर डिज़ाइन का संचालन किया।
11. सुश्री पूर्वा केलकर ने एनआईडी परिसर का दौरा किया और 14 सितंबर 2024 से 23 सितंबर 2024 तक 7वें सेमेस्टर छात्रों के लिए पाठ्यक्रम प्रणाली डिज़ाइन का संचालन किया।

अंतिम सेमेस्टर-जूरी:

विभाग ने 13 मई 2024 से 16 मई 2024 तक स्नातक परियोजना (जीपी) जूरी के साथ चौथे और छठे सेमेस्टर छात्रों के लिए अपनी अंतिम सेमेस्टर जूरी का आयोजन किया।

3, 5 वीं और 7 वीं सेमेस्टर के छात्रों के लिए अलग-अलग जूरी भी 25 नवंबर, 2024 से 29 नवंबर, 2024 तक आयोजित की गई थी, और 16 दिसंबर 2024 से 27 दिसंबर 2024 तक वैकल्पिक पाठ्यक्रम जूरी आयोजित की गई थी।

बाहरी जूरी सदस्यों का विवरण:

निम्नलिखित तालिका में बाहरी जूरी सदस्यों की सूची दी गई है जिन्होंने शैक्षणिक अवधि के लिए निर्दिष्ट एंड-ऑफ-सेमेस्टर और कोर्स जूरी/समीक्षाओं के दौरान छात्र कार्य के मूल्यांकन में योगदान दिया है।

अंतिम सेमेस्टर जूरी (मई 2024)

चौथे और छठे सेमेस्टर के लिए अंतिम सेमेस्टर जूरी 13 मई 2024 से 16 मई 2024 तक आयोजित की गई थी।

1. चौथी सेमेस्टर जूरी: श्री अर्पित अग्रवाल और श्री गुरदीप सिंह ने 13 मई 2024 से 16 मई 2024 तक जूरी सदस्यों के रूप में कार्य किया।
2. छठी सेमेस्टर जूरी: सुश्री अल्पी जैन और श्री नचिकेता चरखवाल शामिल थे, जिन्होंने सेमेस्टर सबमिशन के लिए जूरी सदस्यों के रूप में कार्य किया।
3. स्नातक परियोजना (जीपी) जूरी: जीपी जूरी में श्री मोहम्मद, बिलाल आबिद, श्री अंशुमान कुमार, श्री भार्गव मिस्त्री, श्री आलोक चंद्रपाल, श्री चंद्र विजय सिंह, श्री अंकित प्रजापति और श्री मोहम्मद, शामिल थे, जिन्होंने सामूहिक रूप से छात्रों के अंतिम परियोजना कार्य का आकलन किया।

अंतिम सेमेस्टर जूरी (नवंबर/दिसंबर 2024):

सेमेस्टर की अंतिम जूरी 25 नवंबर 2024 और 29 नवंबर 2024 के बीच आयोजित की गई थी, और वैकल्पिक जूरी 16 दिसंबर 2024 से 27 दिसंबर 2024 तक आयोजित की गई थी।

1. 5वीं सेमेस्टर जूरी: सुश्री पूर्वा केलकर और सुश्री अल्पी जैन ने 25 नवंबर 2024 से 28 नवंबर 2024 तक जूरी सदस्यों के रूप में कार्य किया।
2. तीसरा सेमेस्टर जूरी: श्री चंदन एस और श्री अरुण कूरमंथराइल ने 26 नवंबर 2024 से 29 नवंबर 2024 तक जूरी सदस्यों के रूप में कार्य किया।
3. 7वीं सेमेस्टर जूरी: श्री द्युतिमान मौलिक और श्री गुरदीप सिंह ने 25 नवंबर 2024 से 27 नवंबर 2024 तक जूरी सदस्यों के रूप में कार्य किया।
4. वैकल्पिक जूरी: श्री मोहम्मद शादिक, सुश्री श्रुति सुरेश और श्री शशांक सुनील ने 16 दिसंबर 2024 से 27 दिसंबर 2024 तक जूरी सदस्यों के रूप में कार्य किया।

पाठ्यक्रम-विशिष्ट जूरी/समीक्षाएं:

निम्नलिखित जूरी सदस्यों द्वारा पाठ्यक्रम-विशिष्ट जूरी और समीक्षाएं आयोजित की गईं:

1. म म पी - II (4 सेमेस्टर): श्री प्रभात तिवारी द्वारा 21 जनवरी 2025 से 22 जनवरी 2025 तक आयोजित किया गया।
2. समावेशी डिज़ाइन (छठा सेमेस्टर): 17 जनवरी 2025 को श्री एस. बलराम द्वारा समीक्षा की गई।
3. भौतिक एर्गोनॉमिक्स (चौथा सेमेस्टर): 24 फरवरी 2025 से 27 फरवरी 2025 तक डॉ. देवकुमार चक्रवर्ती द्वारा आयोजित की गई|
4. सेवा डिज़ाइन (छठा सेमेस्टर): श्री नचिकेता चरखवाल द्वारा 10 फरवरी 2025 से 7 मार्च 2025 तक समीक्षा की गई।

छात्रों के कार्य की प्रदर्शनी:

अगस्त 2024 में औद्योगिक डिज़ाइन ज्ञानानुशासन के छात्रों द्वारा पूरे किए गए निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के परिणामों को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी।

1. फोटोग्राफी का परिचय: 3 सेमेस्टर छात्रों द्वारा दो सप्ताह का पाठ्यक्रम पूरा किया गया।
2. सतत डिज़ाइन: 5वें सेमेस्टर छात्रों द्वारा तीन सप्ताह का पाठ्यक्रम पूरा किया गया।
3. प्रोटोटाइप विकास - II: 5वें सेमेस्टर छात्रों द्वारा दो सप्ताह का पाठ्यक्रम पूरा किया गया।
4. इंटरैक्टिव डिज़ाइन: 3 सेमेस्टर छात्रों द्वारा तीन सप्ताह का पाठ्यक्रम पूरा किया गया।

प्रदर्शनी

औद्योगिक डिज़ाइन पाठ्यक्रम:

द्वितीय वर्ष (सेमेस्टर III)

- प्रतिष्ठित उत्पाद और नवाचार
- उत्पाद ड्राइंग
- फॉर्म अध्ययन
- फोटोग्राफी का परिचय
- सामग्री और विनिर्माण
- रचनात्मकता और विचार
- डिज़ाइन सेमिनार
- प्रकृति और डिज़ाइन

द्वितीय वर्ष (सेमेस्टर IV)

- भौतिक एर्गोनोमिक्स
- उत्पाद ड्राइंग-II
- फॉर्म अध्ययन II
- प्रोटोटाइप विकास- I (यांत्रिक खिलौना)
- सामग्री और विनिर्माण प्रक्रियाएं-II
- डिज़ाइन परियोजना- I
  (एसपीडी - खिलौना / इंटीरियर एक्सेसरीज)
- इलेक्टिव-I

तीसरा वर्ष (सेमेस्टर-V)

- डिज़ाइन अनुसंधान विधियां
- संज्ञानात्मक एर्गोनोमिक्स
- धारणीय डिज़ाइन
- प्रोटोटाइप विकास- II (लकड़ी और धातु जॉइनरीज)
- उत्पाद शब्दार्थ
- डिज़ाइन परियोजना- II (फर्नीचर डिज़ाइन / उत्पाद डिज़ाइन)

तीसरा वर्ष (सेमेस्टर VI)

- उत्पाद पैकेजिंग
- सेवा डिज़ाइन
- समावेशी डिज़ाइन
- मूल्य इंजीनियरिंग
- डिज़ाइन परियोजना-III
  (तकनीकी रूप से जटिल उत्पाद डिज़ाइन - टीसीपी)
- निर्वाचन-II

चौथा वर्ष (सेमेस्टर VII)

- डिज़ाइन प्रबंधन
- इंटरैक्टिव उत्पाद डिज़ाइन
- विशेष आवश्यकता के लिए डिज़ाइन
- डिज़ाइन परियोजना-IV (सिस्टम डिज़ाइन)

चौथा वर्ष (सेमेस्टर VIII)

- स्नातक परियोजना

अध्ययन बोर्ड (बीओएस) का विवरण:

औद्योगिक डिज़ाइन में बी. डेस पाठ्यक्रम के संशोधन के लिए अध्ययन बोर्ड (बी. ओ.एस) की पहली बैठक मार्च 2025 में निम्नलिखित विशिष्ट सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित की गई थी:

1. प्रो. शशांक मेहता,

प्रधान संकाय और औद्योगिक डिज़ाइनर, एनआईडी अहमदाबाद

(अकादमिक विशेषज्ञ)

2. श्री विद्याधर पांडे,

संस्थापक और निदेशक, अभिकल्प डिज़ाइन स्टूडियो

(उद्योग विशेषज्ञ)

3. श्री रचित सिंघी,

पूर्व छात्र, औद्योगिक डिज़ाइन, बैच 2019-2023, एनआईडी एमपी (पूर्व छात्र विशेषज्ञ)

संकाय सदस्यों द्वारा निर्देशित स्नातक परियोजनाएं:

1. श्री एमी भार्गव, बैच 2019-2023 ने डॉ. शिखा अग्रवाल के मार्गदर्शन में "बाल सुरक्षा और आउटडोर गतिशीलता के लिए एक गैमीफाइड टूल" पर अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
2. सुश्री अमिशी जैन, बैच 2020-2024 ने डॉ. सुकन्या बोर सैकिया के मार्गदर्शन में "विशेष रूप से यूएक्स/यूआई डिज़ाइन: एआई नोट सारांश उपकरण के लिए एक वेब एप्लिकेशन इंटरफेस और लैंडिंग वेबसाइट" पर अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
3. सुश्री भूमि महवार, बैच 2020-2024 ने "कोव लैंप" पर डॉ. सुकन्या बोर सैकिया के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
4. सुश्री दीक्षा अरुण शिंदे, बैच 2020-2024 ने श्री राहुल साहनी के मार्गदर्शन में "ग्लाइड: ए मॉड्यूलर अर्बन डिलीवरी व्हीकल" पर अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
5. सुश्री गायत्री वेंकट रमन शिंदे, बैच 2020-2024 ने श्री अमित कुमार गहलोत के मार्गदर्शन में "एयर: ए फुटवियर रिफ्रेशर और सैनिटाइजर" पर अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
6. सुश्री हलीमा नेफ्रिन, बैच 2020-2024 ने "आभा: लाइटिंग इंस्टॉलेशन" पर डॉ. सुकन्या बोर सैकिया के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
7. सुश्री काशवी गढ़िया, बैच 2020-2024 ने श्री अमित कुमार गहलोत के मार्गदर्शन में "एयर: एयरोटैक्सी- एयरपोर्ट व्हीलचेयर" पर अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
8. श्री नयन मंडल, बैच 2020-2024 ने डॉ. शबरीधरन के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में "नक्ष ईस्ट-ए बैग कलेक्शन फोर्जिंग माई कल्चरल लीगेसी" पर अपना जीपी पूरा किया।
9. सुश्री निवेदिता महाजन, बैच 2020-2024 ने "बाग शीन ई-कॉमर्स स्टोर के लिए उपयोगकर्ता अनुभव डिज़ाइन" पर सुश्री सुव्रता आरएस यादव के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
10. श्री ओम शिंदे, बैच 2020-2024 ने "एयर: कीवी: माइक्रोकार" पर श्री राहुल साहनी के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
11. श्री प्रथमेश उमेश भूमकर, बैच 2020-2024 ने "ह्यूगो" विषय पर श्री राहुल साहनी के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
12. श्री राहुल ईजी, बैच 2020-2024 ने "नोवा" पर श्री राहुल साहनी के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
13. श्री रीशव कुंडू, बैच 2020-2024 ने "एसआरओटी" पर श्री अमित कुमार गहलोत के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
14. सुश्री ऋषिका जैन, बैच 2020-2024 ने "लोरी - करियर और मातृत्व की लय" पर सुश्री सुव्रता आरएस यादव के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
15. सुश्री रूची शाह, बैच 2020-2024 ने अक्टूबर 2024 में सुश्री नीतिका देवगन के मार्गदर्शन में "एल्युर: टेक्टोना ग्रैंडिस फर्नीचर के लिए एक फर्नीचर संग्रह" पर अपना जीपी पूरा किया।
16. श्री रुशिकेश पिंगले, बैच 2020-2024 ने "ब्रिसा सीलिंग फैन सीरीज" पर श्री अमित कुमार गहलोत के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
17. श्री सार्थक वर्मा बैच 2020-2024 ने डॉ. सुकन्या बोर सैकिया के मार्गदर्शन में "हवा - अनुकूली मोटरसाइकिल" पर अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
18. सुश्री सपना अनुपम श्रीवास्तव, बैच 2020-2024 ने "उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के लिए हनीबी नेटवर्क वेबसाइट को फिर से डिज़ाइन करना" पर सुश्री सुव्रता आरएस यादव के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
19. सुश्री सरन्या राजू, बैच 2020-2024 ने अक्टूबर 2024 में सुश्री सुव्रत आरएस यादव के मार्गदर्शन में "धमकी से नवाचार की ओर:डिजिटल प्रौद्योगिकी को समझना" पर अपना जीपी पूरा किया।
20. श्री सिडक, बैच 2020-2024 ने "शहरी वनस्पति: हाथ से तैयार सजावटी तालिकाओं का एक संग्रह" पर सुश्री नीतिका देवगन के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
21. श्री श्रीक्षेत्र सौरव नंदा, बैच 2020-2024 ने डॉ. सुकन्या बोर सैकिया के मार्गदर्शन में "स्टीन-लाइटवेट कंप्यूटर" पर अपना जीपी अक्टूबर 2024 में पूरा किया।
22. सुश्री तेजल काले, बैच 2020-2024 ने "कैरिल कंपनी के लिए कैमरा बैग सेगमेंट का विस्तार" पर श्री राहुल साहनी के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
23. सुश्री वैदेही पंडित, बैच 2020-2024 ने "हाथगाड़ियों को बदलने के लिए ट्राई-कार्ट: इलेक्ट्रिक कार्ट डिज़ाइन" पर डॉ. सुकन्या बोर सैकिया के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
24. सुश्री वेदांगी मोरे, बैच 2020-2024 ने "ईओएन-ए स्टडी ऑफ लाइट इन स्टोन" पर सुश्री नीतिका देवगन के मार्गदर्शन में अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।
25. सुश्री विनय शिडोर, बैच 2020-2024 ने श्री अमित कुमार गहलोत के मार्गदर्शन में "स्वर शिक्षा (एक संगीत शिक्षण सेवा)" पर अक्टूबर 2024 में अपना जीपी पूरा किया।

संकाय उपलब्धियां:

1. डॉ. शिखा अग्रवाल (एसोसिएट सीनियर फैकल्टी, इंडस्ट्रियल डिज़ाइन) ने रिसर्च इन डिज़ाइन (आईसीओआरडी'25) पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था "ग्रे टच: ए अनडिफाइन जोन बिटवीन गुड एंड बैड टच"।
2. डॉ. शिखा अग्रवाल (एसोसिएट सीनियर फैकल्टी, इंडस्ट्रियल डिज़ाइन) ने एक डिज़ाइन जर्नल में "फ्रॉम अवेयरनेस टू रिकवरी: एन्हांसिंग ब्रेन स्ट्रोक केयर इन इंडिया लो एंड मिडिल इनकम कम्युनिटीज (एलएमआईसी)" पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
3. डॉ. शिखा अग्रवाल (एसोसिएट सीनियर फैकल्टी, इंडस्ट्रियल डिज़ाइन) ने एक डिज़ाइन जर्नल में "भारत में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण पर सड़क की स्थिति का प्रभाव: यात्रा की आदतों, असुविधा और जोखिमों पर एक मिश्रित-तरीकों का अध्ययन" पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
4. दर्जियों के लिए तैयार स्टूल:
   श्री अमित कुमार गहलोत, श्री राहुल साहनी और श्री विवेक विनोद महाजन ने भारतीय पेटेंट कार्यालय के साथ "दर्जी के लिए सिलाई स्टूल" के लिए डिज़ाइन पंजीकरण के लिए अपना उत्पाद पंजीकृत किया है।

5. चाय पॉट:
   डॉ. शिखा अग्रवाल और सुश्री आकांक्षा यू कोचरेकर ने भारतीय पेटेंट कार्यालय के साथ "चाय पॉट" के लिए डिज़ाइन पंजीकरण के लिए अपना उत्पाद पंजीकृत किया है।

6. फुटवियर:
   डॉ. राकेश के विधाते, श्री सिद्धार्थ बिस्वास, सुश्री मृणाल अमोल येवलेकर और सुश्री संस्कृत मातेश्वर बंसल ने भारतीय पेटेंट कार्यालय के साथ "फुटवियर" के लिए अपना उत्पाद डिज़ाइन पंजीकरण पंजीकृत किया है

7. डोर स्टॉपर:
   डॉ. शिखा अग्रवाल और श्री अभिनव अट्टा ने भारतीय पेटेंट कार्यालय के साथ "डोर स्टॉपर" के लिए डिज़ाइन पंजीकरण के लिए अपना उत्पाद पंजीकृत किया।

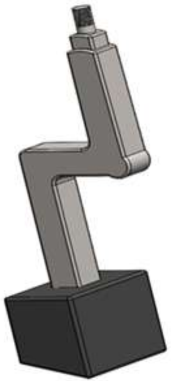

POST PRODUCTION SHEETS

nani's
Bubble

औद्योगिक डिज़ाइन ज्ञानानुशासन के टीम सदस्य:

श्री राहुल साहनी,
प्रधान तकनीकी प्रशिक्षक

डॉ. शिखा अग्रवाल,
एसोसिएट सीनियर फैकल्टी

डॉ. सुकन्या बोर्सैकिया,
एसोसिएट सीनियर फैकल्टी

श्री अनिल कुमार भास्कर,
डिज़ाइनर

डॉ. राकेश केशवराव विधाते,
वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक

श्री मनोज पवार,
एसोसिएट सीनियर टेक्निकल इंस्ट्रक्टर

श्री शैलेन्द्र ओझा,
तकनीकी प्रशिक्षक

श्री आशीष पाल,
एम् टी एस

बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन
(कपड़ा और परिधान डिज़ाइन)

ज्ञानानुशासन संक्षिप्त :

कपड़ा और परिधान डिज़ाइन कार्यक्रम कपड़ा, फैशन, जीवन शैली, आंतरिक और घरेलू फर्निशिंग क्षेत्रों की विविध मांगों के लिए अपने अंत:विषय और सर्वव्यापी दृष्टिकोण से प्रतिष्ठित है। यह टिकाऊ प्रथाओं, अनुसंधान और तकनीकी प्रगति पर जोर देते हुए परिधान डिज़ाइन के साथ कपड़ा उत्पाद विकास को कलात्मक रूप से मिश्रित करता है।

पाठ्यक्रम में स्मार्ट टेक्सटाइल, सुरक्षात्मक पहनने, रेडी-टू-वियर फैशन, परिधान निर्माण, पैटर्न निर्माण, ड्रेपिंग, सतह विकास तकनीक, फैशन फोटोग्राफी, होम फर्निशिंग, डिज़ाइन प्रबंधन आदि जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। विभाग यह सुनिश्चित करता हैं कि छात्र कलात्मक अभिव्यक्ति और तकनीकी दक्षता में निपूर्ण हों।

छात्र नवीनतम विनिर्माण प्रक्रियाओं और नवाचार उपकरणों में प्रवाह प्राप्त करते हुए पारंपरिक शिल्प आधारित ज्ञान में एक मजबूत नींव विकसित करते हैं। यह कार्यक्रम डिज़ाइन सोच में संदर्भ, गहराई और परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अध्ययनों को भी एकीकृत करता है। स्नातक बहुमुखी पेशेवरों के रूप में उभरते हैं, जो कपड़ा और फैशन उद्योगों के हस्तशिल्प और औद्योगिक क्षेत्रों को नेविगेट करने में सक्षम हैं, जिसमें स्थिरता, नवाचार और रचनात्मक उद्यमिता के क्षेत्रों में नेतृत्व करने की तैयारी है।

अभिविन्यास कार्यक्रम का विवरण:

कपड़ा और परिधान डिज़ाइन विभाग ने टीएडी छात्रों के नए बैच के लिए 10 जुलाई 2024 को एक अभिविन्यास सत्र आयोजित किया, जहां उन्हें संस्थान और विभाग की सभी सुविधाओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

शैक्षणिक/शैक्षिक दौरा:

1. सेमेस्टर VII, बैच 2021-2025 के छात्रों ने 26 अगस्त 2024 को भोपाल में हुनर क्राफ्ट का दौरा किया और कारीगरों के साथ बातचीत की। छात्रों ने धारणीय सहायक डिज़ाइन में जानकारी प्राप्त की।
2. सेमेस्टर VII, बैच 2021-2025 के छात्रों ने 26 अगस्त 2024 को भोपाल में अकरशन जेम और ज्वैलरी स्टूडियो का दौरा किया और आभूषण डिज़ाइनर के साथ बातचीत की। छात्रों ने अपने सहायक डिज़ाइन पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में आभूषण डिज़ाइन के बारे में सीखा।
3. सेमेस्टर IV, बैच 2023-2027, के छात्रों ने अप्रैल 2024 में बुदनी, भोपाल में ट्राइडेंट का दौरा किया और प्रबंधकों और उत्पादन टीम के साथ बातचीत की। छात्रों ने औद्योगिक पैमाने पर कपड़ा निर्माण और प्रक्रिया प्रबंधन के बारे में सीखा।
4. सेमेस्टर VII, बैच 2021-2025 और सेमेस्टर V, बैच 2022-2026 के छात्रों ने 09 अगस्त 2024 को इंदौर में आईआईएम इंदौर का दौरा किया। उन्होंने उद्यमिता पर एक सत्र के लिए वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. डीएल सुंदर से बातचीत की और संस्थान के प्रबंधन कर्मियों से भी मुलाकात की। छात्रों ने उद्यमिता, नवाचार, प्रबंधन और अपनी डिज़ाइन फर्म शुरू करने की प्रक्रिया के बारे में सीखा।
5. सेमेस्टर III, बैच 2023-2027, के छात्रों ने 09 अगस्त 2024 को उज्जैन में भैरव गढ़ क्राफ्ट क्लस्टर का दौरा किया। उन्होंने भैरव गढ़ बाटिक प्रिंटिंग कारीगरों के साथ एक कार्यशाला में भाग लिया जिसमें बाटिक प्रिंटिंग, मुद्रण तकनीकों, सामग्री और प्रक्रिया के बारे में सीखा।

सुश्री सोनल वंजारे और डॉ. शबरीधरन के मार्गदर्शन में आईआईएम इंदौर की यात्रा।

डॉ स्वाति व्यास, एसोसिएट सीनियर फैकल्टी टीएडी, और डॉ। शबरीधारन (डीएल-टीएडी) ने श्री पिंटू सिंह (तकनीकी सहायक) के साथ मिलकर टीएडी सेम 4 के छात्रों के लिए ट्राइडेंट बुदनी की औद्योगिक यात्रा की।

डॉ. स्वाति व्यास, एसोसिएट सीनियर फैकल्टी टीएडी, और डॉ. शेखर चटर्जी, सीनियर फैकल्टी टीएडी के साथ-साथ श्री पिंटू सिंह (तकनीकी सहायक) ने टीएडी सेम 4 के छात्रों के लिए भैरव गढ़ , उज्जैन की औद्योगिक यात्रा की।

अतिथि विशेषज्ञ का दौरा:

1. प्रो. हिमाद्री घोष, एनआईडी अहमदाबाद के पहले बैच के पूर्व छात्र और एक उद्योग विशेषज्ञ ने जूरी के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
2. उद्योग विशेषज्ञ श्री योगेश पुरोहित ने जूरी के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
3. एनआईडी अहमदाबाद के वरिष्ठ संकाय डॉ. केतन कुमार वडोदरा ने जूरी के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
4. डॉ. लतिका भट्ट, सहायक प्रोफेसर, एनआईएफटी भोपाल ने जूरी के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
5. उद्योग विशेषज्ञ श्री बिप्लब मोहंती ने जूरी के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
6. ट्राइडेंट की उद्योग विशेषज्ञ सुश्री अस्मिता सिंह ने जूरी के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
7. एनआईएफटी भोपाल में सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रभात कुमार ने जूरी के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
8. श्री अभिजीत बनिक, उद्यमी, उद्योग विशेषज्ञ और सलाहकार, ने जूरी के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
9. सुश्री अलाना सावंत, कपड़ा डिज़ाइनर और सलाहकार, जूरी के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
10. एनआईएफटी भोपाल के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. देबोज्योति गांगुली ने जूरी के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
11. सुश्री साक्षी, सीआईसी और सहायक प्रोफेसर, एनआईएफटी भोपाल, ने शिल्प प्रलेखन पर सत्र के लिए एनआईडी परिसर का दौरा किया।
12. मीनाकारी स्टूडियो की मालिक सुश्री मीनाल चौधरी ने डिज़ाइन परियोजना के लिए विजिटिंग फैकल्टी के रूप में एनआईडी परिसर का दौरा किया।
13. उद्योग विशेषज्ञ श्री अमन महेश्वरी ने डिज़ाइन परियोजना के लिए विजिटिंग फैकल्टी के रूप में एनआईडी परिसर का दौरा किया।
14. उद्योग विशेषज्ञ श्री तुषार भारतीय ने डिज़ाइन परियोजना के लिए विजिटिंग फैकल्टी के रूप में एनआईडी परिसर का दौरा किया।
15. श्री सौरभ अनंत, निदेशक, विहान ड्रामा वर्क्स ने थिएटर और पोशाक इलेक्टिव के लिए विजिटिंग फैकल्टी के रूप में एनआईडी परिसर का दौरा किया।
16. श्री देवेंद्र शाक्य ने क्ले म्यूरल इलेक्टिव के लिए विजिटिंग फैकल्टी के रूप में एनआईडी परिसर का दौरा किया।

प्रमुख उद्योग संपर्क:

1. डॉ. शबरीधरन ने 17 मार्च से 22 मार्च 2025 तक नवाचार और उद्यमिता पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

अंतिम सेमेस्टर जूरी:

कपड़ा और परिधान डिज़ाइन विभाग ने 25 नवंबर 2024 से 29 नवंबर 2024 तक विषम सेमेस्टर III, V और VII के लिए और 13 मई 2024 से 17 मई 2024 तक सम सेमेस्टर IV और VI छात्रों के लिए भी सेमेस्टर जूरी का आयोजन किया। जिसमे कुल 48 छात्रों ने सफलतापूर्वक जूरी पूरी की और उन्हें अगले सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया।

छात्रों के कार्यों के प्रदर्शन के लिए आयोजित प्रदर्शनी:

1. छात्रों ने 6 से 8 अगस्त 2024 तक 3 दिवसीय प्रदर्शनी के दौरान हथकरघा दिवस प्रदर्शनी में अपने कार्यों और कक्षा परियोजनाओं का प्रदर्शन किया।
2. टीएडी के छात्रों ने एनआईडी एमपी में एमपीडीयू फैशन शो में भाग लिया और रैंप पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की।

कपड़ा और परिधान डिज़ाइन ने निम्नलिखित डिज़ाइन पाठ्यक्रमों की पेशकश की:

सेमेस्टर III

- TAD का अवलोकन
- वस्त्र का परिचय (फाइबर, सूत और रंगाई)
- परिधान निर्माण
- ड्रेपिंग और पैटर्न निर्माण
- सतह अलंकरण
- फैशन संचार का इतिहास
- फैशन चित्रण

सेमेस्टर IV

- ओपन वैकल्पिक
- प्रिंट विकास परियोजना
- कंप्यूटर सहायता प्राप्त अनुप्रयोग
- डिज़ाइन अनुसंधान पद्धति
- परिधान निर्माण स्तर 2
- पैटर्न निर्माण
- ड्रेपिंग स्तर 2
- फैशन, कला और वेशभूषा का इतिहास

सेमेस्टर V

- भारतीय शिल्प और पारंपरिक परिधानों का इतिहास
- डिज़ाइन प्रबंधन का परिचय
- अग्रिम सतह डिज़ाइन II (अभिनव बुनाई)
- स्मार्ट टेक्सटाइल का परिचय
- डिज़ाइन प्रोजेक्ट 1 सुरक्षात्मक वस्त्र
- डिज़ाइन परियोजना 2 - रेडी-टू-वियर कलेक्शन (बुना हुआ)
- शिल्प दस्तावेज़ीकरण

सेमेस्टर VI

- ओपन वैकल्पिक
- उन्नत सतह डिज़ाइन III (पारंपरिक वस्त्र)
- दृश्य व्यापारिक और विंडो डिस्प्ले
- फैशन फोटोग्राफी
- डिज़ाइन प्रोजेक्ट 3 - होम फर्निशिंग और इंटीरियर
- डिज़ाइन परियोजना 4 - स्पोर्ट्स, इनर वियर और परफॉर्मेंस वियर का परिचय
- रणनीतिक डिज़ाइन प्रबंधन (पेशेवर प्रथाएं और प्रक्रियाएं)

सेमेस्टर VII

- डिज़ाइन प्रबंधन III (नवाचार और उद्यमिता)
- डिज़ाइन प्रोजेक्ट 5: इकोफ्रेंडली, रीसाइकल फैशन और सस्टेनेबल फैशन कलेक्शन
- ब्रांड पहचान और लोगो डिजाइन
- ऐप डेवलपमेंट के लिए यूआई और यूएक्स के मूल सिद्धांत
- सहायक उपकरण डिज़ाइन

सेमेस्टर VIII

- स्नातक परियोजना

बी. ओ. एस का विवरण:

स्नातक और मास्टर पाठ्यक्रम की समीक्षा और संशोधन के लिए प्रथम अध्ययन बोर्ड (बी ओ एस) 27 और 28 मार्च 2025 को निम्नलिखित की उपस्थिति में किया गया है:

1. उद्योग विशेषज्ञ, ट्राइडेंट से सुश्री अस्मिता सिंह,
2. प्रो. विजय सिंह कटियार एनआईडी अहमदाबाद,
3. पूर्व छात्र सुश्री प्रियथम गद्दाम (2019-23),
4. प्रमुख नियमित कार्यक्रम, ए सी ई,
5. टीएडी ज्ञानानुशासन के सभी संकाय सदस्य।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां:

1. सुश्री सस्मिता कदम, सेमेस्टर V, ने पुणे फैशन वीक में सम्मिलित हुई, जिसमें वह रेडी-टू-वियर परिधान संग्रह के साथ भाग लिया।

सेमेस्टर 6 स्टूडेंट वर्क- सस्मिता कदम, पारंपरिक पहनावा

संकाय सदस्यों और स्नातक कार्यक्रमों द्वारा निर्देशित स्नातक परियोजनाएं:

1. टीएडी विभाग, बैच 2020-2024 से संबंधित सुश्री अकुनुर कीर्तना ने जुलाई 2024 में मेसर्स इका कोर परिधान संग्रह (रेडी टू वियर) से अपना जीपी पूरा किया, जो कोर परिधान पर सुश्री सोनल वंजारे के मार्गदर्शन में संग्रह को पहनने के लिए तैयार है।

2. टीएडी विभाग से संबंधित सुश्री सई लोकारे बैच 2020-2024 ने गृह फर्निशिंग वस्त्रों के लिए बुनाई पर श्री संदीप जायसवाल के मार्गदर्शन में मेसर्स शटल और नीडल्स से जुलाई 2024 में अपना जीपी पूरा किया।

टीएडी विभाग मे उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा आयोजित सेमिनार और कार्यशालाएं:

टीएडी विभाग के V-VI सेमेस्टर छात्रों के लिए शिल्प दस्तावेज़ीकरण और टाई-डाई प्रिंटिंग कार्यशालाएं आयोजित की गयी,

संकाय उपलब्धियां:

डॉ. स्वाति व्यास, एसोसिएट सीनियर फैकल्टी टीएडी डिसिप्लिन, ने “मध्य प्रदेश के भैरव गण ब्लॉक प्रिंटिंग की पुनरुद्धार संभावनाओं का अध्ययन” विषय पर वनस्थली विद्यापीठ से अपनी पीएचडी पूरी की। उनकी थीसिस, जिसका शीर्षक को 8 जुलाई 2024 को भारतीय कॉपीराइट कार्यालय द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया।

सुश्री सोनल वंजारे, संकाय टीएडी ज्ञानानुशासन को निफ्ट, भोपाल में स्पेक्ट्रम फैशन शो के लिए अतिथि जूरी के रूप में आमंत्रित किया गया था।

कपड़ा और परिधान डिज़ाइन ज्ञानानुशासन के टीम सदस्य:

डॉ. शेखर चटर्जी,
वरिष्ठ संकाय

डॉ. शबरीधरन,
प्रधान तकनीकी प्रशिक्षक

डॉ. स्वाति व्यास,
एसोसिएट सीनियर डिज़ाइनर

सुश्री लुबना सैफी,
संकाय

सुश्री ज्योति पाल,
संकाय

सुश्री सोनल वंजारे,
संकाय

श्री पिंटू प्रताप सिंह,
तकनीकी प्रशिक्षक

श्री राजेंद्र विश्वकर्मा ,
एम् टी एस

,

"Design creates culture
Culture shapes value
Value determines the
future"
Robert L. Peters
About the Institute
21 FRI
22 SAT
ANIMAL

4

एकीकृत डिज़ाइन सेवा (आई डी एस) परियोजनाएं

एकीकृत डिज़ाइन सेवा (आई डी एस) परियोजनाएँ एक नज़र में

एकीकृत डिज़ाइन सेवा (आईडीएस) के लिए गतिविधि अध्यक्ष संस्थान की आई डी एस गतिविधियों से संबंधित कार्यों, कार्यों और जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए जिम्मेदार है। इसमें विभागों में निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए अन्य गतिविधि अध्यक्षों के साथ समन्वय शामिल है।

एक्टिविटी चेयरपर्सन, आई डी एस संस्थान की सभी प्रायोजित परियोजनाओं और परामर्श गतिविधियों की देखरेख करता है, जिसमें परियोजना प्रस्तुत करने और प्रबंधन से लेखांकन तक पूरे जीवन चक्र को शामिल किया जाता है, अनुसंधान कर्मियों की भर्ती, फंडिंग एजेंसियों के साथ जुड़ाव, बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) की सुरक्षा, और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सम्मिलित है।

2024-25 में परियोजनाओं का विवरण

1. **पैकेजिंग डिज़ाइन परियोजना**
   यह राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (एनआईडी एमपी) और फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव पैकेजिंग सस्टेनेबिलिटी (आईपीआर) के बीच शुरू की गई "पैकेजिंग डिज़ाइन पर एक परामर्श परियोजना प्रस्ताव" नामक एक परामर्श परियोजना है। इस परियोजना को आईपीआर और पिडिलाइट उद्योगों द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित किया गया था। इस परियोजना के परिणाम ने टिकाऊ और नवीन पैकेजिंग समाधानों में योगदान देकर उद्योग पर प्रभाव डाला।

2. **लोगो डिज़ाइन परियोजना**
   इस परियोजना में ज्वैलर्स बोर्स जयपुर के लिए आधिकारिक लोगो को फिर से डिज़ाइन करना शामिल था। यह परियोजना जयपुर रत्न एवं आभूषण बाजार द्वारा प्रायोजित है। पुनर्डिज़ाइन किए गए लोगो ने संगठन के लिए ब्रांड पहचान और दृश्य संचार को बढ़ाकर उद्योग को लाभान्वित किया।

निर्यात और ओडीओपी
कार्यशाला
गुना
Consultancy Project

BEYOND LIMITS
"Design creates culture
Culture shapes value
Value determines the
Peters
DA COCOON
CSIR
ANIMAL ORCHESTRA

5
प्लेसमेंट

प्लेसमेंट सेल के बारे में:

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (एनआईडी), मध्य प्रदेश में प्लेसमेंट कार्यालय शिक्षाविदों और उद्योग के बीच एक रणनीतिक पुल के रूप में कार्य करता है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को सार्थक अनुभव और परियोजना-आधारित शिक्षण के अवसर प्रदान करना है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्नातक परियोजनाएं
- औद्योगिक प्रशिक्षण
- कक्षा परियोजनाएं
- लाइव परियोजनाएं

एनआईडी एमपी में प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल संभावित नियोक्ताओं को स्नातक छात्रों के साथ जोड़ने वाले एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है। यह नियोक्ताओं को एनआईडी एमपी और इसके विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देते हुए उपयुक्त उम्मीदवारों की पहचान करने में सक्षम बनाकर भर्ती की सुविधा प्रदान करता है:

- उद्योग
- डिज़ाइन स्टूडियो
- गैर-सरकारी संगठन
- सरकारी क्षेत्र
- लघु एवं मध्यम उद्यम

एनआईडी एमपी छात्रों को अपने तीन मुख्य विषयों में उभरते क्षेत्रों में अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है:

1. संचार डिज़ाइन (सीडी)
2. औद्योगिक डिज़ाइन (आईडी)
3. कपड़ा और परिधान डिज़ाइन (टीएडी)

एनआईडी एमपी में उच्च स्तर की शिक्षा ने अपने स्नातकों की सफलता में योगदान दिया है, जिन्होंने विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में अपने योगदान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त की है। छात्रों का तीसरा बैच जुलाई 2025 में स्नातक होने वाला है।

परिसर भर्ती हाइलाइट्स:

परिसर का दौरा करने वाली कंपनियां/पेशेवर:

- हाउस ऑफ़ कथा (इंदौर)
- श्री अंकित प्रजापति (अमेजन)
- श्री सुधीर कुदुचकर (श्री डॉट्स)
- श्री गोपाल एस. कृष्णन (एम एंड सी साची फरवरी)
- सुश्री गायत्री सिंह (अरण्य - ग्वालियर किला)
- श्री शुभम सिंह (क्रेस्ट फाउंडेशन, ग्वालियर)
- सुश्री शुभिता जैन (कार्स24 - ऑनलाइन मोड)

एक नज़र में प्लेसमेंट:

2020-24 बैच के लिए, कुल 53 छात्रों ने बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन कार्यक्रम पूरा किया। इनमें से 32 छात्रों को ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट के अवसर मिले। इसके अतिरिक्त, 2 छात्रों ने स्टार्ट-अप / उद्यमशीलता उद्योग शुरू किया, 12 छात्रों ने उच्च अध्ययन का विकल्प चुना, और 7 छात्र फ्रीलांस कार्य में लगे हुए है।

6
उपलब्धियां और गतिविधियां

6.1 डॉ. विद्या राकेश ने मध्य प्रदेश के एनआईडी में निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

डॉ. विद्या राकेश ने राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश के निदेशक के रूप में 4 नवंबर, 2024 को वरिष्ठ संकाय सुश्री नीतिका देवगन से आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभाला, जो 08 जनवरी 2024 से 04 नवंबर 2024 तक की अवधि के लिए कार्यवाहक निदेशक के रूप में कार्य कर रही थी।

निदेशक के रूप में, डॉ. राकेश एक रचनात्मक और अनुसंधान-संचालित वातावरण को बढ़ावा देने, वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने और सामाजिक और सतत विकास के लिए डिज़ाइन के क्षेत्र में संस्थान के प्रभाव को बढ़ाने के लिए समर्पित हैं।

एनआईडी एमपी डॉ. राकेश का हार्दिक स्वागत करता है और भारत में डिजाइन शिक्षा के भविष्य को आकार देने में उनके गतिशील नेतृत्व की आशा करता है। उनकी दृष्टि में पारंपरिक डिजाइन सिद्धांतों और समकालीन प्रथाओं के एकीकरण पर जोर दिया गया है, जिससे छात्रों को डिजाइन के बदलते परिदृश्य में सफल होने में मदद मिलेगी।

6.2 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली: एनआईडी एमपी: आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन:

एनआईडी मध्य प्रदेश (एनआईडी एमपी) एक आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित संस्थान है जो गुणवत्ता प्रबंधन पर जोर देता है। यह अपने संचालन में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए उपायों और तरीकों की एक व्यापक श्रृंखला को नियोजित करता है। संस्थान की गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली आवश्यक संरचनाओं को स्थापित करती है, प्रक्रियाओं को परिभाषित करती है, और उच्च गुणवत्ता वाली प्रक्रियाओं के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारियां सौंपती है।

इस प्रणाली में विस्तृत प्रक्रियाएं, दिशानिर्देश, प्रतिक्रिया तंत्र और मौजूदा प्रथाओं को बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा शामिल है। सभी का उद्देश्य अकादमिक उत्कृष्टता के वितरण में स्थिरता को बढ़ावा देना है।

6.3 निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्धता:

एनआईडी म.प्र का दृष्टिकोण निरंतर सुधार है। संस्थान अपने कार्यक्रमों को परिष्कृत करने, उद्योग की मांगों को पूरा करने के लिए छात्रों के कौशल को बढ़ाने और शिक्षाविदों और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। एनआईडी एमपी छात्रों और कर्मचारियों दोनों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण करने के लिए नियमित रूप से कदम उठाते हुए दक्षता बढ़ाने के लिए अपने समुदाय के लिए सक्रिय रूप से अवसर प्रदान करता है।

6.4 आईएसओ 9001:2015 प्रथम आवेक्षण लेखापरीक्षा पूर्णता:

एनआईडी मध्य प्रदेश ने डिज़ाइन शिक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मान्यता देते हुए अपनी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के लिए आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन की पहली आवेक्षण लेखापरीक्षा सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यह प्रमाणन भारतीय गुणवत्ता परिषद की नामित एजेंसियों में से एक आईआरक्लास द्वारा प्रदान किया गया है।

पहला आवेक्षण लेखापरीक्षा जुलाई 2024 में सफलतापूर्वक पूरी की गई थी। लेखापरीक्षा निष्कर्षों के आधार पर, अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के प्रति संस्थान के पालन की पुष्टि करते हुए, प्रमाणन जारी रखा गया था।

IRCLASS
SYSTEMS AND SOLUTIONS PRIVATE LIMITED

CERTIFICATE OF APPROVAL

Issued by Indian Register Quality Systems
(A Division of IRCLASS Systems and Solutions Private Limited)

This is to certify that the Quality Management Systems of

Organisation: National Institute of Design, Madhya Pradesh

Address: Acharpura, Eint Khedi, Post Arwaliya, Bhopal, Madhya Pradesh - 462 038

has been assessed and found conforming to the following requirement

Standard: ISO 9001:2015

Scope: Offering 4 Years Bachelor's Degree Courses for:
1. Industrial Design,
2. Communication Design
3. Textile & Apparel Design

Certificate No.: IRQS/230100746

Initial Certification Date : 19/07/2023

Current Date of Granting : 19/07/2023

Expiry Date : 18/07/2026

Shashi Nath Mishra
Head IRQS

Head Office: 52A, Adi Shankaracharya Marg, Opp.Powai Lake, Powai, Mumbai - 400 072, India.

6.5 समझौता ज्ञापन (एमओयू):

एनआईडी एमपी ने 31 दिसंबर 2024 को एनआरडीसी मुख्यालय में डिज़ाइन क्लिनिक सुविधा स्थापित करने के लिए सहयोग के लिए एनआरडीसी के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

6.6 स्वच्छता पखवाड़ा 2024:

एनआईडी एमपी को स्वच्छता पखवाड़ा 2023 के दौरान किए गए अपने उत्कृष्ट प्रयासों, घटनाओं और गतिविधियों के लिए डीपीआईआईटी (उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग) के तहत सभी संगठनों और अधीनस्थ कार्यालयों के बीच पहला पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस मान्यता की घोषणा 29 नवंबर 2024 को आयोजित वीसी बैठक के दौरान की गई थी।

6.7 एनआईडी एमपी आई पी आर सेल:

एनआईडी एमपी आईपीआर सेल ने बौद्धिक संपदा संरक्षण में उल्लेखनीय मील के पत्थर हासिल किए हैं। आई पी आर सेल ने पूर्ण विनिर्देशों के साथ दो (02) पेटेंट आवेदन सफलतापूर्वक दायर किए, भारतीय पेटेंट कार्यालय के साथ सात (07) औद्योगिक डिज़ाइन दर्ज किए, और संस्थान के लोगो के लिए एक (01) ट्रेडमार्क आवेदन प्रस्तुत किया, जिसे भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है।

6.8 वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान के विशिष्ट आगंतुक:

1. स्पीडी फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक श्री अनीत सोनी ने अपनी टीम के साथ एनआईडी मध्य प्रदेश परिसर का दौरा किया और 22 जुलाई 2024 को कार्यवाहक निदेशक से मुलाकात की। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य तालमेल के संभावित क्षेत्रों का पता लगाना था।
2. खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अधिकारियों ने 14 अगस्त 2024 को परिसर का दौरा किया। कार्यवाहक निदेशक के साथ बैठक के अलावा, उन्होंने छात्रों के लिए एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया।
3. राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी) के वरिष्ठ प्रबंधक श्री संजीव मजूमदार ने 13 अगस्त 2024 को परिसर का दौरा किया और संभावित सहयोगी अवसरों पर चर्चा करने के लिए कार्यवाहक निदेशक से मुलाकात की।
4. एमपी स्टेट बांस मिशन और पीसीसीएफ के निदेशक डॉ. यूके सुबुद्धि ने 14 अक्टूबर 2024 को परिसर का दौरा किया। उन्होंने एनआईडी एमपी में बांस डिज़ाइन और विकास केंद्र का उद्घाटन किया और कार्यवाहक निदेशक के साथ चर्चा की।
5. मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग (एमपीपीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों ने 26 नवंबर 2024 को परिसर का दौरा किया और संभावित परियोजना सहयोग पर विचार-विमर्श करने के लिए निदेशक से मुलाकात की।
6. जागरण स्कूल ऑफ डिज़ाइन के प्रमुख डॉ. रितेश और जागरण लेकेसिटी विश्वविद्यालय के डॉ. संयुक्ता कर्वे ने 14 नवंबर 2024 को परिसर का दौरा किया। उन्होंने तालमेल के क्षेत्रों पर चर्चा की और एनआईडी म.प्र के निदेशक को एशिया विश्वविद्यालय संघ और प्रशांत महासम्मेलन (एयूएपी) में मुख्य अतिथि के लिए आमंत्रित किया।
7. मिस्टिक7 के संस्थापक और मुख्य रचनात्मक अधिकारी श्री राजीव मिश्रा ने 11 दिसंबर 2024 को परिसर का दौरा किया। चर्चा भोपाल साहित्य महोत्सव (बीएलएफ) के लिए सहयोग के आसपास केंद्रित थी।
8. सरजना एकेडमी फॉर डिज़ाइन एंड फाइन आर्ट्स, भोपाल के निदेशक श्री सुनील शुक्ला ने 3 जनवरी 2025 को परिसर का दौरा किया और सहयोग के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए निदेशक से मुलाकात की।
9. सुश्री मृदु पी. सक्सेना, वाइस प्रिंसिपल - सागर पब्लिक स्कूल, भोपाल में प्रशिक्षण और विकास, ने 10 जनवरी 2025 को परिसर का दौरा किया। उन्होंने सहयोगात्मक अवसरों पर चर्चा की और निदेशक को अपनी आगामी वार्षिक आम बैठक में मुख्य वक्ता बनने के लिए आमंत्रित किया।

7
एनआईडीएमपी कार्यक्रम और गतिविधियाँ

7.1 स्वतंत्रता दिवस 2024:

संस्थान ने 15 अगस्त 2024 को छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया।

7.2 गणतंत्र दिवस समारोह 2025:

संस्थान ने छात्रों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ 26 जनवरी 2025 को 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। सांस्कृतिक प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं और सामुदायिक दोपहर के भोजन सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

7.3 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024:

10वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के समारोह में, “स्वयं और समाज के लिए योग” विषय के साथ, संस्थान ने 21 जून 2024 को बाहरी विशेषज्ञ डॉ. शिखा सरोगी के नेतृत्व में “तनाव और योग प्रबंधन” पर एक सत्र का आयोजन किया, जिसमें संस्थान के सभी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

7.4 राष्ट्रीय खेल दिवस 2024:

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर, संस्थान ने छात्रों और कर्मचारियों (आउटसोर्स कर्मचारियों सहित) की सक्रिय भागीदारी के साथ मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 27-29 अगस्त 2024 के बीच एक तीन-दिवसीय खेल महोत्सव “जज्बा” का आयोजन किया।

7.5 नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) 2024:

“नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए)” अभियान के तहत 12 अगस्त 2024 को नशा मुक्ति के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए संस्थान के कर्मचारियों के लिए शपथ समारोह का आयोजन किया गया।

7.6 हिंदी पखवाड़ा 2024:

‘हिंदी दिवस’ के अवसर पर, संस्थान मे 16 सितंबर 2024 से 30 सितंबर 2024 तक ‘हिंदी पखवाड़ा’ का आयोजन किया। “हिंदी पखवाड़ा” के दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें निबंध लेखन, कार्यालय आदेश लेखन, नोट / प्रारूपण, हिंदी टंकण, प्रश्न उत्तरी प्रतियोगिता शामिल थी जिसमें संस्थान के आउटसोर्स जनशक्ति, छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

7.7 टीम निर्माण और आपसी तालमेल पर प्रशिक्षण सत्र:

संस्थान के कार्यबल के बीच संचार, प्रेरणा, विश्वास को बढ़ाने और छिपे हुए नेतृत्व कौशल की खोज करने के लिए, “टीम निर्माण और आपसी तालमेल “ पर एक प्रशिक्षण सत्र और “हनुमान जी - द परफेक्ट कर्मयोगी” पर एक संवादात्मक सत्र का आयोजन कर्मचारियों के लिए लिए किया गया जो कि श्री ऋषि नंदा, अध्यात्मवादी एवं मोटोवेशनल प्रवक्ता द्वारा 27 मई, 2024 को संस्थान के संसाधन केंद्र में आयोजित किया गया था।

7.8 रक्तदान शिविर:

संस्थान ने 17 सितंबर 2024 को जेपी जिला अस्पताल के सहयोग से संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों की स्वैच्छिक भागीदारी के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसके परिणामस्वरूप 34 यूनिट रक्त संग्रह हुआ।

7.9 सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024:

संस्थान ने सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 का आयोजन किया, जो तीन महीने तक 16 अगस्त से 15 नवंबर 2024 तक चला। इस दौरान कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

7.10 कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर रोकथाम पर जागरूकता सत्र:

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कानूनी ढांचे पर एक जागरूकता सत्र बाहरी संसाधन व्यक्ति, डॉ. देबाश्री सरकार, सहायक प्रोफेसर, एनएलआईयू भोपाल द्वारा आयोजित किया गया था। सत्र 30 जनवरी 2025 को शाम 5:00 बजे से शाम 5:50 बजे तक सभी संस्थान कर्मचारियों और छात्रों के लिए आयोजित किया गया।

7.11 संविधान दिवस 2024:

"संविधान दिवस 2024" के पालन में, संस्थान ने 26 नवंबर 2024 को एक शपथ समारोह का आयोजन किया। कर्मचारियों को "संविधान की प्रस्तावना" को ऑनलाइन पढ़ने से जुड़ी एक महत्वपूर्ण गतिविधि करने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।

7.12 राष्ट्रीय एकता दिवस, 2024:

संस्थान के कर्मचारियों ने 31 अक्टूबर 2024 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

7.13 अग्निशमन और अग्नि सुरक्षा:

23 दिसंबर 2024 को संस्थान के आउटसोर्स श्रमिकों और संस्थान के भोजनालय के कर्मचारियों सहित सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए अग्निशमन और अग्नि सुरक्षा पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया था।

7.14 अग्निशामक संचालन हैंड-ऑन प्रशिक्षण सत्र:

संस्थान ने 21 मार्च 2025 को दो स्थानों (एम्फीथिएटर और बॉयज हॉस्टल के पास) पर एक हैंड-ऑन अग्निशामक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया, और आग की आपात स्थिति से निपटने के लिए अपने छात्रों, कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मचारियों को प्रशिक्षित एवं जागरूक किया गया।

7.15 अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस 2025:

संस्थान ने “सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता, सशक्तिकरण” विषय पर 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस अवसर पर संस्थान का एक अभिन्न अंग बनने वाली महिलाओं के अमूल्य योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया गया था।

7.16 स्थापना दिवस 2025:

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश का छठा स्थापना दिवस 22 फरवरी 2025 को उत्साह के साथ मनाया गया। उत्सव के तहत, आउटसोर्स जनशक्ति सहित सभी हितधारकों के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

7.17 राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह - अक्टूबर 2024:

संस्थान ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 01 से 31 अक्टूबर 2024 तक 'राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह (एनसीएसएएम)' मनाया, अभियान का विषय "साइबर सुरक्षित भारत" था।

7.18 साइबर स्वच्छता पखवाड़ा 2025:

संस्थान ने 01 फरवरी से 15 फरवरी 2025 तक 'साइबर स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया।

7.19 सुरक्षित इंटरनेट दिवस 2025:

संस्थान ने 11 फरवरी 2025 को सूचना सुरक्षा शिक्षा जागरूकता (आईएसईए) परियोजना, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा मनाए जाने वाले "बेहतर इंटरनेट के लिए एक साथ" विषय के तहत सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया।

7.20 डिज़ाइन शिविर 2.0 - एनआईडी एमपी में एक सप्ताह का रचनात्मक अन्वेषण:

संस्थान की नवाचार परिषद (आईआईसी) और बाल अधिकार वेधशाला (सीआरओ), मध्य प्रदेश के सहयोग से राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (एनआईडी एमपी) द्वारा छह दिवसीय (26-31 मई 2024) आवासीय कार्यशाला डिज़ाइन शिविर 2.0 का आयोजन किया गया था। इस पहल ने स्कूली छात्रों (कक्षा 8 और उससे अधिक) के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान किया और सभी उम्र के उत्साही लोगों को उनकी रचनात्मकता का पता लगाने, उनके डिज़ाइन कौशल को बढ़ाने और एनआईडी एमपी परिसर में जीवंत शैक्षणिक वातावरण का अनुभव करने के लिए आयोजित किया। 41 छात्रों ने लघुकालिक कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

- दिन 1: आईजीआरएमएस में सांस्कृतिक विसर्जन:

सम्मिलित प्रतिभागियों ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (आईजीआरएमएस), भोपाल का दौरा किया, जहां उन्होंने भारत की आदिवासी विरासत, पारंपरिक कला और स्थानीय वास्तुकला की खोज एवं डिज़ाइन में सांस्कृतिक संदर्भों की अपनी समझ को व्यापक बनाया।

- दिन 2: भव्य उद्घाटन और टाई-डाई कार्यशाला:

इस कार्यशाला का उद्घाटन आईजीआरएमएस के निदेशक डॉ. अमिताभ पांडे ने किया। बाल अधिकार वेधशाला द्वारा एक सत्र का पालन किया गया, जिसके बाद छात्रों ने टाई-डाई कपड़ा कार्यशाला में हिस्सा लिया और एक संगीत शाम के साथ दिन का समापन किया।

- दिन 3: बुनाई और डिज़ाइन टॉक:

छात्रों को करघा बेसिक्स, बुनाई तकनीक और पिक्सल आधारित डिज़ाइन सोच से परिचित कराया गया। एक चंदेरी मास्टर बुनकर ने पारंपरिक बुनाई पैटर्न का प्रदर्शन किया, और विरासत शिल्प प्रथाओं की जानकारी प्रदान की ।

- दिन 4: मिट्टी और मिट्टी के बर्तन कार्यशाला:

एनआईडी एमपी संकाय के नेतृत्व में, इस सत्र ने प्रतिभागियों को मिट्टी की मॉडलिंग और मिट्टी के बर्तनों की तकनीकों से परिचित कराया, जिससे उनकी स्पर्श और स्थानिक डिज़ाइन क्षमताओं में वृद्धि हुई।

- दिन 5: मॉडल-निर्माण और प्रेरक वार्ता:

व्यक्तिगत मॉडल-मेकिंग सत्र के बाद श्री कृष्ण बिरमान की एक प्रेरणादायक बातचीत हुई, जिसकी थीम अर्न योरसेल्फ (खोजना, स्वीकार करना, फिर से परिभाषित करना, खुद को पोषित करना), आत्म-प्रतिबिंब और रचनात्मक विश्वास को प्रोत्साहित करना।

- दिन 6: सुलेख और समापन समारोह

डॉ. शेखर चटर्जी द्वारा आयोजित एक सुलेख कार्यशाला ने छात्रों को अपने पत्र और दृश्य संचार कौशल को परिष्कृत करने में मदद की। समापन समारोह में एक छात्र प्रदर्शनी, प्रमाण पत्र वितरण और समृद्ध सप्ताह भर की यात्रा पर चिंतन शामिल थे।

वीथि संकुल
VEETHI SANKUL

DESIGN
SHIVIR
2.0

7.21 रचनात्मक वर्कशॉप 2024 - स्कूली कला शिक्षकों के लिए एक रचनात्मक कार्यशाला:

संस्थान ने इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी, एमओई) और आर्ट डिज़ाइन टीचर्स फोरम, भोपाल के सहयोग से चार दिवसीय 28 मई 2024 से 31 मई 2024 तक रचनात्मक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका शीर्षक रचनात्मक कार्यक्रम 2024 था। इस पहल को विशेष रूप से स्कूली कला शिक्षकों के लिए तैयार किया गया था, जिसका उद्देश्य डिज़ाइन की उनकी समझ को समृद्ध करना और उन्हें कक्षा एकीकरण के लिए नवीन उपकरणों से लैस करना था। इस कार्यक्रम में पच्चीस शिक्षकों ने भाग लिया।

डॉ. शबरीधरन, श्री राहुल साहनी और डॉ. राकेश विधाते द्वारा आयोजित कार्यशाला का प्राथमिक शिक्षा में डिज़ाइन की भूमिका और शैक्षणिक स्तरों पर डिज़ाइन सोच को संपुटन करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा के साथ हुआ।

दिनवार मुख्य अंश:

दिन 1: शिक्षा में डिज़ाइन की नींव:

- डिज़ाइन के इतिहास और विकास पर सत्र
- छात्रों के बीच रचनात्मकता, नवाचार और समस्या-समाधान को बढ़ावा देने के लिए कक्षाओं में डिज़ाइन सोच को लागू करने पर एक व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

दिन 2: कला के माध्यम से सौंदर्यशास्त्र और कल्याण:

- सौंदर्यशास्त्र, बच्चों के अनुकूल डिज़ाइन और कल्याण पर कला के प्रभाव पर विशेषज्ञ वार्ता
- सहभागियों की नवीन कला शिक्षा पद्धतियों की समझ को गहरा करने के लिए अंत:क्रियात्मक कार्यशालाएँ और प्रयोगशाला भ्रमण।

दिन 3: रचनात्मकता और अपरंपरागत सोच:

- रचनात्मकता और अपरंपरागत सोच के बीच संबंध की खोज
- डिज़ाइन के सिद्धांतों और चुनौतियों पर सत्र, कलात्मक नवाचार और व्यावहारिक समस्या-समाधान के संतुलित दृष्टिकोण की पेशकश के गयी ।

दिन 4: डिज़ाइन और सहयोगी समापन में करियर

- डिज़ाइन में कैरियर के अवसरों पर चर्चा
- एक पुस्तक पठन सत्र और एक प्रदर्शनी का दौरा
- एक संयुक्त समापन समारोह जिसमें रचनात्मक कार्यक्रम 2024 और डिज़ाइन शिवीर 2.0 दोनों के सफल समापन का समारोह मनाया गया।

7.22 मध्य प्रदेश डिज़ाइन उत्सव (एमपीडीयू):

मध्य प्रदेश डिज़ाइन उत्सव (एमपीडीयू) 2025 एनआईडी एमपी परिसर में 20-22 फरवरी 2025 से आयोजित रचनात्मकता, डिज़ाइन और संस्कृति का तीन दिवसीय उत्सव था। निदेशक डॉ. विद्या राकेश द्वारा उद्घाटन के उपरांत मध्य प्रदेश डिज़ाइन उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया।

माननीय निदेशक डॉ. विद्या राकेश और सम्मानित सदस्यों ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुभ शुरुआत के अवसर पर दीप प्रज्वलित किया

प्रमुख आयोजन का सारांश:

- रचनात्मक कार्यशालाएं: लगभग 300 स्कूल के छात्रों ने संकाय और छात्रों द्वारा निर्देशित ब्लॉक प्रिंटिंग, क्ले मॉडलिंग, कठपुतली और आभूषण निर्माण को कवर करने वाली कार्यशालाओं में भाग लिया।
- छात्र स्टॉल: एनआईडी परिसर में छात्रों ने हस्तनिर्मित सामान, भोजन और रचनात्मक सामग्री के माध्यम से स्टॉल लगा कर अपनी उद्यमशीलता की भावना का प्रदर्शन किया।
- फैशन शो: अद्वैत 2025: एक शानदार शो जिसमें "जेंटलमेन्स स्ट्राइड," "ब्रीजी अफेयर्स" (रिसॉर्ट वियर), एक धारीदार संग्रह, और "रूज रॉयल" (भारतीय पहनना) जैसे विविध संग्रह शामिल हैं, जिसका समापन "सुहागन" थीम के साथ हुई, जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है।
- सांस्कृतिक प्रदर्शन: छात्रों ने "विचित्र चित्र" (एक हास्य संस्कृत नाटक), विविध नृत्य रूप (कथक, शास्त्रीय संलय, हिप-हॉप) और मूल संगीत रचनाओं सहित प्रदर्शन की एक समृद्ध श्रृंखला प्रस्तुत की।
- कला प्रतिष्ठान: छात्रों ने "प्रकृति की ध्वनि," "एंट-फिनिटी" (सेलेब्रेटिंग टीमवर्क), और "लोटा इंस्टॉलेशन" (एनआईडी की विरासत का सम्मान) जैसे विचारोत्तेजक प्रतिष्ठान बनाए।
- ओपन एमआईसी: कविता, शयारी और महाभारत प्रेरित छंदों के माध्यम से भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक मंच का आयोजन किया गया ।
- गेम्स एंड टैलेंट शो: "गेस करेंगे हम" (एक अनुमान खेल) और "ब्रॉज गॉट टैलेंट " ने मनोरंजन प्रदान किया और छात्रों को अनूठी क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया।
- खेल कार्यक्रम: अंतर-कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं में फुटबॉल, वॉलीबॉल, शतरंज, टेबल टेनिस और बास्केटबॉल के खेल का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल और एलएनसीटी के छात्रों ने भाग लिया।
- समापन समारोह: उत्सव का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों की सहयोग भावना और प्रयासों के प्रसस्त्री पत्र प्रदान किए गए।

समारोह के बाद मधुर गायन से लेकर शास्त्रीय नृत्यों तक आत्मीय प्रदर्शन किया गया।

निदेशक डॉ. विद्या राकेश एवं सम्मानित सदस्यों ने तीन दिवसीय कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर दीप प्रज्वलित किया।

7.23 हथकरघा दविस:

5-7 अगस्त 2024 तक एनआईडी मध्य प्रदेश में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम, थ्रेड्स ऑफ आइडेंटिटी 2.0, ने भारत की समृद्ध हथकरघा और शिल्प परंपराओं का जश्न मनाया। इस कार्यक्रम ने मध्य प्रदेश और पड़ोसी क्षेत्रों के 10 शिल्प समूहों को एक साथ लाया, जिसमें उनके अद्वितीय कौशल, तकनीकी और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया गया।

प्रमुख गतिविधियों में डिजिटल उपकरणों, सोशल मीडिया मार्केटिंग, पैकेजिंग और बाजार की तैयारी पर कार्यशालाएं शामिल थीं, कौशल विनिमय सत्र, लाइव शिल्प प्रदर्शन, और बातचीत के माध्यम से कारीगरों ने अपनी व्यक्तिगत यात्राएं साझा की। एक विशेष प्रदर्शनी में छात्रों के कार्य, क्यूरेटेड पुस्तकों के साथ लेख और शिल्प उत्पाद प्रदर्शित किए गए। भाग लेने वाले हथकरघा और शिल्पों में बागरू ब्लॉक प्रिंटिंग, चंदेरी बुनाई, माहेश्वरी बुनाई, वारासिवनी बुनाई, जरी जरदोजी, बांस शिल्प, टेराकोटा शिल्प, डरी बुनाई और खादी बुनाई शामिल हैं।

इस कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर कारीगरों के योगदान के लिए सम्मान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईजीआरएमएस के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे थे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में अखिल भारतीय कारीगर और शिल्पकार कल्याण संघ का प्रतिनिधित्व करने वाली एआईएसीए की निदेशक सुश्री मीनू चोपड़ा शामिल थीं। इस कार्यक्रम का समन्वय और आयोजन सुश्री श्रुति निगम, संकाय (फाउंडेशन स्टडीज) और सुश्री सोनल वंजारे, संकाय (कपड़ा और परिधान डिज़ाइन), एनआईडी एमपी द्वारा किया गया था। धागा एक पहचान 2.0 कार्यक्रम में धागा अपनी समकालीन कौशल-निर्माण के साथ विरासत उत्सव को सफलतापूर्वक मिश्रित किया, जिससे आज की दुनिया में शिल्प के मूल्य को मजबूत किया गया।

7.24 राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों का विवरण:

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिन-प्रतिदिन के आधिकारिक कार्य में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देशों के अनुरूप, 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर संस्थान में एक 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन किया गया, जिसके दौरान निबंध लेखन, नोटिंग लेखन, कविता पाठ, पोस्टर बनाने और प्रश्नोत्तरी जैसी साहित्यिक प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई। कर्मचारियों और छात्रों ने इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो दिन-प्रतिदिन के आधिकारिक संचार में हिंदी के प्रोत्साहन और उपयोग में वृद्धि के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

गतिविधियाँ:

आधिकारिक कार्य में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान ने 20 से 27 सितंबर 2024 तक एक सप्ताह के हिंदी पखवाड़ा के साथ हिंदी दिवस मनाया। कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों, हाउसकीपिंग स्टाफ और छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया:

1. हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता: 20 और 21 सितंबर 2024 को, संस्थान ने हिंदी पखवाड़ा समारोह के हिस्से के रूप में एक हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह कार्यक्रम संस्थान के जनशक्ति, सुरक्षाकर्मियों और हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए खुला था, जिनमें से सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
2. हिंदी कार्यालय आदेश प्रतियोगिता: 20 सितंबर 2024 को, संस्थान ने आधिकारिक कार्य में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ सभी कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यालय आदेश प्रतियोगिता का आयोजन किया।
3. हिंदी नोटिंग लेखन प्रतियोगिता: 24 सितंबर 2024 को, संस्थान ने आधिकारिक कार्य में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए उत्साही भागीदारी के साथ सभी कर्मचारियों के लिए हिंदी नोटिंग लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।
4. हिंदी टंकण प्रतियोगिता: हिंदी पखवाड़ा के हिस्से के रूप में, 25 सितंबर 2024 को, संस्थान ने सभी कर्मचारियों के लिए हिंदी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसका उद्देश्य आधिकारिक काम में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देना था।
5. राजभाषा प्रश्नोत्तरी: ज्ञान को बढ़ाने और हिंदी भाषा के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए, संस्थान के सभी कर्मचारियों के लिए 26 सितंबर 2024 को एक हिंदी राजभाषा प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।
6. छात्रों के लिए हिंदी ओएम लेखन प्रतियोगिता: हिंदी पखवाड़ा के हिस्से के रूप में, संस्थान ने छात्रों के लिए एक हिंदी ओएम लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिससे उन्हें हिंदी में अपनी दक्षता और रचनात्मक अभिव्यक्ति बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

7.25 बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पर कार्यशाला:

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (एनआईडी एमपी) के आईपीआर सेल ने राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी), नई दिल्ली के सहयोग से 22 नवंबर 2024 को बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पर एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

सत्र का उद्देश्य संकाय सदस्यों, तकनीकी कर्मचारियों और प्रशासनिक सेवाओं के प्रमुखों को बौद्धिक संपदा के संरक्षण और व्यावसायीकरण में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान एवं आईपीआर के प्रावधानों से अवगत करना था ।

कार्यशाला में एनआरडीसी के वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. संजीव कुमार मजूमदार ने एक रोचक सत्र का संचालन किया। इस सत्र में उन्होंने बौद्धिक संपदा प्रबंधन की जटिलताओं और नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रतिभागियों ने सत्र के व्यावहारिक दृष्टिकोण की सराहना की, जिसने रचनात्मक समाधान और तकनीकी विकास को आगे बढ़ाने के लिए आईपीआर के प्रभावी उपयोग पर उपयोगी ज्ञान प्रदान किया।

8

मानव संसाधन विकास और परिसर अवसंरचना

8.1 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश के पदों की स्थिति:

वेतन स्तर	वेतनमान (₹)	पदनाम	कर्मचारियों की संख्या
वेतनमान स्तर 14	1,44,200-2,18,200	निदेशक	01
वेतनमान स्तर 13	1,23,100 - 2,15,900	प्रिंसिपल डिज़ाइनर (प्रोफेसर),	0
		रजिस्ट्रार	01
वेतनमान स्तर -12	78,000 - 2,09,200	वरिष्ठ डिज़ाइनर (एसोसिएट प्रोफेसर), वित्त और लेखा नियंत्रक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	04
वेतनमान स्तर -11	67,700 - 2,08,700	एसोसिएट सीनियर डिज़ाइनर (असिस्टेंट प्रोफेसर), प्रधान तकनीकी प्रशिक्षक, उप पंजीयक, हेड लाइब्रेरियन/रिसोर्स सेंटर	08
वेतनमान स्तर -10	56,100-1,77,500	वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक, डिज़ाइनर/संकाय, वरिष्ठ डिज़ाइन प्रशिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता (एलबीएम)	13
वेतनमान स्तर -7	44,900 - 1,42,000	वरिष्ठ सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, वरिष्ठ अधीक्षक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, प्रमुख सुरक्षा सेवाएं, एसोसिएट सीनियर टेक्निकल इंस्ट्रक्टर, एसोसिएट सीनियर डिज़ाइन इंस्ट्रक्टर, उप अभियंता (विद्युत), सहायक अभियंता (सिवल)	09
वेतनमान स्तर -6	35,400-1,12,400	अधीक्षक, वरिष्ठ सहायक, डिज़ाइन प्रशिक्षक, तकनीकी प्रशिक्षक, सहायक अभियंता (आईटी)	06
वेतनमान स्तर -5	29,200 - 92,300	वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक, वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/स्टूडियो), वार्डन्स, पर्यवेक्षक (विद्युत/सुरक्षा), तकनीकी सहायक	07
वेतनमान स्तर -4	25,500 - 81,100	सहायक (खाते/प्रशासक/पुस्तकालय)	02

8.2 सभी कर्मचारियों की सूची:

संस्थान के कर्मचारियों की कुल संख्या (31.03.2025 तक):

क्र.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	विभाग
1	डॉ. विद्या राकेश,	निदेशक	संस्थान प्रमुख
2	श्री प्रमोद कुमार मार्शल	एसोसिएट सीनियर फैकल्टी	संचार डिज़ाइन
3	डॉ. सेतु शर्मा	फैकल्टी/डिज़ाइनर	संचार डिज़ाइन
4	सुश्री नीतिका देवगन	सीनियर फैकल्टी	फाउंडेशन अध्ययन
5	डॉ. (श्रीमती) सुकन्या बोर सैकिया	एसोसिएट सीनियर फैकल्टी	औद्योगिक डिज़ाइन
6	सुश्री लुब्ना सैफी	फैकल्टी/डिज़ाइनर	वस्त्र एवं परिधान डिज़ाइन
7	डॉ. शिखा अग्रवाल	एसोसिएट सीनियर फैकल्टी	औद्योगिक डिज़ाइन
8	श्री अनिल भास्कर	फैकल्टी/डिज़ाइनर	औद्योगिक डिज़ाइन
9	श्री अमित कुमार गहलोत	सीनियर फैकल्टी	फाउंडेशन अध्ययन
10	डॉ. शेखर चटर्जी	सीनियर फैकल्टी	वस्त्र एवं परिधान डिज़ाइन
11	श्रीमती अदिति शर्मा	संकाय/डिज़ाइनर	फाउंडेशन अध्ययन
12	डॉ. राकेश केशवराव विधाते	वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक	औद्योगिक डिज़ाइन
13	श्री राहुल साहनी	प्रधान तकनीकी अनुदेशक	औद्योगिक डिज़ाइन
14	श्रीमती ज्योति पाल	फैकल्टी/डिज़ाइनर	वस्त्र एवं परिधान डिज़ाइन
15	सुश्री सोनल वंजारे	फैकल्टी/डिज़ाइनर	वस्त्र एवं परिधान डिज़ाइन
16	डॉ. शबरीधरन	प्रधान तकनीकी प्रशिक्षक	वस्त्र एवं परिधान डिज़ाइन
17	श्रीमती श्रुति निगम	फैकल्टी/डिज़ाइनर	वस्त्र एवं परिधान डिज़ाइन
18	श्री संदीप कुमार जायसवाल	फैकल्टी/डिज़ाइनर	फाउंडेशन अध्ययन
19	श्री मयंक शर्मा	वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक	संचार डिज़ाइन
20	डॉ. स्वाति व्यास	एसोसिएट सीनियर फैकल्टी	वस्त्र एवं परिधान डिज़ाइन
21	डॉ. सुदीप शर्मा	प्रमुख पुस्तकालयाध्यक्ष	प्रशासन
22	श्री नीरज तहिलियानी	वित्त नियंत्रक एवं लेखा	प्रशासन
23	श्री निपेंद्र नायक	वरिष्ठ अभियंता (भूमि, भवन और रखरखाव)	प्रशासन और संपदा
24	श्री राजेश कुमार सैनी	प्रशासनिक अधिकारी	प्रशासन
25	श्री रोहित सड़ैया	वरिष्ठ खाता अधिकारी	प्रशासन
26	श्री राम सिंह यादव	सुरक्षा सेवा प्रमुख	प्रशासन
27	सुश्री सिमी मैथ्यू	वरिष्ठ अधीक्षक (लेखा)	प्रशासन
27	श्री शैलेंद्र ओझा	तकनीकी प्रशिक्षक	औद्योगिक डिज़ाइन
29	श्री पिंटू सिंह	तकनीकी अनुदेशक	वस्त्र एवं परिधान डिज़ाइन
30	श्री आदित्य शांडिल्य	अधीक्षक	प्रशासन
31	श्री राम प्रसाद विश्वकर्मा	वॉर्डन	प्रशासन
32	श्री निशांत कुमार	वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/स्टूडियो)	प्रशासन
33	श्री कार्तिक कुमार साहू	वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/स्टूडियो)	प्रशासन
34	श्री नितेश कुमार गुप्ता	वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक	प्रशासन
35	श्री सैयद असजाद अली	वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/स्टूडियो)	प्रशासन
36	श्री पवन कुमार गेहानी	वरिष्ठ सहायक (लेखा)	प्रशासन
37	श्री पुष्पेन्द्र यादव	वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/स्टूडियो)	प्रशासन
38	सुश्री शेजल दीवान	सहायक अभियंता (आईटी)	आईटी

39	डॉ. मोहित कुमार	उप कुलसचिव	प्रशासन
40	श्री श्रीकृष्ण बिरमान	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रशासन
41	श्री अंकित शर्मा	सहायक अभियंता (सिविल)	संपदा
42	श्री अंकित वर्मा	सहायक प्रशासनिक कार्यालय	प्रशासन
43	श्रीमती श्वेता प्रियदर्शनी	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	प्रशासन
44	श्री मुरली धर साहू	सहायक (खाते/प्रशासक)	प्रशासन
45	श्री समर भांगे	सहायक (पुस्तकालय/प्रशासन)	प्रशासन
46	श्री राहुल चक्रवर्ती	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	प्रशासन
47	श्री शशांक अग्रवाल	अधीक्षक	प्रशासन
48	श्री वैभव पाठक	सहायक वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक	संचार डिज़ाइन
49	श्री मनोज पवार	सहायक वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक	औद्योगिक डिज़ाइन
50	श्री मुर्तजा हुसैन	उप अभियंता	(इलेक्ट्रिकल) एस्टेट
51	सुश्री नेहा सिंह	वार्डन(फीमेल/केयरटेकर)	प्रशासन

8.3 संकाय और कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन विकास गतिविधियां:

1. सुश्री नीतिका देवगन, एनआईडी एमपी टीम का हिस्सा थीं, जिन्होंने 16 और 17 जनवरी 2025 को एनआईडी अहमदाबाद द्वारा आयोजित सभी चार एनआईडी के लिए एक अभिविन्यास कार्यशाला में भाग लिया था, नीतिका देवगन एवं उनकी टीम ने बाद में एनआईडी एमपी संकाय और कर्मचारियों को कार्यक्रम का सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें वहां पर हुए संवाद और सीख को साझा किया गया।
2. श्री आर.के. सैनी, प्रशासनिक अधिकारी ने आरटीआई अधिनियम में ज्ञान बढ़ाने के लिए सीपीआईओ और अपीलीय अधिकारियों के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम पर आई आई एस टी डी, लेह में 11 अप्रैल 2024 से 13 अप्रैल 2024 तक 03 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
3. श्री नीरज तहिलियानी, सीएफए ने आरटीआई अधिनियम में ज्ञान बढ़ाने के लिए सीपीआईओ और अपीलीय अधिकारियों के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम पर आई आई एस टी डी, लेह में 11 अप्रैल 2024 से 13 अप्रैल 2024 तक 03 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
4. श्री श्रीकृष्ण बिरमान, सीएओ ने आरटीआई अधिनियम में ज्ञान बढ़ाने के लिए सीपीआईओ और अपीलीय अधिकारियों के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम पर आई आई एस टी डी, लेह में 11 अप्रैल 2024 से 13 अप्रैल 2024 तक 03 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
5. सुश्री शेजल दीवान, एई (आईटी) ने ई-ऑफिस में ज्ञान बढ़ाने के लिए ई-ऑफिस पर कार्यशाला पर आई एस टी एम, दिल्ली में 06 मई 2024 से 07 मई 2024 तक 02 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
6. श्री निपेंद्र नायक, वरिष्ठ इंजीनियर ने साइबर सुरक्षा में ज्ञान बढ़ाने के लिए सीआईएसओ डीप डाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में 27 मई 2024 से 31 मई 2024 तक 05 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
7. श्री नीरज तहिलियानी, सीएफए ने वेतन निर्धारण में ज्ञान बढ़ाने के लिए 10 जून 2024 से 12 जून 2024 तक आई एस टी एम द्वारा आयोजित वेतन निर्धारण पर 03 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
8. श्री आर.के. सैनी, प्रशासनिक अधिकारी ने वेतन निर्धारण में ज्ञान बढ़ाने के लिए 10 जून 2024 से 12 जून 2024 तक आई एस टी एम द्वारा आयोजित वेतन निर्धारण पर 03 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
9. श्री रोहित सड़ैया, एसएओ ने वेतन निर्धारण में ज्ञान बढ़ाने के लिए 10 जून 2024 से 12 जून 2024 तक आई एस टी एम द्वारा आयोजित वेतन निर्धारण पर 03 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
10. सुश्री सिमी मैथ्यू, एसआर अधीक्षक ने वेतन निर्धारण में ज्ञान बढ़ाने के लिए 10 जून 2024 से 12 जून 2024 तक आई एस टी एम द्वारा आयोजित वेतन निर्धारण पर 03 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
11. श्री आरके सैनी, प्रशासनिक अधिकारी ने आरटीआई में ज्ञान बढ़ाने के लिए 30 अगस्त 2024 को आई एस टी एम द्वारा आयोजित आरटीआई पर 01 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
12. श्री नीरज तहिलियानी, सीएफए ने 30 अगस्त 2024 तक आई एस टी एम द्वारा आयोजित आरटीआई पर 01 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
13. श्री श्रीकृष्ण बिरमान, सीएओ ने 30.08.2024 को आई एस टी एम द्वारा आयोजित आरटीआई पर 01 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
14. श्री आरके सैनी, प्रशासनिक अधिकारी ने सेवाओं में आरक्षण में ज्ञान बढ़ाने के लिए एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/ईएसएम/पीडब्ल्यूडी के लिए सेवाओं में आरक्षण पर आईएसटीएम, दिल्ली में 16 सितंबर 2024 से 19 सितंबर 2024 तक 04 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
15. डॉ. मोहित कुमार, उप कुलसचिव ने 23 सितंबर 2024 को आई एस टी एम द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों पर जांच के संचालन पर कार्यशाला में 01 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

16. श्री पुष्पेन्द्र यादव, वरिष्ठ सहायक ने नोटिंग और ड्राफ्टिंग पर आई एस टी एम, दिल्ली में 02 सितंबर 2024 से 03 सितंबर 2024 तक 02 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
17. श्री कार्तिक साहू, वरिष्ठ सहायक ने नोटिंग और ड्राफ्टिंग पर आईएसटीएम, दिल्ली में 02 सितंबर 2024 से 03 सितंबर 2024 तक 02 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
18. सुश्री शेजल दीवान, एई (आईटी) ने साइबर सुरक्षा में ज्ञान बढ़ाने के लिए सीआईएसओ साइबर सुरक्षा कार्यशाला पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में 18 सितंबर 2024 को 01 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
19. सुश्री सुव्रता यादव, संकाय ने 27 सितंबर 2024 को एक जिला एक उत्पाद की योजना में ज्ञान बढ़ाने के लिए ओडीओपी कॉन्क्लेव पर सागर, मध्य प्रदेश में 01 दिवसीय के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
20. श्री अमित कुमार गहलोत, वरिष्ठ संकाय ने 27 सितंबर 2024 को एक जिला एक उत्पाद की योजना में ज्ञान बढ़ाने के लिए ओडीओपी कॉन्क्लेव पर सागर, मध्य प्रदेश में 01 दिवसीय के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
21. श्री श्रीकृष्ण बिरमान, सीएओ ने अनुभवात्मक शिक्षण उपकरणों पर 21 अक्टूबर 2024 से 25 अक्टूबर 2024 तक आईएसटीएम, दिल्ली में 05 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
22. श्री आर.के. सैनी, प्रशासनिक अधिकारी ने शिकायत निवारण में ज्ञान बढ़ाने के लिए सीवीओ/वीओ पर आईएसटीएम, दिल्ली में 10 फरवरी 2025 से 14 फरवरी 2025 तक 05 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
23. श्री निपेंद्र नायक, वरिष्ठ इंजीनियर ने साइबर सुरक्षा में ज्ञान बढ़ाने के लिए साइबर स्वच्छता प्रथाओं पर वेबिनार पर 11 फरवरी 2025 को 01 दिन के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
24. सुश्री नीतिका देवगन, वरिष्ठ संकाय ने संकाय विकास में ज्ञान बढ़ाने के लिए प्रभावशाली नेतृत्व के निर्माण पर भविष्य के नेतृत्व कार्यक्रम (एनएफएलपी) का पोषण करने पर आईआरएमए, आनंद, गुजरात में 03 मार्च 2025 से 07 मार्च 2025 तक 05 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
25. श्री अमित के गहलोत, वरिष्ठ संकाय ने संकाय विकास में ज्ञान बढ़ाने के लिए प्रभावशाली नेतृत्व के निर्माण पर भविष्य के नेतृत्व कार्यक्रम (एनएफएलपी) का पोषण करने पर आईआरएमए, आनंद, गुजरात में 03 मार्च 2025 से 07 मार्च 2025 तक 05 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
26. श्री शैलेन्द्र ओझा, तकनीकी प्रशिक्षक ने औद्योगिक डिज़ाइन में ज्ञान बढ़ाने के लिए इंडियावुड 2025 पर ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट (आईईएमएल) में 09 मार्च 2025 को 01 दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
27. श्री मनोज पवार, वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक ने औद्योगिक डिज़ाइन में ज्ञान बढ़ाने के लिए इंडियावुड 2025 पर ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट (आईईएमएल) में 09 मार्च 2025 को 01 दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
28. डॉ. शबरीधरन, पीटीआई ने संकाय विकास में अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए नवाचार और उद्यमिता पर एफडीपी पर एआईसी-आरएनटीयू फाउंडेशन, भोपाल में 17 मार्च 2025 से 22 मार्च 2025 तक 06 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
29. डॉ. आर के विधाते, एसटीआई ने संकाय विकास में अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए नवाचार और उद्यमिता पर एफडीपी पर एआईसी-आरएनटीयू फाउंडेशन, भोपाल में 17 मार्च 2025 से 22 मार्च 2025 तक 06 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

8.4 परिसर और बुनियादी ढांचा:

एनआईडी एमपी अपने असाधारण परिसर और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए जाना जाता है, जो डिज़ाइन शिक्षा के क्षेत्र में कुछ सबसे उन्नत शिक्षण सुविधाओं की पेशकश करता है। भोपाल में अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र के समीप स्थित, हमारा परिसर विंध्यांचल पहाड़ियों की पृष्ठभूमि में 29.49 एकड़ में फैला हुआ है।

उपलब्ध सुविधाओं के बारे में एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

- **प्रशासनिक भवन:**

प्रशासनिक ब्लॉक संस्थान के प्रशासनिक कार्यों के लिए केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो छात्रों और कर्मचारियों दोनों को व्यापक सहायता प्रदान करता है। इस ब्लॉक के भीतर, कई महत्वपूर्ण कार्यालय रखे गए हैं, प्रत्येक संस्थान के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

- **शैक्षणिक भवन:**

अकादमिक ब्लॉक में कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, स्टूडियो और संकाय कार्यालयों को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किए गए बहुमुखी स्थान हैं। ब्लॉक में शैक्षणिक और रचनात्मक जरूरतों की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा करने के लिए एक परिधान निर्माण प्रयोगशाला, ग्राफिक स्टूडियो, साउंड रिकॉर्डिंग स्टूडियो और फोटोग्राफी स्टूडियो सहित विशेष सुविधाएं शामिल हैं।

- **कार्यशाला ब्लॉक:**

कार्यशाला ब्लॉक हमारे परिसर की आधारशिला के रूप में कार्य करता है, जो रचनात्मकता और नवाचार के लिए एक आश्रय प्रदान करता है। जो कि हमारी विशिष्ट धाराओं के अनुरूप सावधानीपूर्वक डिज़ाइन की गई समर्पित कार्यशालाएं, हमारे छात्रों की विविध जरूरतों को पूरा करती हैं, और उनकी प्रतिभा को बढ़ावा देती हैं। सिरेमिक कार्य, क्ले मॉडलिंग, वुड क्राफ्टिंग और धातु निर्माण के लिए विशेष सुविधाएं हैं। यहां, छात्रों के पास अपने रचनात्मक दृष्टिकोणों को मूर्त, कार्यात्मक और सौंदर्यवादी रूप से सुखद डिज़ाइनों में बदलने के लिए स्थान और उपकरण हैं। कपड़ा और परिधान डिज़ाइन स्ट्रीम के लिए, यह रचनात्मकता और शिल्प कौशल का एक केंद्र प्रदान करता है। हमारी कार्यशालाओं में मुद्रण और रंगाई, पैटर्न बनाने और करघा बुनाई के लिए आवश्यक उपकरण और उपकरण शामिल हैं। छात्रों के पास कपड़े और फैशन की दुनिया का पता लगाने का अवसर है, जो आश्चर्यजनक कपड़ा और परिधान डिज़ाइन बनाने के लिए अपने कौशल का सम्मान करते हैं।

- **ज्ञान प्रबंधन केंद्र (केएमसी):**

ज्ञान प्रबंधन केंद्र (केएमसी) संस्थान के अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका मुख्य कार्य संकाय सदस्यों और छात्रों को सिखाने वाले संसाधनों की पहचान, मूल्यांकन, खरीद, प्रक्रिया और प्रसार करना है, जिससे उनकी शिक्षण, सीखने और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाया जा सके।

ज्ञान प्रबंधन केंद्र का आधुनिक बुनियादी ढांचा और प्रौद्योगिकी:

एनआईडी एमपी केएमसी को आधुनिक मानकों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें पूरी तरह से वातानुकूलित और कम्प्यूटरीकृत और स्वचालित वातावरण शामिल है।

- पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस): केएमसी कुशल हाउसकीपिंग संचालन के लिए एक खुले स्रोत सॉफ्टवेयर कोहा-एल एम एस का उपयोग कर रहा है।
- संस्थागत भंडार (आईआर): केएमसी संस्थागत डिजिटल भंडार विकसित करने के लिए एक ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर डीस्पेस का उपयोग कर रहा है। इस डिजिटल भंडार को संस्थान के शैक्षिक, अनुसंधान और बौद्धिक उत्पादन को एकत्र, संरक्षित और करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें विभागीय मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी), प्रक्रियात्मक मैनुअल, फोटो गैलरी, समाचार पत्र क्लिपिंग और छात्र और संकाय दोनों उपलब्धियां शामिल हैं।
- एर्गोनॉमिक्स: एक आरामदायक शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अंतरिक्ष एर्गोनोमिक रूप से डिज़ाइन किए गए फर्नीचर और फिक्स्चर से सुसज्जित है।
- आरएफआईडी तकनीक का कार्यान्वयन उपयोगकर्ताओं को पुस्तकों का परिचालन सप्ताह के दिनों में सुबह 9:00 बजे से मध्यरात्रि 12:00 बजे तक खुला रहता है, एवं छात्रों की स्वयं सेल्फ चेक आउट व बुक ड्राप बॉक्स के माध्यम से पुस्तकों को इशू व वापस करने की सुविधा प्रदान करता है।

डिजिटल संसाधन और रिमोट एक्सेस:

केएमसी की वेबसाइट और पोर्टल पूरे संस्थान समुदाय की सूचना जरूरतों को पूरा करने के लिए सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करते हैं। केएमसी रिमोट एक्सेस और डिस्कवरी सेवाएं प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ता परिसर के वातावरण के अंदर और बाहर दोनों जगह 24/7 संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं।

रिफ्रेड प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप द्वारा संचालित एनआईडी एमपी केंद्रीय डिजिटल संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो सभी सब्सक्राइब संसाधनों तक पहुंचने के लिए एक सुव्यवस्थित अनुभव प्रदान करता है।

उपयोगकर्ता-अनुकूल मोबाइल एक्सेस:

एनआईडी एमपी e -लाइब्रेरी मोबाइल ऐप आईओएस और एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। ऐप को उपयोग में आसानी के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे छात्रों और संकाय सदस्यों को किसी भी समय और कहीं भी अपने मोबाइल से सीधे लाइब्रेरी के हजारों ई-संसाधनों तक आसानी से पहुंचने की अनुमति मिलती है।

व्यापक संग्रह:

केएमसी के संग्रह में डिज़ाइन और संबंधित क्षेत्रों से संबंधित मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की एक विशाल श्रृंखला शामिल है, जैसे:

- ई-बुक्स, ई-डेटाबेस, ई-जर्नल, और ई-पत्रिकाएं, रुझान और पूर्वानुमान
- ऑडियोबुक और विशेष दृश्य पुस्तकालय।

रिसोर्स टाइप	सामग्री/विवरण	वॉल्यूम
मुद्रित पुस्तकें	ग्रंथों का भौतिक संग्रह और संदर्भ	5,415
शैक्षिक उपयोग के लिए ऑडियो विजुअल मटेरियल	(DVDs)	414
ई-बुक्स	स्रोत संग्रह खोलें	5,000+
ई-पत्रिकाएं	मगज़टेर के माध्यम से सब्सक्रिप्शन	5,000+
पत्रिकाएँ (ओनोस)	विद्वतापूर्ण लेखों के लिए ऑनलाइन सदस्यता	13,000+
डिजिटल लाइब्रेरी.	राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी तक पहुंच	44,781,385 दस्तावेज़
विद्वानों का अभिलेखागार	ई-एशियाई अभिलेखागार और लेख	-
कला और दृश्य	पुस्तकालयब्लूम्सबरी कला और दृश्य डिज़ाइन ई-पुस्तकालय	1100 + ईबुक
रुझान और पूर्वानुमान	WGSN (फैशन, अंतर्दृष्टि, आंतरिक और उपभोक्ता तकनीक)	-
मनोरंजन/लर्निंग	नेटफ्लिक्स और मुबी प्लेटफॉर्म तक पहुंच	-

- **एम्फीथिएटर:**

सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और बाहरी प्रदर्शनों के लिए उपयोग किया जाने वाला एक बहुमुखी स्थान, जो रचनात्मकता और सहयोग के लिए एक गतिशील वातावरण को बढ़ावा देता है। यह इंटरैक्टिव लर्निंग, संचार कौशल को बढ़ाता है, और प्रभावी समूह जुड़ाव की अनुमति देता है। इसके अतिरिक्त, इसका डिज़ाइन समुदाय की भावना को प्रोत्साहित करता है, जो सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक साझा स्थान प्रदान करता है।

- **ऑडिटोरियम:**

शैक्षणिक और रचनात्मक चर्चाओं के लिए एक केंद्रीय स्थान के रूप में, सभागार प्रतिभा को पोषित करने, ज्ञान साझा करने और समुदाय की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जहां डिज़ाइन अवधारणाएं जीवन में आती हैं, और जहां डिज़ाइनरों की अगली पीढ़ी आकार लेती है। चाहे वह एक प्रसिद्ध डिज़ाइन दिग्गज द्वारा विचारोत्तेजक व्याख्यान हो, अभिनव छात्र परियोजनाओं का प्रदर्शन हो, या डिज़ाइन की विविधता का जश्न मनाने वाला एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हो, हमारा सभागार प्रेरणा, सीखने और सहयोग का केंद्र है। यह एक ऐसा स्थान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है जहां डिज़ाइन की दुनिया जीवित आती है, और जहां डिज़ाइन के भविष्य की कल्पना और जश्न मनाया जाता है।

- **छात्रावास ब्लॉक (लड़के और लड़कियां):**

एनआईडी एमपी के छात्रावास छात्रों को एक सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक जीवन वातावरण प्रदान करते हैं। वे समुदाय की भावना को बढ़ावा देते हैं, विविध पृष्ठभूमि और संस्कृतियों के छात्रों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करते हैं। लड़कों और लड़कियों के छात्रावास पांच मंजिला संरचनाएं हैं जिनमें एकल और दोहरे अधिभोग कक्ष हैं, जिनमें से प्रत्येक में उच्च गति के इंटरनेट कनेक्टिविटी से सुसज्जित है। सुविधाओं में मनोरंजन कक्ष, इनडोर गेम, स्वचालित वाशिंग मशीन, आरओ जल आपूर्ति, सौर गीजर और विभिन्न अन्य सुविधाएं शामिल हैं।

- **छात्रों की मेस:**

एनआईडी एमपी में छात्रों की मेस एक गतिशील सामाजिक केंद्र के रूप में सामने आती है, जो छात्र समुदाय के बीच संबंधों और सौहार्द को बढ़ावा देती है। एक समय में 120 व्यक्तियों तक बैठने की विशाल क्षमता के साथ, केंद्रीय वातानुकूलित डाइनिंग हॉल छात्रों के लिए इकट्ठा करने, भोजन का आनंद लेने और सार्थक सामाजिक बातचीत में संलग्न होने के लिए एक स्वागत योग्य स्थान के रूप में कार्य करता है। विचारपूर्वक डिज़ाइन किया गया लेआउट समुदाय की भावना को प्रोत्साहित करता है, जो छात्रों को स्थायी मित्रता और संबंध बनाने के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। एनआईडी म. प्र ने आधुनिक रसोई उपकरणों और बर्तनों में निवेश किया है ताकि न केवल खाना पकाने और सेवारत प्रक्रियाओं की सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित की जा सके, बल्कि समग्र भोजन अनुभव को भी बढ़ाया जा सके।

- **आउटडोर खेल सुविधाएं:**

छात्र और स्टाफ समुदाय को शारीरिक गतिविधि और मनोरंजन के अवसर प्रदान करने के लिए, खेल सुविधाओं की एक श्रृंखला है, जो सक्रिय भागीदारी और एक स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करती है। जो निम्न प्रकार से है:

- **फुटबॉल फील्डः**

फुटबॉल क्षेत्र टीम वर्क का एक केंद्र है, जहां छात्र और कर्मचारी इस उत्साहवर्धक खेल को खेलने के लिए एक साथ आते हैं।

- **लॉन टेनिस कोर्ट:**

संस्था मे दो लॉन टेनिस के कोर्ट है, जिसमें छात्र टेनिस के खेल का आनंद ले सकते हैं।

- **वॉलीबॉल कोर्ट:**

दो वॉलीबॉल के कोर्ट छात्रों के मैत्रीपूर्ण मैचों के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करती हैं, हमारे समुदाय के सदस्यों के बीच सौहार्द और खेल भावना को बढ़ावा देती हैं।

- **बास्केटबॉल कोर्ट:**

बास्केटबॉल प्रेमियों के पास तेजी से और रोमांचक खेलों के लिए ये कोर्ट हैं। ये कोर्ट केवल मनोरंजन के लिए नहीं हैं, बल्कि किसी के बास्केटबॉल कौशल को बढ़ावा देने के लिए हैं।

- **क्रिकेट अभ्यास पिच:**

क्रिकेट के शौकीनों के लिए मैचों की तैयारी के लिए आदर्श मैदान है। ये आउटडोर खेल सुविधाएं सिर्फ शारीरिक गतिविधि के लिए जगहें नहीं हैं; ये ऐसे मैदान हैं जहाँ हमारे समुदाय के सदस्य एक साथ आ सकते हैं, रिश्ते बना सकते हैं, और बेहतरीन प्रदर्शन करने की ख्वाहिश रख सकते हैं।

- **बहु-सुविधा कायाकल्प केंद्र:**

मल्टी फैसिलिटी रिजुवेनेशन सेंटर (एमएफआरसी) संस्थान समुदाय के भीतर कल्याण और जीवन शक्ति की आधारशिला के रूप में खड़ा है, जो शारीरिक, सामाजिक और मानसिक कल्याण के पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एमएफआरसी एक अच्छी तरह से सुसज्जित जिम प्रदान करता है, जहां छात्र और निवासी अपनी ताकत, समग्र फिटनेस और कल्याण को बढ़ाने के लिए वर्कआउट में संलग्न होते हैं।

- **आवासीय क्षेत्र:**

संस्थान में विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 16 आवासीय विकल्प हैं, जिसमें एक कार्यकारी अतिथि गृह के रूप में कार्य करने वाली एक टाइप-V इकाई और कार्यस्थल सुविधा के लिए डिज़ाइन की गई 03 टाइप-II, 03 टाइप -III, 06 टाइप- IV और 04 टाइप- V आवास इकाइयों उपलब्ध है। आवासों की यह विविध श्रृंखला यह सुनिश्चित करती है कि कर्मचारियों के पास आवास विकल्प हैं जो उनकी प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। संस्थान बहुत जल्द प्रचलित दिशानिर्देशों के अनुसार 01 टाइप-VI इकाई का निर्माण शुरू कर देगा।

- **आईटी केंद्र:**

संस्थान में आईटी विभाग शैक्षिक, अनुसंधान और प्रशासनिक जरूरतों का समर्थन करने के लिए सुविधाओं और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। इनमें कैम्पस-वाइड वायर्ड और वायरलेस नेटवर्क कनेक्टिविटी के साथ उच्च-प्रदर्शन प्रणालियों और सॉफ्टवेयर के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर लैब शामिल हैं। संस्थान के पास अनुसंधान सहयोग और डिजिटल पहल को सक्षम करने के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट के लिए 1 जीबीपीएस एनकेएन लिंक भी है। सुरक्षा के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली और सीसीटीवी निगरानी के साथ विभाग द्वारा ईमेल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और इंटरकॉम जैसी संचार सेवाओं का प्रबंधन किया जाता है। विशेष सॉफ्टवेयर और उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग संसाधनों तक पहुंच के माध्यम से अनुसंधान सहायता की पेशकश की जाती है। इसके अतिरिक्त, आईटी टीम तकनीकी सहायता प्रदान करती है, नेटवर्क सुरक्षा और डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करती है, और संस्थान की वेबसाइट, ईआरपी और इंट्रानेट जैसी वेब सेवाओं का प्रबंधन करती है। वे सॉफ्टवेयर लाइसेंसिंग, हार्डवेयर खरीद को भी संभालते हैं, और शैक्षणिक और बजटीय आवश्यकताओं के अनुपालन को बनाए रखते हैं।

- **चिकित्सा केंद्र/कल्याण परामर्श:**

एनआईडी एमपी का चिकित्सा केंद्र छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए समग्र कल्याण ढांचे में एक आधारशिला के रूप में खड़ा है, जो उनके स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने और एक स्वस्थ परिसर वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आवश्यक चिकित्सा सेवाओं के प्रावधान से युक्त केंद्र चिकित्सा सलाह, सहायता, विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर सूचना प्रसार और स्वास्थ्य संवर्धन पहलों के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है।

संस्थान में समर्पित चिकित्सा कर्मचारी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के स्पेक्ट्रम को संभालने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है। वे तत्काल प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने, टीकाकरण करने और स्वास्थ्य जांच करने के लिए जिम्मेदार हैं। उपलब्ध चिकित्सा सहायता को बढ़ाने के लिए, संस्थान ने डेली विज़िट के आधार पर एक योग्य डॉक्टर को नियुक्त किया है, जो व्यापक चिकित्सा देखभाल तक नियमित पहुंच सुनिश्चित करता है।

स्वास्थ्य देखभाल के प्रति लैंगिक संवेदनशील दृष्टिकोण के महत्व को स्वीकार करते हुए, संस्थान ने पुरुष और महिला नर्सिंग सहायकों दोनों को नियुक्त किया है। ये पेशेवर नर्सिंग सहायक छात्रों और कर्मचारियों दोनों की विशिष्ट चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो अधिक समावेशी और सहायक स्वास्थ्य देखभाल वातावरण में योगदान देते हैं।

पारंपरिक चिकित्सा भूमिका से परे, चिकित्सा केंद्र स्वास्थ्य संवर्धन पहलों में संलग्न होकर सक्रिय रुख अपनाता है। यह निवारक उपायों, स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों और समग्र कल्याण के बारे में जानकारी का प्रसार करता है, जो एक परिसर संस्कृति के निर्माण में योगदान देता है जो स्वास्थ्य को महत्व देता है और प्राथमिकता देता है।

संक्षेप में, एनआईडी एमपी का चिकित्सा केंद्र न केवल चिकित्सा चिंताओं को दूर करने की एक सुविधा है, बल्कि एक व्यापक सहायता प्रणाली है जो अपने छात्रों और कर्मचारियों के समग्र विकास और कल्याण के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता के साथ संरेखित करती है। अपने बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से, केंद्र एक स्वस्थ, अधिक सूचित और लचीला परिसर समुदाय बनाने में योगदान देता है।

संस्थान ने विजिटिंग वेलनेस काउंसलर की सेवाओं को सूचीबद्ध करके अपने छात्रों की मानसिक भलाई को संबोधित करने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है। यह समर्पित पेशेवर छात्रों के साथ नियमित एक-से-एक सत्र आयोजित करता है, जो मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। परामर्शदाता की विशेषज्ञता छात्रों को उनकी भावनाओं के प्रबंधन, तनाव से निपटने, अवसाद के समाधान करने और चिंता और अन्य मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों से निपटने में सहायता करने में अमूल्य रही है। वह छात्रों का मार्गदर्शन करती है, उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सशक्त बनाती है। तत्काल चिंताओं को हल करने के अलावा, परामर्शदाता छात्रों के लचीलेपन, आत्म-जागरूकता और आत्म-सम्मान आवश्यक विशेषताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है जो उनके लक्ष्यों तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उनकी विशेषज्ञता में परामर्श, मनोचिकित्सा और पुनर्वास: मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं को दूर करने के लिए सहायता प्रदान करना।

वेलनेस काउंसलर छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों की पहचान करने और उन्हें तुरंत निराकरण करने के लिए प्रारंभिक सेवाएं प्रदान करना, इस प्रकार समग्र कल्याण को बढ़ावा देना।

जागरूकता और संवेदनशीलता कार्यक्रम: परिसर समुदाय के भीतर मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता और संवेदनशीलता को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम और पहल आयोजित करना। संस्थान अपने छात्रों के मानसिक कल्याण के लिए व्यापक मदद प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, यह स्वीकार करते हुए कि एक स्वस्थ मन समग्र सफलता और पूर्ति का अभिन्न अंग है।

9
परिसर का जीवन

9.1 हरित ड्राइव:

ग्लोबल पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देने के वैश्विक प्रयासों के अनुरूप, संस्थान ने ग्रीन ड्राइव के नाम से एक सक्रिय पहल की है, जिसका उद्देश्य परिसर में पारिस्थितिक जिम्मेदारी और सतत विकास की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

ग्रीन ड्राइव कई गतिविधियों और नीतियों के माध्यम से संस्थान के कार्बन पदचिह्न को कम करने पर केंद्रित है जो संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और स्थायी संसाधन प्रबंधन पर जोर देते हैं। यह पहल एक हरित परिसर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि स्थिरता शिक्षा और जागरूकता के लिए एक जीवित प्रयोगशाला के रूप में भी कार्य करता है।

प्रमुख हरित परिसर गतिविधियों में शामिल हैं:

9.1.1. विशेष अभियान 4.0 के तहत वृक्षारोपण अभियान:

विशेष अभियान 4.0 के हिस्से के रूप में, डॉ. उत्तम कुमार सुबुधी, मध्य प्रदेश राज्य बांस मिशन के निदेशक और प्रमुख मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) की उपस्थिति में 14.10.2024 को संस्थान में मुख्य अतिथि के रूप में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

9.1.2. "सिटिज़न फॉर चेंज" फाउंडेशन के साथ सहयोगात्मक वृक्षारोपण पहल:

31 जनवरी 2025 को NGO सिटीजन फॉर चेंज फाउंडेशन द्वारा स्पॉन्सर किए गए पौधों के साथ एक पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर ज़ोर दिया गया। इस पहल के तहत, इंस्टीट्यूट कैंपस में 600 देसी प्रजाति के पौधे लगाए गए, जिससे सस्टेनेबिलिटी और पारिस्थितिकी कल्याण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता मज़बूत हुई। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, मध्य प्रदेश ने सक्रिय रूप से और सफलतापूर्वक लागू किया है।

9.2 स्वच्छ भारत अभियान: स्वच्छता और स्वच्छता के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन:

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश ने 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि के दौरान विभिन्न संरचित, प्रभावशाली और समुदाय-संलग्न गतिविधियों के माध्यम से 'स्वच्छ भारत अभियान (एसबीए)' और संबद्ध स्वच्छता अभियानों को सक्रिय और सफलतापूर्वक लागू किया है। यह उल्लेख करना उचित है कि संस्थान को डीपीआईआईटी के तहत सभी संगठनों और अधीनस्थ कार्यालयों के बीच 29 नवंबर 2024 को आयोजित वीसी बैठक के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा 2023 के दौरान किए गए अपने उत्कृष्ट प्रयासों, घटनाओं और गतिविधियों के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जो संस्थान की कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

संस्थान द्वारा की गई गतिविधियों का अवलोकन निम्नलिखित है:

9.2.1. डिजिटल नवाचार:

"स्वच्छता कॉर्नर - एक कदम स्वच्छता की और" नामक एक डिजिटल डैशबोर्ड इन-हाउस संसाधनों का उपयोग करके विकसित किया गया था और संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट में एकीकृत किया गया था।" यह प्लेटफॉर्म एसबीए से संबंधित गतिविधियों और आगामी घटनाओं पर नियमित अपडेट प्रदान करता है, पारदर्शिता और व्यापक आउटरीच सुनिश्चित करता है।

9.2.2. नियमित स्वच्छता अभियान:

मासिक स्वच्छता अभियान / श्रमदान हर महीने के अंतिम गुरुवार को शाम 5:15 बजे से शाम 6:00 बजे तक आयोजित किए गए थे। सभी कर्मचारियों और कर्मचारियों ने अपने कार्यस्थलों में और उसके आसपास स्वच्छता बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सक्रिय रूप से भाग लिया। स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व को मजबूत करने के लिए प्रमुख क्षेत्रों में जागरूकता पोस्टर प्रदर्शित किए गए है

स्वच्छता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए छात्र मेस, भोजन और रसोई क्षेत्रों जैसे परिसर क्षेत्रों का दैनिक निरीक्षण और डिजिटल रूप से निगरानी की गई। सेमेस्टर छुट्टियों के दौरान, संस्थान मेस, छात्रावासों और कार्यशालाओं में एक गहरी सफाई अभियान आयोजित किया जाता है।

9.2.3 सामुदायिक और कर्मचारी जुड़ाव:

संस्थान ने समुदाय और कर्मचारियों के बीच सक्रिय जुड़ाव को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य, कल्याण और पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने के लिए कई पहल कीं। 27 मई 2024 को, स्कूल के छात्रों और डिज़ाइन उत्साही लोगों के लिए एक सप्ताह की आवासीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला डिज़ाइन शिवीर 2.0 के प्रतिभागियों द्वारा परिसर के भीतर एक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिससे युवाओ के बीच पारिस्थितिक जिम्मेदारी के महत्व को मजबूत किया गया।

10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पालन में, संविदात्मक और आउटसोर्स कर्मचारियों सहित सभी कर्मचारियों के लिए 21 जून 2024 को 'तनाव और योग प्रबंधन' पर एक सत्र आयोजित किया गया था। यह सत्र डॉ. शिखा सरोगी, एमबीबीएस और योग चिकित्सा में स्नातकोत्तर द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य समग्र कल्याण और तनाव राहत को बढ़ावा देना था। इसके अतिरिक्त, एक मासिक फिटनेस रन थीम "स्वच्छता ही सेवा" नियमित रूप से आउटसोर्स सुरक्षा कर्मियों के लिए आयोजित की गई थी, जो शारीरिक फिटनेस को प्रोत्साहित करती थी और स्वच्छता और सामुदायिक कल्याण की दिशा में सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करती थी।

9.2.4 स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024:

स्वच्छता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रव्यापी पहल के हिस्से के रूप में, संस्थान ने प्रभावी गतिविधियों की विविध श्रृंखला के साथ स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान 2024 में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन पहलों को सोच-समझकर छात्रों, कर्मचारियों और आसपास के समुदाय को स्वच्छता, स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देने में शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। स्वास्थ्य शिविरों और स्वच्छता अभियानों से लेकर जागरूकता सत्र और सांस्कृतिक आउटरीच तक, प्रत्येक गतिविधि स्वच्छ भारत अभियान के लक्ष्यों के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अभियान ने न केवल जन जागरूकता को मजबूत किया, बल्कि विभिन्न हितधारक समूहों में हाथ से भागीदारी और सहयोग को भी प्रोत्साहित किया।

1. 17 सितंबर 2024 को एनआईडी म.प्र के कर्मचारियों को स्वच्छता प्रतिज्ञा दिलायी गयी, जिससे स्वच्छता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मजबूत हुई।
2. 21 सितंबर 2024 को दोनों छात्रावासों में एक इनडोर विशेष स्वच्छता अभियान निर्धारित किया गया था, जिसमें म. प्र के छात्रों ने भाग लिया था।
3. 23 सितंबर 2024 को, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश में पूर कर्मचारियों के लिए एक नेत्र स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया था।
4. 24 सितंबर 2024 को, डीपीआईआईटी, एमओसी एंड आई, भारत सरकार के अवर सचिव श्री शंभू दत्त सती ने चल रहे स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान के तहत स्वच्छता निरीक्षण और गतिविधियों की समीक्षा के लिए एनआईडी एमपी का दौरा किया।
5. स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के हिस्से के रूप में, छात्रों और कर्मचारियों के लिए 24 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2024 तक विभिन्न आउटडोर और इंडोर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज (एसबीएम लीग) का आयोजन किया गया था, जिनसे टीम वर्क और स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा प्राप्त हुआ।
6. 24 सितंबर, 2024 को, सफाई मित्रों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए साइबर स्वच्छता पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया था।
7. 26 सितंबर, 2024 को, "स्वच्छता ही सेवा साइक्लोथॉन 2024" का आयोजन स्वच्छता के बार में जागरूकता पैदा करने और "स्वच्छ भारत अभियान" का संदेश देने के लिए किया गया था।
8. 26 सितंबर, 2024 को, राज्य सरकार द्वारा संचालित सेकेंडरी स्कूल, अचारपुरा गांव में कक्षा 5, 6, 7 वीं और 8 वीं के छात्रों के लिए स्वच्छता विषय पर एक रंग भरो प्रतियोगिता और नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।
9. सितंबर, 2024 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर, भीमबेटका यूनेस्को विश्व विरासत स्थल और भोजपुर मंदिर में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तत्वावधान में एक आउटडोर स्वच्छता अभियान/श्रमदान सह सांस्कृतिक विरासत स्थल दौरा आयोजित किया गया था।
10. अभियान के हिस्से के रूप में, डीपीआईआईटी द्वारा साझा की गई "स्वच्छता ही सेवा" 2024 का बैनर अचारपुरा में राज्य संचालित सरकारी माध्यमिक विद्यालय में प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया था।

9.2.5. विशेष अभियान 4.0:

संस्थान ने सक्रिय रूप से विशेष अभियान 4.0 मनाया और 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 तक अभियान अवधि के दौरान आयोजित और नियोजित गतिविधियों की एक श्रृंखला को सफलतापूर्वक लागू किया। इन प्रयासों ने स्थानीय समुदाय और छात्रों को स्थायी प्रथाओं और पर्यावरणीय चेतना में सकारात्मक रूप से शामिल किया।

1. 01 अक्टूबर 2024 को, संस्थान के हितधारकों के लिए एसबीए पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।
2. 01 अक्टूबर 2024 को, सफाई मित्रों के लिए पुनर्चक्रण तकनीक पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था।
3. 01 अक्टूबर 2024 को, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश में कर्मचारियों के लिए एक दंत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया था।
4. परिसर के बाहरी क्षेत्रों, छात्रों के मेस डाइनिंग क्षेत्र और रसोई क्षेत्र का नियमित आधार पर भौतिक रूप से निरीक्षण किया गया और उचित स्वच्छता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल रूप से निगरानी की गई।
5. 4 और 5 नवंबर 2024 को, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के डीपीआईआईटी के अवर सचिव श्री संतोष प्रसाद ने एनआईडी एमपी परिसर का दौरा किया। यात्रा में विशेष अभियान 4.0 के दौरान किए गए स्वच्छता उपायों का निरीक्षण करने और गतिविधियों की समीक्षा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
6. डॉ. विद्या राकेश, निदेशक, एनआईडी मध्य प्रदेश ने 4 नवंबर, 2024 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत संस्थान परिसर में वृक्षारोपड़ किया गया।
7. 14 नवंबर 2024 को, अचारपुरा गांव में राज्य संचालित सरकारी माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को स्वच्छता प्रतिज्ञा (हिंदी में) दी गई। इस गतिविधि ने छात्रों को अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता और टिकाऊ प्रथाओं के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए प्रेरित किया।
8. 14 नवंबर 2024 को अचारपुरा गांव के सरकारी माध्यमिक विद्यालय में छात्रों के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक छोटा सत्र आयोजित किया गया था। सत्र का उद्देश्य युवा शिक्षार्थियों के बीच जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ आदतों को अपनाने को प्रोत्साहित करना था।
9. "एसएचएस/विशेष अभियान 4.0/स्वच्छता पखवाड़ा" अभियान के तहत आयोजित गतिविधियों ने स्वच्छता और सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने में छात्रों और समुदाय को सफलतापूर्वक शामिल किया। एनआईडी म. प्र ,ने आचारपुरा में सरकारी माध्यमिक विद्यालय के सहयोगात्मक प्रयासों ने एक सकारात्मक प्रभाव पैदा किया, जिससे स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को बढ़ावा मिला।

भीमबेटका यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल पर आउटडोर स्वच्छता अभियान/श्रमदान का आयोजन किया गया

एसएचएस 2024 अभियान के हिस्से के रूप में संस्थान द्वारा आयोजित रंग भरो प्रतियोगिता और नारा लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं (शीर्ष तीन प्रतिभागियों) को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। बाल दिवस (14 नवंबर 2024) को आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम, विशेष रूप से 5वीं, 6वीं, 7वीं और 8वीं कक्षा के छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया था। यह समारोह एनआईडी एमपी के निदेशक और स्कूल शिक्षण कर्मचारियों की सम्मानित उपस्थिति में हुआ।

9.2.6. स्थिरता और निरंतर जुड़ाव:

संस्थान विभिन्न सक्रिय पहलों के माध्यम से स्थिरता और डिजिटल स्वच्छता के लिए प्रतिबद्ध रहा। जल शक्ति अभियान के हिस्से के रूप में, परिसर में वर्षा जल संचयन संरचनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई और 'जल अभियान जन भागीदारी' पोर्टल पर विधिवत अद्यतन किया गया, जो जल संरक्षण और जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन के लिए संस्थान के समर्पण को दर्शाता है।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), सरकार के निर्देशों के अनुपालन में एसजेवीएन लिमिटेड के माध्यम से रूफटॉप सौर इकाइयों के साथ नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग और सरकारी भवनों की संतृप्ति को बढ़ावा देना। भारत में, संस्थान ने रूफटॉप सौर प्रणालियों की स्थापना की सुविधा के लिए पीएम सूर्य घर राष्ट्रीय पोर्टल पर आवश्यक जानकारी अपलोड की।

इसके अतिरिक्त, संस्थान ने डिजिटल स्वच्छता और साइबर सुरक्षा प्रथाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 01 से 15 फरवरी 2025 तक साइबर स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। इसके अनुरूप, संस्थान ने 11 फरवरी 2025 को सुरक्षित इंटरनेट दिवस भी चिह्नित किया, जिसके दौरान एनआईडी एमपी के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) ने सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (आईएसईए) परियोजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा आयोजित साइबर स्वच्छता पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया। ये प्रयास पर्यावरणीय स्थिरता और डिजिटल कल्याण दोनों में संस्थान के चल रहे जुड़ाव को दर्शाते हैं।

9.3 एनआईडी एमपी में जीवन:

एनआईडी एमपी में जीवन एक सुखद अनुभव है जो समुदाय, कल्याण और बौद्धिक विकास की भावना को बढ़ावा देता है। भोपाल शहर के बाहरी इलाके में स्थित, 16 आवासीय इकाइयां न केवल आवास प्रदान करती हैं, बल्कि कर्मचारियों के बीच एकजुटता की भावना भी पैदा करती हैं, जिससे सहयोग के लिए एक आदर्श वातावरण बनता है।

संस्थान अपने निवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण पर जोर देता है, जो बुनियादी चिकित्सा सेवाओं के लिए एक समर्पित स्वास्थ्य केंद्र की पेशकश करता है, और एक वेलनेस काउंसलर जो मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से दौरा करता है और परामर्श और चिकित्सा के माध्यम से कर्मचारियों और उनके परिवारों को सहायता प्रदान करता है।

मल्टी फैसिलिटी रिजुवेनेशन सेंटर (एमएफआरसी) जीवित अनुभव को और समृद्ध करता है, जो शारीरिक फिटनेस, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक संपर्क के विकल्पों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। अभ्यास उपकरण, इनडोर खेल सुविधाओं, संगीत वाद्ययंत्रों और एक निर्दिष्ट योग क्षेत्र के साथ, एमएफआरसी निवासियों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने, तनाव कम करने और उनके समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है। ओपन जिम सभी उम्र और फिटनेस स्तर के लोगों को वर्कआउट और अभ्यास में संलग्न होने के अवसर प्रदान करता है।

इसके अतिरिक्त, परिसर में मोबाइल एटीएम बैंकिंग की सुविधा, एक मेस सुविधा जो पोषण युक्त और विविध भोजन प्रदान करती है, यह सुनिश्चित करती है कि निवासियों के पास आवश्यक सेवाओं तक पहुंच हो।

सीखने और ज्ञान साझा करने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान अपने निवासियों को पुस्तकालय सुविधाओं प्रदान करता है , जो पुस्तकों, पत्रिकाओं और सीखने की सामग्री के तक पहुंच प्रदान करता है।

एनआईडी एमपी पुस्तकालय बौद्धिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करती है, जहां कर्मचारी विचारों पर चर्चा करने, सार्थक बातचीत में संलग्न होने और अपने क्षितिज का विस्तार करने के लिए इकट्ठा होते हैं। इस पहल का उद्देश्य परिसर में एक जीवंत और बौद्धिक रूप से उत्तेजक समुदाय का निर्माण करना है, जो निवासियों के लिए जीवन की समग्र गुणवत्ता को समृद्ध करता है।

9.3.1 संस्थान सभागार में एनआईडी एमपी छात्र/पूर्व छात्रों की फिल्म स्क्रीनिंग

9.3.2 सांस्कृतिक प्रदर्शन

परिसर मे भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए छात्र

9.3.3 नववर्ष समारोह

9.3.4 कर्मचारियों के लिए टीम निर्माण गतिविधियां

9.3.5 खेल गतिविधियां

9.4 अच्छी प्रथाएं:

संस्थान के भीतर होने वाली स्टाफ के लिए कल्याण कारी सर्वोत्तम गतिविधियों पर एक संक्षिप्त नोट निम्न है:

9.4.1 स्टाफ वेलनेस ऑवर:

एनआईडी एमपी कार्यबल के बीच समग्र स्वास्थ्य, कल्याण और सामंजस्य की भावना में सुधार करने के लिए, संस्थान ने 16 फरवरी 2022 को 'स्टाफ वेलनेस ऑवर' की अवधारणा को लागू किया। इस पहल में, स्टाफ सदस्यों को खेल, खेल, योग, पढ़ने, जिम, संगीत और शौक जैसी गतिविधियों के माध्यम से हर सप्ताह अपनी भलाई के लिए एक घंटा (बुधवार को 5 से 6 बजे तक) समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

9.4.2 मासिक स्वच्छता अभियान:

एनआईडी म. प्र के कर्मचारियों और छात्रों के बीच स्वच्छता, भावना और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया गया है। इस संबंध में, संस्थान अभियान में स्वच्छता अभियान या स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित किसी अन्य कार्यक्रम के लिए हर महीने के अंतिम गुरुवार को 45 मिनट (05:15 बजे से 06:00 बजे) निर्धारित किए गए हैं।

9.4.3 फिटनेस रन:

आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारियों के लिए हर महीने के अंतिम मंगलवार को एक फिटनेस रन थीम 'स्वच्छता ही सेवा' आयोजित की जाती है, जो शारीरिक कल्याण और दोनों को बढ़ावा देती है, स्वच्छता के बारे में जागरूकता।

9.4.4 ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर:

उच्च गुणवत्ता वाली खाद बनाने के अपने प्रयासों के हिस्से के रूप में, संस्थान ने एक जैविक खाद मशीन खरीदी है जो कि सब्जियों, गैर-सब्जियों, अंडे, फल और सब्जी छिलके और बचे हुए भोजन सहित विभिन्न प्रकार के खाद्य कचरे की खाद बनाने के लिए उपयोग करता है। यह कोई अपशिष्ट जल नहीं उत्सर्जित करता है, कोई गंध नहीं उत्सर्जित करता है, और कोई विषाक्त गुण प्रदर्शित नहीं करता है। विभिन्न बागवानी गतिविधियों को उत्पादित खाद खाद के साथ किया जा सकता है। जैविक कचरे की खाद बनाने के पारंपरिक तरीकों की तुलना में, कंपोस्टर तकनीक को प्रसंस्करण प्रक्रियाओं को पूरा करने में कम घंटे लगते हैं। इसके अतिरिक्त, यह संस्थान के अपशिष्ट प्रबंधन में मदद करता है। चूंकि मशीन पूरी तरह से स्वचालित है, इसलिए यह ऑपरेटिंग मैनपावर को बचाता है। इसे एक व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा सकता है, अक्सर अंशकालिक आधार पर।

9.4.5 वेलनेस काउंसलर:

एक अनुभवी वेलनेस काउंसलर की सेवाएं संस्थान द्वारा अनुबंध के आधार पर कर्मचारियों और छात्रों को उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, तनाव को दूर करने और स्वस्थ आदतों को अपनाने में मदद करने के लिए लगी हुई हैं।

9.4.6 जैव चिकित्सा अपशिष्ट संग्रहण:

संस्थान ने वैकल्पिक दिनों में उपयोग किए गए सैनिटरी पैड के साथ जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के संग्रह और पर्यावरण मानकों के अनुसार परिसर के बाहर निपटान के लिए एक पेशेवर सेवा प्रदाता से अनुबंध किया है।

9.4.7 कक्षा प्रतिनिधियों के साथ बैठक:

संवाद को बढ़ाने और छात्रों की चिंताओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के प्रयास में, संस्थान गैर-शिक्षण कर्मचारियों और सभी वर्ग प्रतिनिधियों (कक्षा प्रतिनिधियों) के साथ इंटरैक्टिव बैठकें आयोजित करता है, जो एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देता है और छात्र सहायता तंत्र को मजबूत करता है।

9.4.8 आगाज:

"आजादी का अमृत महोत्सव" विषय के तहत एक विशेष पहल 'आगाज' शुरू की गई थी। उक्त पहल के हिस्से के रूप में, संस्थान ने परिसर के भीतर परिवहन का एक सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल तरीका प्रदान करने के लिए अपने छात्रों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए 20 साइकिलों (10 पुरुषों की साइकिल और 10 महिलाओं की साइकिलें) का प्रावधान किया है।

9.4.9 मुफ्त योग कक्षाएं:

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, तनाव को कम करने और कर्मचारियों के बीच कल्याण की भावना को बढ़ावा देने के प्रयास में, सभी कार्य दिवसों में एक स्वयंसेवक आंतरिक संसाधन व्यक्ति द्वारा मुफ्त योग कक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

9.4.10 स्वतः संज्ञान डिस्क्लोजर:

आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 4 के तहत सू मोटू प्रकटीकरण के कार्यान्वयन के अनुपालन में, संस्थान ने उपयोगकर्ता की पहुंच बढ़ाने के लिए अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर स्वतः संज्ञान प्रकटीकरण वेबपेज को अपडेट किया है। वेबपेज पहले से प्रासंगिक जानकारी, आदेश, परिपत्र आदि को बनाए रखना सुनिश्चित करता है, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

9.4.11 साइबर जागरुकता दिवस:

हर महीने के पहले सप्ताह के बुधवार को साइबर जागृक्ता दिवस (सीजेडी) के पालन के अनुपालन में, संस्थान के आईटी अनुभाग ने जागरूकता को बढ़ावा देने और संस्थान के भीतर साइबर सुरक्षित पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में योगदान करने के लिए कर्मचारियों के बीच क्या करें और क्या न करें की उपयोगकर्ता-स्तरीय चेकलिस्ट प्रसारित करता है।

9.4.12 24*7 एम्बुलेंस सेवाएं:

संस्थान ने छात्रों, कर्मचारियों और कर्मचारियों को चिकित्सा आपात स्थिति से निपटने और चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करने के लिए परिसर में 24 घंटे की एम्बुलेंस सेवा (संविदा के आधार पर) प्रदान की।

9.4.13 राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन):

03 जनवरी 2025 को संस्थान के लिए 01 जीबीपीएस राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) लिंक को संतोषजनक ढंग से चालू किया गया था। राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) एक बहु-गीगाबिट राष्ट्रीय अनुसंधान और शिक्षा नेटवर्क है, जिसका उद्देश्य भारत में शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों के लिए एक एकीकृत उच्च गति नेटवर्क रीढ़ प्रदान करना है। नेटवर्क का प्रबंधन राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा किया जाता है।

स्वच्छता
ही सेवा 2024

9.4.14 स्वास्थ्य जागरूकता शिविर और रक्तदान अभियान:

10

वित्तीय संसाधन

10.1 पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा,
उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य
ए.जी.सी.आर, भवन, आई.पी. एस्टेट,
नई दिल्ली-110 002

सत्यमेव जयते

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT,
INDUSTRY AND CORPORATE AFFAIRS
A.G.C.R. BUILDING I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

संख्या: ए.एम.जी.-III/6(19)/ वार्षिक खाता/
NID MP/2024-25/2025-26/427-429
दिनाँक: 08 DEC 2025

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
कमरा नंबर- 223, वाणिज्य भवन,
नई दिल्ली- 110 001

विषयः वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (National Institute of Design, Madhya Pradesh) के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (National Institute of Design, Madhya Pradesh) के अंकेक्षित वार्षिक लेखों की प्रति तथा उन पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संसद के पटल पर रखने के लिए अग्रेषित की जा रही है। कृपया यह सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संसद के दोनो सदनों के सम्मुख प्रस्तुत करने से पहले शासी निकाय (Governing Council) को नियमानुसार प्रस्तुत की जाए।

आपसे अनुरोध है कि संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ, उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किए गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

भवदीय,

पवन
8/12/25

(डॉ पवन कुमार कोंडा)
ओ एस डी
(उद्योग एवं कारपोरेट कार्य)
नई दिल्ली

संलग्नः यथोक्त

दूरभाष / Phone : +91-11-23702357, फैक्स / Fax : +91-11-23702359, E-mail : pdaica@cag.gov.in

Opinion of the Comptroller and Auditor General of India on the Accounts of National Institute of Design, Madhya Pradesh for the year ended 31 March 2025

Opinion

We have audited the financial statements of National Institute of Design (NID), Madhya Pradesh, which comprise the statement of financial position as at 31 March 2025 and the Income and Expenditure Account/Receipts and Payments Account for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 25(2) of the National Institute of Design Act, 2014.

This Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards, disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions regarding compliance with the Law, Rules and Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency cum performance aspects, etc., if any, are reported through inspection reports/ CAG's audit reports separately.

In our opinion, the accompanying financial statements of National Institute of Design, Madhya Pradesh, read together with the accounting policies and Notes thereon and matters mentioned in the Separate Audit Report, which follows, **give a true and fair view** of the financial position of the autonomous body as at March 31, 2025, and its financial performance and its cash flows for the year then ended in accordance with the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the CAG's auditing regulations/standards/ manuals/ guidelines/guidance-notes/orders/circulars etc. Our responsibilities are further described in the *Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements* section of our report. We are independent of the autonomous body in accordance with ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Responsibilities of Management for the financial statements

The Governing Council of the National Institute of Design, Madhya Pradesh is responsible for the preparation and fair presentation of the financial statements in accordance with the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020 and for internal control as management determines it necessary to enable the preparation of financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion in accordance with CAG's auditing regulations /standards/ manuals guidelines/ guidance-notes/ orders circulars etc.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

पवन
8/12/25

(Dr. Pawan Kumar Konda)
O S D
(Industry and Corporate Affairs)
New Delhi

Place: New Delhi
Date: 08 DEC 2025

Separate Audit Report on the Accounts of National Institute of Design, Madhya Pradesh for the year ended 31 March 2025

A. Balance Sheet

A.1 Capital Fund and Liabilities

A.1.1 Depreciation Fund (Schedule-6): ₹9.62 crore

As per the Significant Accounting Policies of the Institute, depreciation is calculated on straight-line method for items, namely, Buildings (2.50%); Machinery, Equipment & Tools (10%); Sports Equipment (10%); Furniture and Fixtures (10%); Library Books (10%); Computers & Peripherals (20%) and Computer Software (40%). Further depreciation on additions during the year has been provided for full year irrespective of date of acquisition.

However, since the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020 do not prescribe the rates of depreciation, the Institute should have followed the rates specified under the Income Tax Act, 1961 as stipulated in the Uniform Format of Accounts for Central Autonomous Bodies. Further, depreciation on assets purchased during the year should have been charged on 'pro-rata' basis as specified in the Uniform Format of Accounts. The details of depreciation charged by the Institute vis-a-vis depreciation chargeable as per the Income Tax Act, 1961 is given in **Annexure-I.**

Thus, charging of depreciation on the rates which are different from the rates specified under the Income Tax Act, 1961 and non-charging of depreciation on assets purchased during the year on 'pro-rata' basis has resulted in understatement of Depreciation Fund and overstatement of Capital Fund by ₹1.29 crore.

The issue was also raised in the Separate Audit Report for the years 2022-23 and 2023-24. However, corrective action in this regard was yet to be taken.

A.1.2 Earmarked Funds (Schedule-2): ₹28.08 crore
Establishment Expenses (Schedule-14): ₹7.05 crore

As per the Significant Accounting Policy no. 1 (b) given under Schedule-17 of the Annual Accounts of NID, Madhya Pradesh, the financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting except for liability towards privileged leave.

This is in contravention to the provisions of Accounting Standard-15 (Employee Benefits) which requires measurement of liability towards leave encashment on the basis of actuarial valuation. Moreover, NID, Madhya Pradesh got the actuarial valuation of liability amounting to ₹99.69 lakh on account of Terminal leave benefits as on 31 March 2025, however, the same was not recognised in the books of accounts.

This resulted in understatement of Establishment Expenses and overstatement of Surplus by ₹99.69 lakh each.

The issue was also raised in the Separate Audit Report for the year 2023-24. However, corrective action in this regard was yet to be taken.

A.2 Assets

A.2.1 Fixed Assets (Schedule-6): ₹129.61 crore
Capital Work in Progress: ₹111.46 crore

The above includes capital works of NID Madhya Pradesh campus. As per the records, payments aggregating to ₹112.23 crore (excluding interest) to NBCC (India) Limited and ₹1.36 crore to Central Public Works Department (CPWD) had been made till 31 March 2025. Out of these payments, NID had capitalised ₹1.71 crore[1] till 31 March 2025 and ₹0.42 crore had been shown as Capital Advance in respect of NBCC. The remaining amount of ₹111.46 crore had been shown under Capital Work-in-Progress.

The campus was inaugurated virtually in February 2019 and the facilities had already been put to use, and the batches for all four years (Bachelor of Design Degree) had already commenced on or before 31 March 2025. As the Institute had become fully operational on or before 31 March 2025, the whole work should have been capitalised.

This resulted in understatement of Fixed Assets and overstatement of Capital Work-in-Progress by ₹111.46 crore, with consequential impact on depreciation.

The issue was also raised in the Separate Audit Report for the year 2022-23 and 2023-24. However, corrective action in this regard was yet to be taken by the Institute.

B. Management Letter

Deficiencies which have not been included in this Separate Audit Report have been brought to the notice of the Management through a Management Letter issued separately for remedial/corrective action.

C. Assessment of Internal Controls

(i) Adequacy of Internal Control System
The internal control system was not commensurate with the size of business/transactions in the Institute, as evident from the fact that during the year 2024-25, only two meetings of the Governing Council (10th and 11th meetings) were held on 24.04.2024 and 15.07.2024, instead of at least four times in a year as per the National Institute of Design Act, 2014. Further, accounting of capitalisation of assets and charging of depreciation needs to be strengthened.

(ii) Adequacy of Internal Audit System:
The Internal Audit for the year 2024-25 was not conducted.

(iii) System of Physical verification of Fixed Assets:
Physical verification of Fixed Assets was carried out by the Institute during the year.

(iv) System of Physical verification of Inventories:
Physical verification of Inventories was carried out by the Institute during the year.

---

[1] ₹1.25 crore paid to NBCC and ₹0.46 crore paid to CPWD

(v) System of payment of statutory dues:

The Institute was regular in payment of undisputed statutory dues during 2024-25.

(vi) Other matters relating to functioning of the entity:

A reference is invited to clause 6 (h) of Schedule 17 of National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020, which provided that the Gratuity is charged to Income and Expenditure Account on the basis of actuarial valuation and the same is contributed to the NID Employees' Gratuity Fund. Though, NID Madhya Pradesh created the provision towards Gratuity, the same was not contributed to the Employees Gratuity Fund as per the requirements of the aforesaid clause 6(h). This led to non-compliance with the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020 to that extent.

D. Grants in aid

The Institute had an unutilised balance of grants amounting to ₹0.03 crore as on 1 April 2024 and it received grants amounting to ₹13.46 crore under different heads (General: ₹5.36 crore, Salary: ₹6.97 crore, and Capital: ₹1.13 crore) from the Ministry of Commerce and Industry during the year 2024-25. Out of the total grants amounting to ₹13.49 crore, the Institute utilised ₹12.22 crore (General: ₹4.45 crore, Salary: ₹6.97 crore and Capital: ₹0.8 crore) and surrendered an amount of ₹1.02 crore during the year. As on 31 March 2025, the unutilised amount of grants was ₹0.25 crore.

Annexure - I

Depreciation charged by the Institute and depreciation chargeable as per Income Tax Act, 1961

Asset Category	Gross Value of asset as on 01.04.2024	Additions of Assets during the year 2024-25	Total Value of Assets on which depreciation charged by the Institute for FY 2024-25	Depreciation Rate charged by the Institute (in percentage)	Amount of Depreciation as per the Institute	Depreciation Rate as per Income Tax Act, 1961 (in percentage)	Amount of Depreciation as per Income Tax Act, 1961	Short Charging of Depreciation by the Institute
NID Campus Building	1,81,93,171	45,49,711	2,27,42,882	2.5	5,68,572	10	19,10,731	13,42,159
Machinery, Equipment & Tools	7,33,00,419	59,46,883	7,92,47,302	10	79,24,730	15	1,13,73,405	34,48,675
Furniture & Fixtures	89,60,575	8,89,171	98,49,746	10	9,84,975	10	9,31,372	(-) 53,603
Library Books	1,83,08,216	0	1,83,08,216	10	18,30,822	40	73,23,286	54,92,464
Computers & Peripherals	5,09,40,930	4,03,708	5,13,44,638	20	57,81,691	40	84,98,250	27,16,559
Total					**1,70,90,790**		**3,00,37,044**	**1,29,46,254**

10.2 वार्षिक लेखा

FORM A
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 2025

(Amount in Rupees)

Particulars	Schedule	31.03.2025	31.03.2024
CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CAPITAL FUND:	1	1,204,573,216	1,213,720,624
DEPRECIATION FUND:	6	96,156,402	79,075,612
EARMARKED FUND:	2	280,769,425	211,597,152
GRANTS AND CONTRIBUTIONS:	3	2,508,973	296,921
GRANT FOR NEW NIDs:	4	-	-
CURRENT LIABILITIES:	5	58,728,667	52,645,221
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT:	9	6,776,829	-
Total		**1,649,523,512**	**1,557,335,530**
ASSETS			
FIXED ASSETS (At Cost):	6	1,296,115,580	1,275,752,759
INVESTMENTS (At Cost):	7		-
CURRENT ASSETS, LOAN & ADVANCES, ETC:	8	353,407,932	281,582,771
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT:	9		-
Total		**1,649,523,512**	**1,557,335,530**
Notes forming part of Accounts	17		

Place: Bhopal
Date: 13.05.2025

Director
निदेशक
National Institute of Design, Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
National Institute of Design, Madhya Pradesh

FORM 'B'
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2025

(Amount in Rupees)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
A. INCOME			
FEES:	10	89,925,104	62,338,252
SERVICE CHARGES:	11	468,535	506,815
GRANTS:	12	114,157,172	130,746,177
INTEREST EARNED:	13	750,834	375,443
OTHER INCOME:		2,912,159	2,882,748
TRANSFERRED FROM CAPITAL FUND TO THE EXTENT OF DEPRECIATION	1	17,090,790	20,155,970
TOTAL (A)		**225,304,594**	**217,005,405**
B. EXPENDITURE			
ESTABLISHMENT EXPENSES:	14	70,450,705	73,250,104
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES:	15	81,940,917	83,951,317
EXPENSES ON PROJECTS:	11	413,775	919,101
INTEREST/BANK CHARGES:		6,032	-
DEPRECIATION:	6	17,090,790	20,155,970
AMOUNT TRANSFERRED TO SPECIFIC FUNDS:	16	48,625,546	38,728,913
TOTAL (B)		**218,527,765**	**217,005,405**
BALANCE BEING DEFICIT CARRIED OVER TO BALANCE SHEET (A-B)		**6,776,829**	-
Notes forming part of Accounts	17		

Place: Bhopal
Date: 13.05.2025

Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign,
Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-1
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2025

CAPITAL FUND

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2025	31.03.2024
Schedule 1 – Capital Fund		
A. Capital Fund Balance as on 01.04.23	1,213,720,624	1,209,622,631
a Add: i) Amount transferred from Central Govt. Grants Account for meeting Non-recurring expenditure	7,239,762	21,832,030
ii) Amount transferred from Appropriation of fund for Building under construction Account	794,093	4,024,872
iii) Amount transferred from Income & Expenditure A/c. on account of excess of cost over grant for Non-Recurring Expenditure		-
b. Less: Transferred to Income & Expenditure Account to the extent of depreciation on assets acquired out of Capital Funds	17,090,790	20,155,970
c. Less: Adjustment of the value of Machinery, Equipment & Furniture sold/discard during the year.	90,473	1,602,939
Sub-Total (A)	**1,204,573,216**	**1,213,720,624**
B. Land Reserve Balance as on		-
Total (A+B)	**1,204,573,216**	**1,213,720,624**

Director
Director
निदेशक
National Institute of Design, Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-2
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2025

EARMARKED FUNDS

Amount in Rupees

Sr. No.	Name of funds	Opening Balance as on 01.04.2024	Interest Credited	Other Credited	Amount debited	Ref. Note	Closing Balance as on 31.03.2025
1	NID MP Corpus Fund	211,597,152	20,546,727	48,625,546	-	-	280,769,425
	Grand Total	**211,597,152**	**20,546,727**	**48,625,546**	**-**		**280,769,425**
	Previous Year	**158,452,094**	**14,416,145**	**38,728,913**	**-**		**211,597,152**

Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign,
Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-3
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2025

GRANTS AND CONTRIBUTIONS

Amount in Rupees

Sr. no.	Name of Account	Opening Balance as on 01.04.2024	Grant Credited	Amount Debited			Ref. Note	Closing Balance as on 31.03.2025
				Non Recurring Exps	Transferred to I&E A/c	Other debited		
1	Central Government Grant (Plan)	296,921	134,600,000	8,033,855	114,157,172	10,196,921		2,508,973
	Grand Total	**296,921**	**134,600,000**	**8,033,855**	**114,157,172**	**10,196,921**		**2,508,973**
	Previous Year	**54,228**	**160,900,000**	**25,856,902**	**130,746,177**	**4,054,228**		**296,921**

Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign,
Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-4
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2025

GRANTS FOR NEW NIDs

Amount in Rupees

Sr. no.	Name of Account	Grant Credited up to 31.03.2024	Grant utilised up to 31.03.2024	Opening Balance as on 01.04.2024	Grant Credited during the year	Total	Amount Debited			Closing Balance as on 31.03.2025
							Non-Recurring Exps	Transferred to CPWD/NBCC for Const. Work	Other debited	
	Central Government Grant Plan (non recurring) for implementation of National Design Policy: Setting up of New NID Campuses of NID (Madhya Pradesh)									
	Grand Total	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Previous Year	-	-	-	-	-	-	-	-	-

Director
Director
निदेशक
National Institute of Design, Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-5
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2025

Current Libilities

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2025	31.03.2024
1. For Expenses	7,339,868	7,038,976
2. For Rent & Other Deposits	4,153,327	3,075,666
3. Sundry Credit Balances	35,179,681	30,625,699
4. For Advances for projects in progress	12,055,791	11,904,880
Total	**58,728,667**	**52,645,221**

Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign,
Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-6
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2025

FIXED ASSETS

Amount in Rupees

Sl No.	Particulars	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		As on 01.04.2024	Addition	Sale/ Adjustment	As on 31.03.2025	As on 01.04.2024	For the year	Sale/ Adjustment	As on 31.03.2025	As on 31.03.2025	As on 31.03.2024
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
A	**IMMOVABLE PROPERTIES**										
1	Land	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
	Sub total of 1	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	NID Campus Buildings	18,193,171	4,549,711	-	22,742,882	2,990,970	568,572	-	3,559,542	19,183,340	15,202,201
	Sub-total of (1+2) (A)	**18,193,172**	**4,549,711**	-	**22,742,883**	**2,990,970**	**568,572**	-	**3,559,542**	**19,183,341**	**15,202,202**
B	**MOVABLE PROPERTIES**										
1	Machinery, Equipment & Tools	73,300,419	5,946,883	-	79,247,302	23,446,312	7,924,730	-	31,371,042	47,876,260	49,854,107
2	Furniture & fixtures	8,960,575	889,171	-	9,849,746	2,925,600	984,975	-	3,910,575	5,939,171	6,034,975
3	Computers & Peripherals	50,940,930	403,708	-	51,344,638	41,863,790	5,781,691	-	47,645,481	3,699,157	9,077,140
4	Staff pool vehicles	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Library books	18,308,216	-	-	18,308,216	7,848,940	1,830,822	-	9,679,762	8,628,454	10,459,276
	Sub-total of B	**151,510,140**	**7,239,762**	-	**158,749,902**	**76,084,642**	**16,522,218**	-	**92,606,860**	**66,143,042**	**75,425,498**
C	**Capital Work in Progess**	1,106,049,447	8,972,262	398,914	1,114,622,795	-	-	-	-	1,114,622,795	1,106,049,447
	Sub-total of C	**1,106,049,447**	**8,972,262**	**398,914**	**1,114,622,795**	-	-	-	-	**1,114,622,795**	**1,106,049,447**
	Grand Total (A+B+C)	**1,275,752,759**	**20,761,735**	**398,914**	**1,296,115,580**	**79,075,612**	**17,090,790**		**96,166,402**	**1,199,949,178**	**1,196,677,147**
	Previous Year	**1,234,043,542**	**41,709,217**	-	**1,275,752,759**	**58,919,642**	**20,155,970**	-	**79,075,612**	**1,196,677,147**	**1,175,123,900**

Vidya Rakesh
Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign, Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-7
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2025

Investments (At cost)

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2025	31.03.2024
Long Term	-	-
Fixed Deposits With	-	-
Bonds	-	-
Total	-	-

Director — Director, निदेशक, National Institute of Design, Madhya Pradesh, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts — वित्त एवं लेखा नियंत्रक, Controller of Finance & Accounts, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश, National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-8
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2025

Current Assets, Loan, Advances etc.

Amount in Rupees

Particulars	31.03.2025	31.03.2024
A. Current Assets:		
1. Inventories (at cost)		
a. Stores & Spares	725,940	522,254
b. Academic/Workshop/Lab/Studio Consumables	765,437	678,286
c. Other Consumables	481,633	-
d. Stationery	-	246,393
Total A	**1,973,010**	**1,446,933**
2. Cash Balances on Hand	69,899	88,266
3. Bank Balances		
a. In Current Accounts with	7,123,101	6,421,213
Sub Total- a	**7,123,101**	**6,421,213**
b. In Savings Accounts with		-
Sub Total- b	**0**	**-**
Sub Total-(a+b)	**7,123,101**	**6,421,213**
c. In Call/Term Deposit Account with	298,300,000	225,724,303
Sub Total-c	**298,300,000**	**225,724,303**
Sub Total 3 (a+b+c)	**305,423,101**	**232,145,516**
Total (A) (1+2+3)	**307,466,010**	**233,680,715**

Director — Director, National Institute of Design, Madhya Pradesh, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts — Controller of Finance & Accounts, राष्ट्रीय डिज़ाईन संस्थान, मध्यप्रदेश, National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-8
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2025

Current Assets, Loan, Advances etc.

Amount in Rupees

Particulars	31.03.2025	31.03.2024
B. Loan, Advances and Other Assets:		
(i) Loans:		
a. Secured		-
Sub Total of i(a)		-
b. Unsecured		-
Sub Total of i(a+b)		-
(ii) Advances:		
a. Contingency Advance to Suppliers	3,596,649	8,176,834
b. Capital Advance for Works	4,624,038	17,442,391
c. Contingency Advance to Staff	328,855	369,685
Sub Total (ii)	**8,549,542**	**25,988,910**
(iii) Other Current Assets		
a. Security Deposit	1,534,300	1,586,000
b. Accured Interest on STDR	29,864,448	16,869,527
c. TDS refundable	21,126	894,514
d. Prepaid Expenses	4,029,422	1,265,492
e. Accrued Income	1,384,699	1,163,908
f. Accrued Mess Charges	261,639	133,705
g. Student Medical Insurance Premium Receivable	296,746	
Sub Total (iii)	**37,392,380**	**21,913,146**
Total of B (i+ii+iii)	**45,941,922**	**47,902,056**
Total of (A+B)	**353,407,932**	**281,582,771**

Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign,
Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-9
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2025

Income and Expenditure Account

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2025	31.03.2024
Balance as on 01.04.2024	-	-
Less:- Met from NID's own Income	-	-
Less: Current year's deficit (Plan Recurring)	-	-
Add: Current year's surplus (Non-Plan Recurring)	6,776,829	-
Surplus/Deficit carried over to Balance Sheet	**6,776,829**	**-**

Vidya Rakesh
Director
Director
निदेशक
National Institute of Design, Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-10
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2025

Fees

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2025	31.03.2024
1. Tution Fees	72,018,435	48,554,111
2. Hostel Fees	17,568,727	13,551,057
3. Film Club Fee	57,942	53,084
4. Graduation Project Fee	280,000	180,000
Total	**89,925,104**	**62,338,252**

Director — Director, निदेशक, National Institute of Design, Madhya Pradesh, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, म.प्र.

Controller of Finance & Accounts — वित्त एवं लेखा नियंत्रक, Controller of Finance & Accounts, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश, National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-11
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2025

Income from Project receipts/Grants (Non Plan) & Expenses from projects (Non Plan)

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2025		31.03.2024	
	Project Expenses	Project Receipts	Project Expenses	Project Receipts
Project from M/s UBER India Ltd.	0	0	-	-
Uniform Design Project From M.P. Govt.	50,048	-	102,985	-
MP Text Book Corporation Project			90,492	90,492
MP Directorate of Handloom for Fashion Week Project			171,903	21,903
MPDU	68,425	182,425	223,283	54,790
Design Shivir			188,585	188,585
Faulty Development Programme			15,648	15,648
ODOP Project Chattarpur MP	13,820	4,628	-	9,192
FIPS Project			126,205	126,205
Logo Design Project From Jaipur Gems & Jewellery				
Logo Design Project From National Gems & Jewellery				
Design Shivir 2024	241,499	241,499		
Rachnatmak Karyashala 2024	39,983	39,983		
Design Shivir 2024				
Total	**413,775**	**468,535**	**919,101**	**506,815**

Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign,
Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-12
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2025

Transfers from Grant & Contributions

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2025	31.03.2024
1. From Central Government Plan Grant for Recurring Exp.	114,157,172	130,746,177
Total	**114,157,172**	**130,746,177**

Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign,
Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-13
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2025

Interest Earned

(Amount in Rupees)

Particulars	**31.03.2025**	**31.03.2024**
(Other than directly credited to Earmaked Funds)		
A) On Term Deposit		
a. Interest on STDRs	656,737	299,470
Sub-Total A	**656737**	**299,470**
B) On Saving/Current A/c		-
Sub-Total B	**0**	**-**
C) On Loan/Deposit		
a. On Security Deposit/TDS	94,097	75,973
b.		
Sub-Total C	**94,097**	**75,973**
Total of A+B+C	**750,834**	**375,443**

Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign,
Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-14
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2025

Establishment Expenses

(Amount in Rupees)

Particulars	Non-Plan Recurring Expenses	Plan Recurring Expenses			2024-25 Total	2023-24 Total of Non-Plan and Plan Recurring Expenses
		R & D	Other	Total		
1. Salary, Wages & Allowances						
a. Salaries and allowances	-	50,658,166	0	50,658,166	50,658,166	49,201,273
b. Leave Travel Concession	-	676,195	0	676,195	676,195	806,099
c. Leave Encashment to Serving Officials	-	94,050	0	94,050	94,050	36,688
d. Leave salary and Pension Contribution	-	0	0	0	-	-
e. Remuneration to Employees on Contract		10,654,288		10,654,288	10,654,288	11,269,694
Sub-Total 1	-	**62,082,699**	**0**	**62,082,699**	**62,082,699**	**61,313,754**
2. Provident fund contribution						
a. Contribution to NPS (Employer's Share)	-	6,151,167		6,151,167	6,151,167	5,900,606
Sub-Total 2	-	**6,151,167**	**0**	**6,151,167**	**6,151,167**	**5,900,606**
3. Gratuity contribution						
a. Payment for Gratuity	-	1,413,382	0	1,413,382	1,413,382	4,781,562
b. Leave Encashment to Retired Officials	-	46,410	0	46,410	46,410	226,459
c. Others	-		0	0	-	-
Sub-Total 3	-	**1,459,792**	**0**	**1,459,792**	**1,459,792**	**5,008,021**
4. Medical Reimbursement & Staff welfare						
a. Medical Reimbursement to Serving & Retired Officials	-	757,047	0	757,047	757,047	1,027,723
b. Others	-	0	0	0	-	-
Sub-Total 4	-	**757,047**	**0**	**757,047**	**757,047**	**1,027,723**
Total (1+2+3+4)	-	**70,450,705**	**0**	**70,450,705**	**70,450,705**	**73,250,104**

Vidya Rakesh
Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign, Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-15
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2025

Other Administrative Expenses

(Amount in Rupees)

Particulars	Non-Plan Recurring Expenses	Plan Recurring Expenses			2024-25 Total	2023-24 Total of Non-Plan and Plan Recurring Expenses
		R & D	Other	Total		
1. Travelling expenses	315,908	334,944		334,944	**650,852**	1,157,774
2. Telephone, Telex, Postage, Internet	1,574,717	2,260,871		2,260,871	**3,835,588**	2,064,659
3. Electricity & Water expenses	4,895,951	7,998,225		7,998,225	**12,894,176**	11,909,850
4. Maintenance: Mechanical, IT, Electrical, Electronics, Fuel	5,053,494	4,730,742		4,730,742	**9,784,236**	10,080,620
5. Vehicle hiring, maintenance & Operation charges	486,777	589,843		589,843	**1,076,620**	1,447,478
6. Material, Supplies, Consumables & Misc. exp. etc	2,072,685	5,142,177		5,142,177	**7,214,862**	9,487,708
7. General Expenses for Satellite Centres				-	**-**	-
8. Advertisement & Publicity expenses	229,293			-	**229,293**	553,116
9. Welfare, Campus events & Other expenses	280,413	99,287		99,287	**379,700**	314,206
10. Library, Journals, Periodical, Software Subscriptions etc.	688,807			-	**688,807**	7,495,393
11. Student Freeship & Development	826,774	641,283		641,283	**1,468,057**	-
12. Faculty, Staff HRD, Other Misc. expenses	139,030	61,500		61,500	**200,530**	598,994
13. Rates, Taxes, Cesses		1		1	**1**	-
14. Repairs & Maintenance Campus Buildings	3,121,390	922,180		922,180	**4,043,570**	4,046,035
15. Insurance				-	**-**	-
16. Legal expenses & Professional fees	119,959	102,671		102,671	**222,630**	196,929
17. Security,Houskeeping and Horticulture Maintenance	6,224,057	8,993,883		8,993,883	**15,217,940**	13,709,559
18. Audit fees	-			-	**-**	94,380
19. Refreshment & Hospitility Expenses	79,356	44,168		44,168	**123,524**	257,241
20. Outsourcing of Contracual Staff/Consultants	3,977,793	7,236,181		7,236,181	**11,213,974**	11,643,985
21. Academic & Workshop Contingencies	3,602,153	2,082,287		2,082,287	**5,684,440**	2,590,498
22. Guest House Expenses		12,298		12,298	**12,298**	43,741
23. Hiring of Machinery/Equipments				-	**-**	-
24. Stationery and Printing Expenses	125,050	176,557		176,557	**301,607**	338,701
25. Honorarium/TA to Visiting Faculty/Jury	3,109,987	2,918,749		2,918,749	**6,028,736**	5,019,143
26. Other Misc. Expenses	166,828	144,469		144,469	**311,297**	339,956
27. Prior Period Expenditure	358,163	16		16	**358,179**	561,351
			-	-	**-**	-
Total	**37,448,585**	**44,492,332**	**-**	**44,492,332**	**81,940,917**	**83,951,317**

Vidya Kakul
Director
निदेशक
National Institute of Disign, Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, म.प्र. प्रदेश

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
नियंत्रक वित्त एवं लेखा
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-16
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2025

Amount Transferred to Reserve or Specific Fund

(Amount in Rupees)

Particulars	2024-25	2023-24
Transferred to NID MP Corpus Fund	48,625,546	38,728,913
Total	**48,625,546**	**38,728,913**

Director
Director
निदेशक
National Institute of Disign, Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

NATIONAL INSTITUTE OF DESIGN, MADHYA PRADESH

Acharpura Eintkhedi post Arwaliya,Bhopal

Receipts & Payments Account for the period ended 31/03/2025

RECEIPTS		AMOUNT	PAYMENTS		AMOUNT
To Balance b/d					
(i) In Current A/c	6,421,213.00				
(ii) In Deposit A/c	225,724,303.00				
To Cash Balance (Imprest)	88,266.00	232,233,782.00			
To Grants Received		134,600,000.00	**By Government Grant**		122,191,027.00
To Interest Received		9,007,623.00	**By Interest Received**		
To Revenue Receipts		2,703,622.00	**By Revenue Receipts**		
To Academic Receipts		92,550,391.00	**By Academic Receipts**		34,734,285.00
To Receipts from Sponsored Projects		619,446.00	**By Receipts from Sponsored Projects**		468,535.00
To Mess Charges		12,806,161.00	**By Mess Charges**		12,544,958.00
To Statutory Libilities		18,540,728.00	**By Statutory Libilities**		18,574,247.00
To Security Deposit (Vendors)		132,954.00	**By Security Deposit (Vendors)**		243,496.00
To Security Deposit (Students)		1,238,203.00	**By Security Deposit (Students)**		50,000.00
Sundry Debitors		2,052,097.00	**Sundry Debitors**		1,412,629.00
Sundry Creditors		11,251,383.00	**Sundry Creditors**		11,808,885.00
			Refund of Govt. Grant		10,196,921.00
Total Receipts		**285,502,608.00**	**Total Payment**		**212,225,023.00**
			By Balance c/d		
			(i) In Current A/c	7,123,101.00	
			(ii) In Deposit A/c	298,300,000.00	
			To Cash Balance (Imprest)	88,266.00	305,511,367.00
		517,736,390.00			**517,736,390.00**

Director — Director / निदेशक / National Institute of Disign, Madhya Pradesh / राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

Controller of Finance & Accounts — वित्त एवं लेखा नियंत्रक / Controller of Finance & Accounts / राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश / National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-17
[See sub-rule 1 of rule 4]
NATIONAL INSTITUTE OF DESIGN, MADHYA PRADESH
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet and Income and Expenditure account for the year ended March 31, 2025

Notes Forming Part of Accounts

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES:

a. BASIS FOR PREPARATION Of ACCOUNTS:

The Annual Statement of Accounts and Balance sheet of the Institute are prepared based on the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Forms of Annual Statement of Accounts) Rules 2020 notified by the DPIIT, Ministry of Commerce & Industry, Government of India vide Gazette notification no. G.S.R. 822 (E) dated 30.12.2020.

b. ACCOUNTING CONVENTION:

The Financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting except for liability towards privileged leave.

c. INVESTMENTS:

Long Term Investments are stated at cost.

d. FIXED ASSETS:

Fixed Assets are stated at the Cost. The cost includes invoice value, freight, octrol, and other incidental expenses relating acquisition.

e. GOVERNMENT GRANTS:

(i) Government grants are accounted on the basis of sanction from Government Department.

(ii) Government grant to the extent utilized towards capital expenditure, are transferred to the Capital Fund.

(iii) Government grants for meeting Revenue expenditure are treated as income of the year to the extent of expenditure incurred.

(iv) Un-Utilized grants are carried forward and exhibited as a Liability in the balance Sheet.

f. DEPRECIATION:

(i) **RATE OF DEPRECIATION**

Depreciation is calculated on Straight Line Method at the following rates, as adopted by the National Institute of Design, Ahmedabad:

Item	Rate (%)
Building	2.50
Machinery, Equipment & Tools	10.00
Furniture & Fixtures	10.00
Computers & Peripherals	20.00
Vehicles	20.00
Library Books	10.00

(ii) Depreciation on addition has been provided for the full year irrespective of date of acquisition.

(iii) An amount from the Capital Fund account was transferred to Income and Expenditure account to the extent of depreciation provided on assets acquired out of capital grant.

(iv) Depreciation is not provided for assets sold during the year.

g. FOREIGN CURRENCY TRANSACTION:

Transactions denominated in foreign currency are accounted for at the exchange rate prevailing on the date of the transaction. The bank balance held in foreign currency is converted into Rupee at RBI rate prevailing on the closing day of the financial year.

h. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES:

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

i. INCOME TAX:

The income of the Institute is exempt under the Income-tax Act 1961. No provision for Income Tax is therefore made in the accounts.

j. RETIREMENT/TERMINAL BENEFIT

Terminal leave encashment benefit to the employees is accounted for on a cash basis. Gratuity is charged to Income & Expenditure A/c on the basis Actuarial valuation and the same is shown as provision under the sch 5 "Current Liabilities".

k. Revenue Income

(i) Various fees/charges being received from Students, except "student activity fee" and "Mess charges", are treated as income for the year.

(ii) The net balance of "Student Activity fee" and "Mess Charges" is treated as current liability for the year and shown in Sch 5.

(iii) Interest earned on STDR is accounted for on an accrual basis for the year.

(iv) The revenue utilized towards the recurring expenditure, if any, incurred during the year has been shown at Sch 14 & 15 under the column "Non-Plan recurring expenditure".

I. CORPUS FUND

NID MP Corpus fund has been credited with the portion of revenue earned during the financial year as shown in Sch 2 through Sch 16.

2. Contingent Liability for the year is ₹ NIL (Previous year ₹ Nil).

3. Estimated amount of contract remaining to be executed on capital account and not provided for ₹ 27,40,550/- (Previous year ₹ NIL/-) for construction of additional infrastructure.

4. The matching amount of actual project expenditure for the ongoing projects has been taken as project income under Sch 11 "Income from Project receipts/Grants (Non Plan) & Expenses from projects (Non Plan)" to give true and fair view of the Balance sheet and Income & Expenditure account for the year.

5. The 'Other Administrative Expenditure' for the year includes an amount of Rs 3,58,179/- as prior period expenses which could not be provisioned for in the accounts for the year 2023-24.

6. The Refund of Capital Advance has been adjusted from 'Capital fund' (Sch 1).

7. Deficit for the year 2023-24 of ₹ Nil/- (For the previous year ₹ NIL) has been debited to misc. expenses, as there is no specific govt. grant received for the same during the year.

8. Corresponding figures for the previous year have been re-grouped/rearranged wherever necessary.

9. Figures in the Final accounts have been rounded off to the nearest rupee.

10. New minor/sub head under various schedules have been included for better presentation of the Schedules and Annual Account.

11. Annexures to the Schedules including R&P Account have been attached for better understanding of the concerned schedules.

Neeraj Kumar 13/8/2024

Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

Director

Director
निदेशक
National Institute of Design,
Madhya Pradesh
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

संकलन एवं हिंदी अनुवाद:- वार्षिक रिपोर्ट समिति, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
डिज़ाइन:- वैभव पाठक
कवर पेज डिज़ाइन:- डॉ. सेतु शर्मा
फोटोग्राफ (कवर, कवर के अंदर और शीर्षक पृष्ठ):- आकाश झा

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश , अचारपुरा, ईंट खेड़ी, पोस्ट अरवलिया, भोपाल (मध्यप्रदेश) – ४६२०३८